

प्रस्तावना

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) पूर्व में विस्फोटक विभाग, दिनांक 09.09.1898 को स्थापित किए जाने के बाद से ही जोखिम वाले, जैसे विस्फोटक विनिर्माण, संपिंडित गैसों तथा पेट्रोलियम से संबंधित परिसरों के संबंध में सुरक्षा को विनियमित करने के लिए राष्ट्रीय नोडल एजेन्सी के रूप में कार्यान्वित है। इस संगठन ने जोखिम वाले पदार्थों के विनिर्माण/ परिष्करण, भण्डारण, परिवहन, हैण्डलिंग और उनके उपयोग में सुरक्षा से संबंधित विषयों में एक सदी से भी अधिक समय से एक अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी पहचान बनाई है। संगठन ने अस्सी के दशक के अंतिम वर्षों तक अपने सामान्य वैधानिक दायित्वों के अतिरिक्त जन सुरक्षा, पर्यावरण जैसे विषयों पर भी स्वेच्छापूर्वक उत्कृष्ट स्तर की भूमिका निभाई है जिनमें विस्फोटकों का परीक्षण एवं डिस्पोजल, इम्प्रोवाइज्ड विस्फोटक डिवाइस शामिल हैं। इनमें से कुछ देश के स्वतंत्रता संग्राम, विभिन्न क्षेत्रों में आतंकवादी गतिविधियों आदि के दौरान राष्ट्रीय महत्व के थे। पिछले सदी के नब्बे के दशक तक इस संगठन के अधिकारियों ने पूरे भारत वर्ष में एन्टी-सैबोटेज-चेक एवं अति विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा एवं विमान पतन, आदि की सुरक्षा का दायित्व भी पूरा किया। इस संगठन ने देश की पुलिस/सुरक्षा एवं गुप्तचर कर्मियों को विस्फोटकों/विस्फोटक डिवाइस एवं अन्य विस्फोटक सामग्रियों का पता लगाने, उनके परीक्षण व उनके सुरक्षित तरीके से डिस्पोजल के बारे में प्रशिक्षण देने का महत्वपूर्ण कार्य किया, क्योंकि इस तरह की कोई अन्य एजेन्सी देश में नहीं थी। पिछले कई वर्षों में इस संगठन की गतिविधियों में कई गुना बढ़ोतरी तथा अनेक क्षेत्रों में विस्तार हुआ है। वर्तमान में यह संगठन विस्फोटक, पेट्रोलियम, संपिंडित गैसों, दाब पात्र, गैस सिलेण्डरों, पेट्रोलियम/ संपिंडित गैसों की क्रॉसकंट्री पाईपलाईन्स, एलएनजी, सीएनजी, ऑटो एलपीजी, सीबीजी, अमोनियम नाईट्रेट, आदि से जुड़े व्यापक विषयों का कार्यभार संभाल रहा है।

यह संगठन जिसमें कुल 137 अधिकारियों की स्वीकृत संख्या में से केवल 118 अधिकारी ही वर्तमान में कार्यरत हैं और आकार में अनेक सरकारी विभागों से काफी छोटा होने के उपरांत भी एक ऐसा संगठन है जो 2.77 लाख से भी अधिक जोखिम वाले परिसरों की सुरक्षा में कार्यरत है तथा अनेक उद्योगों और उपयोगकर्ता कंपनियों को विशेषज्ञ के रूप में तकनीकी एवं सुरक्षा मार्गदर्शन प्रदान करता है, जिसमें रक्षा मंत्रालय, रेलवे, जहाजरानी, भूतल परिवहन, पर्यावरण एवं वन, नागरिक उड्डयन और परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष अनुसंधान के प्रतिष्ठान समाहित हैं।

प्रारंभ में इस संगठन का दायित्व विस्फोटक अधिनियम (1884 का 5) को लागू करना था, जिसमें विस्फोटक भंडारण मैगजीनों का निरीक्षण तथा विस्फोटकों के भण्डारण एवं परिवहन से संबंधित होने वाली दुर्घटनाओं की जाँच तक ही सीमित था। इसके उपरांत दिनांक 17.02.1899 को लागू पेट्रोलियम अधिनियम (1899 का 8) तथा पेट्रोलियम नियम और इस अधिनियम के अंतर्गत बनाए गए

कैलशियम कार्बाईड नियम, 1987 का प्रवर्तन भी इस विभाग को सौंपा गया । हालांकि, उस समय विभिन्न प्रांतों में प्रचलित विभिन्न प्रांतीय नियमों के कारण पेट्रोलियम अधिनियम और नियम के प्रभावी प्रशासन में कठिनाइयां उत्पन्न हुई थी ।

पूरे देश में इन नियमों के संबंध में एकरूपता लाने के उद्देश्य से चीफ इन्स्पेक्टर ऑफ एक्सप्लोडिब्लिक्स ने नये नियमों को लागू करने का प्रयास किया जो कि सभी की अलग-अलग परिस्थितियों के अनुरूप थे । अंततः दिनांक 30.03.1937 को पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 को अनुसूचित किया गया जिसने उस समय लागू विभिन्न राज्यों व केन्द्र के नियमों को समाप्त कर दिया । दिनांक 18.02.1937 को एक समेकित कैलशियम कार्बाईड नियम लागू किया गया । देश की स्वतंत्रता के उपरांत जोखिम परंतु उपयोग वाली सामग्री जैसे विस्फोटक, पेट्रोलियम आदि को भारत गणराज्य की यूनियन सूची में स्थान प्राप्त हुआ । तत्पश्चात पेट्रोलियम नियम 1937 को सम्यक रूप से पुनरीक्षित कर उसके स्थान पर पेट्रोलियम नियम, 1976 लागू किये गये जिन्हे वर्तमान परिस्थितियों, नई तकनीक के आने तथा राज्य सभा की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति द्वारा दिये गये रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुये दिनांक 13/03/2002 को नए पेट्रोलियम नियम 2002 लागू किए गए । तत्पश्चात दिनांक 02/02/2007 और 15/06/2011 को दो संशोधन किए गए ।

इस दौरान विस्फोटक नियमों में भी कई परिशोधन एवं संशोधन किये गये जिसके कारण विस्फोटक नियम 1918 को विस्फोटक नियम 1940 द्वारा पुनरीक्षित किया गया, जिन्हे पुनः विस्फोटक नियम 1983 के द्वारा बदला गया । उपरोक्त नियमों को पुनः बृहत रूप से समालोचित कर दिनांक 29.12.2008 से विस्फोटक नियम 2008 लागू किए गए । अमोनियम नाइट्रेट के दुरुपयोग को नियंत्रित करने के क्रम में तथा खनन और विस्फोटक विनिर्माण उद्योगों में इसके उत्पादन और उपयोग को विनियमित करने के लिए, विस्फोटक अधिनियम, 1884 के अंतर्गत अमोनियम नाइट्रेट नियम बनाए गए जो दिनांक 11/07/2012 से प्रवृत्त हुए ।

वर्ष 1952 में ज्वलनशील पदार्थ अधिनियम लागू हुए । गैस सिलेण्डर नियम जो 1940 में बनाए गये थे, उन्हें नए बृहत गैस सिलेण्डर नियम 1981 से प्रतिस्थापित किया गया । भारत सरकार की उदारीकरण नीति के कारण दिनांक 21/08/2004 से लागू इन नियमों को पुनः पुनरीक्षित कर नए गैस सिलेण्डर नियम, 2004 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया ।

अज्वलित दाबपात्र में प्रपुंज संपिंडित गैसों के दाब पात्र में सुरक्षित भण्डारण एवं परिवहन हेतु पहली बार स्थिर तथा गतिशील दाब पात्र (अज्वलित) नियम 1981 को देश में लागू किया गया । नये क्षेत्र जैसे क्रायोजेनिक लिक्विड्स, ऑटो एलपीजी डिस्पेन्सिंग स्टेशन, आदि को समाहित करने हेतु इन नियमों को समय-समय पर उचित रूप से संशोधित किया गया ।

संगठन ने अपनी जटिल कार्यप्रणाली व संवर्धित उत्तरदायित्वो, जिनमें इस विशाल देश के कोने-कोने में सुरक्षा प्रावधानो को लागू करना शामिल है, को सुचारू रूप से अनुपालन किये जाने तथा

कार्यप्रणाली को आधुनिक रूप देने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा उपलब्ध कराये गये विभिन्न उपकरणों /मोड्यूलो का उपयोग करना प्रारंभ किया, जिसके फलस्वरूप इस संगठन के सभी कार्यालयों का एक नेटवर्क, जिसका सेंट्रल सर्वर नागपुर में स्थापित है, गठित किया गया है। साथ ही संगठन के सभी डाटा बेस को डिजीटाईज्ड कर इंटरनेट के द्वारा आम जनता की पहुँच इस डाटा बेस तक उपलब्ध कराई गई है। संगठन की वेबसाईट (peso.gov.in) पर सभी जनसदस्य अपने आवेदनो की स्थिति जान सकते हैं। विद्यमान अनुज्ञप्ति धारकों तथा नए आवेदकों को सुविधापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए, पेट्रोलियम नियम, 2002 के अंतर्गत विभिन्न आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत करने हेतु संगठन द्वारा जनता के लिए पब्लिक पोर्टल उपलब्ध किया गया है। संगठन द्वारा कार्यान्वित अन्य नियमों के अंतर्गत इसी तरह की सुविधाएं तथा विभिन्न नियमों के अंतर्गत लागू फीस के ऑनलाइन प्रेषण का कार्य प्रगति पर है और शीघ्र ही जनता के लिए उपलब्ध किया जाएगा। आधुनिक तकनीक, नई कम्प्युटरीकृत कार्यप्रणाली, उन्नत मानवशक्ति का उपयोग कर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निरंतर प्रशिक्षित कर एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में स्थापित करना संगठन का उद्देश्य है। जिस तरह सुरक्षा के क्षेत्र में सभी संबंधित उद्योगों, विभिन्न सरकारी विभागो/संस्थानो तथा स्वायत्त निकायों द्वारा जोखिम वाले पदार्थों के हैण्डलिंग में संगठन की सलाह और मार्गदर्शन की मांग है, उससे सदी से भी अधिक अवधि में संगठन द्वारा अर्जित प्रतिष्ठा परिलक्षित होती है।

सबसे कुशल तकनीकी कार्य-बलयुक्त, सौहार्दपूर्ण काम करने की स्थिति, सक्रिय दृष्टिकोण, ज्ञान सर्वधन में उन्नयन, आईटी तकनीक का परिनियोजन और सुरक्षा हेतु समर्पण युक्त होकर आने वाले वर्षों में संगठन उत्कृष्टता की नई उंचाईयों की ओर अग्रसर है।

एन. टी. शाहू
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

संगठन की भूमिका और कार्य

अग्नि और विस्फोटों से जनजीवन तथा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, संगठन को एक संविधिक प्राधिकरण के रूप में, विस्फोटक अधिनियम, 1884, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934, ज्वलनशील पदार्थ अधिनियम 1952 पर्यावरण (सुरक्षा अधिनियम), 1986 तथा इन अधिनियमों के अंतर्गत बनाए गए निम्नलिखित नियमों के अंतर्गत जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं:-

विस्फोटक अधिनियम 1884 :

1. विस्फोटक नियम, 2008
2. अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012
3. गैस सिलेन्डर नियम, 2004
4. स्थिर तथा गतिशील दाबपात्र (अज्वलित) नियम, 1981
5. एसिटिलिन जनरेटर से संबंधित अधिसूचना सं. जीएसआर 625(ई) दि.07.08.1983

पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 :

1. पेट्रोलियम नियम, 2002
2. कैलशियम कार्बाइड नियम, 1987
3. चलचित्र फिल्म नियम, 1948 (यह नियम अप्रचलित होने के कारण निरसित कर दिया जाने है)

संगठन को मूल रूप से दो प्रकार की प्रमुख भूमिकाएं सौंपी गई हैं, जो हैं वैधानिक भूमिका और सलाहकार की भूमिका । उपरोक्त भूमिकाओं के अंतर्गत संगठन की गतिविधियों को संक्षिप्त में नीचे वर्णित किया गया है : -

2.1: वैधानिक भूमिका

विभिन्न अधिनियमों और नियमों के अंतर्गत संगठन की वैधानिक भूमिका निम्नानुसार है :-

2.1.1: विस्फोटक नियम, 2008

साइट ले-आउट और परिसर के निर्माण योजना का अनुमोदन, विस्फोटकों के विनिर्माण, भंडारण, परिवहन और आयात/ निर्यात के लिए अनुज्ञप्ति जारी करना, विस्फोटक नियम, 2008 के अंतर्गत प्रमुख कार्य हैं । इसके अलावा, विस्फोटकों का अनुमोदन, विस्फोटकों के पैकिंग के लिए पैकेजिंग का अनुमोदन, औजार, उपकरणों और मशीनरी आदि सहित विस्फोटकों के विभिन्न प्रकार के विनिर्माण के लिए सुरक्षित कार्यपद्धति और तरीकों का निर्धारण, विस्फोटक नियम के अंतर्गत संगठन की अन्य गतिविधियां हैं ।

संगठन विस्फोटकों से जुड़ी दुर्घटनाओं की जांच करता है और जनसुरक्षा हेतु अनुपयोगी/जब्त विस्फोटकों का नष्टीकरण करता है ।

संगठन अनुज्ञप्ति/अनुमोदन जारी करते समय नए परिसरों के सत्यापन/पृष्ठांकन हेतु परिसरों का निरीक्षण तथा सुरक्षा जांच करता है तथा अनुज्ञप्त/अनुमोदित परिसरों का आवधिक निरीक्षण भी करता है ।

2.1.2: अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012

दिनांक 10 दिसंबर 2008 को अधिसूचना संख्या एस.ओ. 2899(ई) के द्वारा केन्द्र सरकार ने "अमोनियम नाइट्रेट या उसके संयोजन" को विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के अंतर्गत एक विशेष वर्ग विस्फोटक पदार्थ के रूप में, को निर्दिष्ट किया है । इसके अतिरिक्त, अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1678(ई) दिनांक 21 जुलाई 2011 के द्वारा अमोनियम नाइट्रेट जिसका रासायनिक सूत्र NH_4NO_3 है या किसी भी संयोजन में वजन में 45% से अधिक अमोनियम नाइट्रेट होने पर, जिसमें इमल्शन, सस्पेन्शन्स, मेल्ट्स या जेल्स (अकार्बनिक नाइट्रेट के साथ या उसके बिना) शामिल है, विस्फोटक अधिनियम 1884 के अर्थ के अंतर्गत विस्फोटक समझा जाएगा ।

अमोनियम नाइट्रेट के विनिर्माण, संपरिवर्तन, जहाजीकली और बैगिंग, आयात, निर्यात, परिवहन, अमोनियम नाइट्रेट को बिक्री या उपयोग हेतु रखने पर नियंत्रण रखने के लिए, केन्द्र सरकार ने अधिसूचना संख्या जी.एस.आर.553(ई) दिनांक 11 जुलाई 2012 के द्वारा, अमोनियम नाइट्रेट नियम 2012 के द्वारा, अमोनियम नाइट्रेट नियम को विस्फोटक अधिनियम, 1884 के अंतर्गत प्रकाशित किया जाएगा।

साइट लेआउट, परिसर निर्माण योजना का अनुमोदन, अमोनियम नाइट्रेट के विनिर्माण और बिक्री या उपयोग हेतु रखने के लिए अनुज्ञप्ति या द्रव का ठोस में या विलोमतः रूपांतरण, जहाजीकली, बैगिंग, भंडारण, अमोनियम नाइट्रेट के परिवहन, आयात, निर्यात हेतु अनुज्ञप्ति, अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012 के अंतर्गत प्रमुख कार्य है ।

संगठन द्वारा जनता की सुरक्षा हेतु उन दुर्घटनाओं की जांच की जाती है जिनमें अमोनियम नाइट्रेट शामिल है तथा बेकार/जब्त अमोनियम नाइट्रेट को नष्ट भी किया जाता है ।

2.1.3: गैस सिलेण्डर नियम, 2004

भारत सरकार की अधिसूचना सं. एम-1272(1) दि. 28 सितम्बर 1938 में पहली बार गैस सिलेण्डर नियम प्रकाशित हुए थे जिसमें यह घोषित किया गया कि कोई भी गैस जो मेटल कंटेनर में संपीडित या द्रवित रूप में अंतर्विष्ट है, वह विस्फोटक अधिनियम 1884 के अर्थ के अंतर्गत- विस्फोटक है। स्वतंत्रता के पश्चात गैस उद्योग में विकास के मद्देनजर व्यापक पुनरीक्षण के पश्चात उपरोक्त नियम गैस सिलेण्डर नियम, 1981 द्वारा प्रतिस्थापित किए गए हैं । आर्थिक उदारीकरण एवं

वैश्वीकरण, एलपीजी का घरेलु एवं औद्योगिक ईंधन के रूप में उपयोग, पर्यावरण संरक्षित आटोमोटिव ईंधन के रूप में सीएनजी और एलपीजी का प्रारंभ, नई तकनीक, आदि के आगमन के कारण 20 वीं सदी के अंतिम दो दशकों में गैस उद्योग एवं इससे जुड़े उद्योगों का महापुंज विस्तार हुआ, जिसके परिणामस्वरूप दोबारा समीक्षा की आवश्यकता महसूस हुई तथा संशोधन कर नए गैस सिलेण्डर नियम, 2004 बनाए गए ।

इन नियमों के अंतर्गत प्रमुख कार्य सम्मिलित है सिलेण्डर, वॉल्व, एलपीजी रेगुलेटरो के विनिर्माण इकाइयों को अनुमोदन प्रदान करना तथा इन उपकरणों का डिजाईन अनुमोदन। गैस सिलेण्डर भरण संयंत्र, सीएनजी फ्युलिंग स्टेशन्स, भरे हुए सिलेण्डरों के भण्डारण परिसर तथा सिलेण्डर/वॉल्व के आयात का अनुज्ञप्तिकरण । इसके अलावा सिलेण्डर भरण अनुमति, सिलेण्डर परीक्षण केन्द्र, आदि को मान्यता, सिलेण्डरो, वॉल्व, रेगुलेटरो, आदि के मानकों के बनाने में संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । संगठन इन नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित कर सुरक्षा जागृकता लाने के उद्देश्य से गैस इन्स्टॉलेशन, भरण संयंत्र, सीएनजी फ्युलिंग स्टेशन, सिलेण्डर, वॉल्व तथा रेगुलेटर विनिर्माण इकाइया, आदि जो उपरोक्त नियमों के अंतर्गत अनुमोदित/अनुज्ञप्त है, की नियमित रूप से संपरीक्षा करता है ।

नियमों के विनियमन तथा सरलीकरण के संदर्भ में गैस सिलेण्डर नियम, 2004 की मुख्य विशेषताएँ हैं :-

- क 2500 लि. क्षमतावाले स्पेशल कंटेनरो तथा नॉन-मेटालिक मटेरियल से बने कंपोजिट सिलेण्डरों को गैस सिलेण्डर नियमों के अंतर्गत लाने के लिए इन नियमों की व्याप्ती बढ़ाना।
- ख भरे हुए सिलेण्डरों को बिना अनुज्ञप्ति रखने की छूट की सीमा बढ़ाना और अनुज्ञप्ति प्रदान करना तथा नवीकरण की अवधि बढ़ाना ।
- ग भरण संयंत्र के निर्माण, सिलेण्डरो के एक गैस सर्विस से दूसरे में परिवर्तित करना तथा अविषैली अज्वलनशील गैसों का सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच सिलेण्डर-भरण तथा इन सभी के लिए विनिर्देशों तथा प्लान के पूर्वानुमोदन की जरूरतों को पूर्ण करना ।
- घ अनुज्ञप्तिधारक की मृत्यु या स्वामित्व बदलने पर अनुज्ञप्ति के अंतरण की प्रक्रिया का सरलीकरण।

2.1.4: स्थिर तथा गतिशील दाबपात्र (अज्वलित) नियम, 1981

इन नियमों के प्रशासन से संबंधित संगठन के कार्य निम्नलिखित हैं :-

दाब पात्र सेफ्टी फिटिंग के फैब्रिकेशन शॉप और उनके डिजाइन हेतु अनुमोदन, संपिडित गैस के भण्डारण के अधिष्ठापनों तथा सडकों द्वारा उन गैसों के परिवहन हेतु अनुज्ञप्तियां, पात्रों के आयात हेतु अनुमति, पात्रों के निर्माण/ सुधार, अंतिम परीक्षण और आवधिक परीक्षण के समय निरीक्षण तथा प्रमाणित करने के लिए अभिकर्ताओं/सक्षम व्यक्तियों को मान्यता प्रदान करना ।

संगठन द्वारा नए परिसरों को अनुज्ञप्तियां/अनुमोदन प्रदान करते समय सत्यापन/पृष्ठांकन हेतु निरीक्षण और सुरक्षा जांच की जाती है और आवधिक निरीक्षण भी किया जाता है । उपरोक्त कार्यों में

सुरक्षा जांच, आवधिक परीक्षण रिपोर्ट तथा पात्रों के फैंब्रिकेटर्स और प्रमाणन एजेंसियों के कार्य-निष्पादन का पुनरीक्षण भी शामिल है ।

2.1.5: एसिटिलीन संबंधी दिनांक 07.08.1983 की अधिसूचना सं.जीएसआर. 625-(ई)

एसिटिलीन जब द्रव हो या दबाव में हो या वायु या आक्सीजन के साथ मिश्रण में हो, तो वह अति विस्फोटक होती है । एसिटिलीन का उत्पादन और एसिटिलीन जनरेटर का अनुमोदन इस अधिसूचना के अंतर्गत शासित है । संगठन एसिटिलीन जनरेटर के विभिन्न प्रकार तथा एसिटिलीन संयंत्र को अनुमोदन प्रदान करता है । कार्यरत एसिटिलीन सिलेण्डर फिलिंग संयंत्र के नियमित निरीक्षणों के अलावा, प्रत्येक जनरेटर निष्पादन का मूल्यांकन करने के साथ ही उनकी योग्यता के निर्धारण हेतु विनिर्माता के स्थान पर तथा एसिटिलीन जनरेटर विनिर्माण सुविधाएं तथा जनरेटर स्थापित किए गए कारखानों में, अधिकारियों द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो के साथ संयुक्त रूप से जनरेटरों के ट्रायल रन लिए जाते हैं ।

2.1.6: पेट्रोलियम नियम, 2002

अधिनियम और नियमों के अंतर्गत पेट्रोलियम को हाइड्रोकार्बन द्रव या हाइड्रोकार्बन द्रव का मिश्रण और हाइड्रोकार्बन द्रव मिले हुए किसी ज्वलनशील मिश्रण से परिभाषित किया गया है । इन नियमों के प्रशासन संबंधी निम्नलिखित कार्यों के अनुमोदन समाविष्ट हैं - रिफाईनरी, पेट्रोकेमिकल तथा तेल और गैस प्रसंस्करण संयंत्र, पेट्रोल का भूमिमार्ग व पाइपलाइनों द्वारा परिवहन, ऐसे स्थानों पर जहां ज्वलनशील गैस तथा वाष्प भरी हो, वहां उपयोग में लाए जाने वाले अन्य उपयुक्त संरक्षित बिजली के उपकरण और अन्य सुरक्षा उपकरणों को फ्लेमप्रूफ करना, पेट्रोलियम डिस्पेन्सिंग/सर्विस स्टेशन, पेट्रोलियम स्टोरेज अधिष्ठापन, सडकों द्वारा परिवहन करने हेतु टैंक-ट्रकों की अनुमति, एयरक्राफ्ट/ भारी मशीनरी रिफ्युलर का अनुज्ञप्तिकरण और साथ ही डॉक एन्ट्री , मॅन एन्ट्री और हॉट वर्क हेतु पेट्रोलियम ले जा रहे पात्रों/जहाजों को गैस-फ्री सर्टिफिकेट प्रदान करना ।

सुरक्षा के उपाय तथा नियमों का अनुपालन करने हेतु संगठन द्वारा इन परिसरों में सेफ्टि ऑडिट किया जाता है।

2.1.7: कैलशियम कार्बाईड नियम, 1987

कैलशियम कार्बाईड को ज्वलनशील पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत ज्वलनशील पदार्थ घोषित किया गया है और उसके लिए पेट्रोलियम अधिनियम लागू किया गया है । कैलशियम कार्बाईड नमी के साथ जुड़कर एसिटिलीन गैस निर्मित करता है, जिसकी विस्फोटक सीमाएं अति विस्तृत हैं । कैलशियम कार्बाईड को भरने के पात्रों को अनुमोदन देने तथा बिक्री या एसिटिलीन के निर्माण हेतु कैलशियम कार्बाईड के भण्डारण के लिए अनुज्ञप्तियां जारी करने का कार्य इन नियमों के अंतर्गत संगठन को सौंपा गया है ।

2.1.8: चलचित्र फिल्म नियम, 1948

चलचित्र फिल्मों, जिनमें नाइट्रो-सेलुलोज आधार रहता है, उनका भण्डारण और परिवहन बड़े पैमाने में अग्नि बाधा उत्पन्न करते हैं। इन नियमों के अंतर्गत ऐसी फिल्मों के भण्डारण और परिवहन का कार्य शासित है तथा भण्डारण के परिसरों का अनुज्ञप्तिकरण इस संगठन द्वारा किया जाता है। काफी समय से नाइट्रो-सेलुलोज आधारित फिल्मों से सुरक्षा फिल्मों (पॉलिएस्टर आधार) द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। अतः यह नियम निरर्थक हो गए हैं तथा इन्हें निरस्त करने की सिफारिश की गई है।

2.2 परामर्शकारी भूमिका

विस्फोटकों, पेट्रोलियम, कार्बाइड ऑफ कैल्शियम, गैस सिलेण्डर्स, दाब पात्रों और अन्य खतरनाक वस्तुओं में आग और विस्फोट रोकने हेतु विशेष तकनीकी और सुरक्षा पहलुओं में विशेषज्ञता लिए, संगठन परामर्श प्रदान करता है। संगठन न केवल उद्योग के लिए वरन सरकारी तथा अन्य संस्थाएं जैसे बंदरगाह, रेलवे, रक्षा-संगठनों, भूतल परिवहन मंत्रालय, पर्यावरण और वन मंत्रालय, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्रालय, प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण, आदि के लिए भी परामर्श प्रदान करता है।

संगठन भारतीय मानक ब्यूरो के संबंधित मानकों के फॉर्मूलेशन, बंदरगाहों के उप-नियम, इंडियन रेड टैरिफ और खतरनाक वस्तुओं के रेल-मार्ग, भूमि-मार्ग, जल-मार्ग और वायु-मार्ग संबंधित परिवहन के विनियमनों के निर्धारण में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक पर्यावरण तथा वन मंत्रालय द्वारा गठित सेंट्रल क्रायसिस ग्रुप के सदस्य हैं और अन्य अधिकारी भी राज्य तथा जिला स्तर पर सेंट्रल क्रायसिस ग्रुप का प्रतिनिधित्व करते हैं।

संगठन के कार्यों का संक्षिप्त विवरण

3.1 निम्नांकित के सम्बन्ध में साईट-ले-आउट व विनिर्माण नक्शों की संवीक्षा तथा मूल्यांकन(अप्रैजल) :

- विस्फोटक विनिर्माण कारखाने
- विस्फोटक भंडारण परिसर
- अमोनियम नाइट्रेट परिसर
- आतिशबाजी विनिर्माण कारखाने
- आतिशबाजी गोदाम तथा दूकाने
- बल्क मिक्सींग तथा डिलीवरी वाहनो (बी.एम.डी) द्वारा साईट पर विस्फोटकों का उत्पादन
- गैस सिलेण्डर भरण संयंत्र
- सीएनजी डिस्पेन्सिंग स्टेशन
- गैस से भरे सिलेण्डरों के लिये भंडारण शेड
- दाब पात्रों में संपीडित गैसेस हेतु प्रपुंज भण्डारण अधिष्ठापन
- आटो एलपीजी डिस्पेन्सिंग स्टेशन
- पेट्रोलियम भंडारण शेड
- पेट्रोलियम के परिवहन के लिए टैंक ट्रक
- पेट्रोलियम तथा गैस के परिवहन के लिए क्रास-कंट्री पाईपलाईन्स
- पेट्रोलियम सर्विस स्टेशन
- कैलशियम कार्बाइड भंडारण परिसर

3.2: विस्फोटक वॅन, बल्क मिक्सींग तथा डिलीवरी वाहनो (बी.एम.डी) द्वारा साईट पर विस्फोटकों का उत्पादन, दाबपात्रों में बल्क संपीडित गैस/क्रायोजनिक लिक्विड के परिवहन के लिए वाहन, सुरक्षा फिटिंग सहित पेट्रोलियम कंटेनर और टैंक ट्रक के डिजाइन व रचना, इन सभी प्रस्तावो के अनुमोदन हेतु संवीक्षा तथा उनका मूल्यांकन ।

3.3: उपरोक्त संदर्भित 3.1 तथा 3.2 के अंतर्गत परिसरों/इकाइयों/वाहनो आदि के अनुज्ञप्ति से सम्बन्धित कार्य ।

3.4: अनुमोदन जारी करने हेतु पेट्रोलियम परिष्करणों, पेट्रोकेमिकल इकाइयों, कैलशियम कार्बाइड कारखानो तथा एसीटीलीन गैस जनरेटिंग संयंत्र के लेआउट, आदि की संवीक्षा एवं मूल्यांकन ।

3.5: लिक्विड हाइड्रोकार्बन्स के साथ-साथ अन्य ज्वलनशील गैस/खतरनाक रसायनों हेतु डिजाइन, निर्माण, पाईपलाईन के लेईंग एवं ऑपरेशन आदि के प्रस्तावों को अनुमोदन जारी करने हेतु उनकी संवीक्षा एवं मूल्यांकन ।

3.6: भारत मे निर्मित और आयातित दाब पात्रों तथा उनके फिटिंग्स के डिजाइन प्रस्तावों को अनुमोदन जारी करने हेतु उनकी संवीक्षा एवं मूल्यांकन ।

- 3.7: एलपीजी रेगुलेटर्स सहित भारत में निर्मित और आयातित गैस सिलेण्डरों तथा उनमें लगे वाल्वों के डिजाइन प्रस्तावों को अनुमोदन जारी करने हेतु उनकी संवीक्षा एवं मूल्यांकन ।
- 3.8: भारत में निर्मित और आयातित अज्वलनशील, आंतरिक रूप से सुरक्षित तथा ज्वलनशील गैसों/वाष्पों से भरे संकटपूर्ण स्थानों के लिए उपयोगी विशेष विद्युत उपकरणों के प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु उनकी संवीक्षा तथा मूल्यांकन ।
- 3.9: दाबपात्र और उनकी फिटिंग निर्माण करनेवाले कारखानों के प्रस्तावों के अनुमोदन हेतु उनकी संवीक्षा तथा मूल्यांकन ।
- 3.10: सिलेण्डर परीक्षण केन्द्रों को मान्यता प्रदान करने के लिए सिलेण्डरों के आवधिक परीक्षण हेतु परीक्षण केन्द्रों के प्रस्तावों के अनुमोदन के लिए उनकी संवीक्षा तथा मूल्यांकन ।
- 3.11: विभिन्न नियमों के अन्तर्गत सक्षम व्यक्तियों एवं निरीक्षकों को मान्यता ।
- 3.12: शॉट फायरर परमिट और फोरमेन प्रमाणपत्र जारी करना ।
- 3.13: उपरोक्त उल्लिखित ईकाइयों की नियमित जाँच ।
- 3.14: खराब, दावा न किए हुए /अनुपयोगी/जब्तशुदा विस्फोटकों का नष्टीकरण ।
- 3.15: हॉट वर्क, पेट्रोनियम टैंकों में मैन एन्ट्री तथा डॉक में इन पात्रों के प्रवेश होने से पूर्व इनके लिए गैस-फ्री प्रमाण पत्र देने के लिए पात्रों का परीक्षण करना ।
- 3.16: विभाग द्वारा संचालित अधिनियम और नियमों के अंतर्गत आने वाले पदार्थों से जुड़ी दुर्घटनाओं के कारण एवं किए गए उल्लंघन को जानने हेतु दुर्घटनाओं की जाँच करना
- 3.17: विस्फोटकों के आयात, निर्यात एवं परिवहन के लिए अनुज्ञप्ति जारी करना ।
- 3.18: अनिवार्य परीक्षण और जाँच के बाद नये विस्फोटकों को अधिकृत करना ।
- 3.19: आयात किए हुए और भारत में निर्मित सभी गैस सिलेण्डरों के भरण/उपयोग के लिए अनुमति देना ।
- 3.20: गैस सिलेण्डरों एवं दाबपात्रों के आयात के लिए अनुज्ञप्ति/परमिट जारी करना ।
- 3.21: विभिन्न नियमों के अंतर्गत आवधिक विवरणी की संवीक्षा ।
- 3.22: नियमों में संशोधन एवं पुनरीक्षण तथा जन-सुरक्षा में, जहां भी जरूरी हो, छूट देना ।
- 3.23: बन्दरगाह, हवाई अड्डा और रेलवे अधिकारियों को अनुरोध पर निम्नलिखित हेतु सलाह:-
 - परिसंकटमय वस्तुओं का वर्गीकरण;
 - खतरनाक वस्तुओं का भंडारण/परिवहन के लिए पैकिंग व शर्तों का निर्धारण;
 - विस्फोटकों को लादने/उतारने और परिवहन की सुविधाओं के लिए स्थान, विस्फोटक, ज्वलनशील एवं अन्य खतरनाक पदार्थों के ट्रांजिट भंडारण के लिए स्थान का चयन ।
- 3.24 :खतरों के वर्गीकरण के लिए विस्फोटक/संकटमय वस्तुओं की जांच/परीक्षण ।
- 3.25 :उपर वर्णित अधिनियमों और नियमों से सम्बन्धित खतरनाक पदार्थों, विस्फोटक, ज्वलनशील व अन्य खतरनाक वस्तुओं के मामले में केन्द्र व राज्य सरकार, उद्योग और अन्य संगठनों को सलाह देना ।
- 3.26 रक्षा मंत्रालय, भारतीय मानक संस्थान (बी.आई.एस.) और अन्य मंत्रालयों व विभागों द्वारा नियुक्त अनेक समितियों में बतौर अध्यक्ष या सदस्य के रूप में भाग लेना ।
- 3.27 : खतरनाक रासायनों को सुरक्षित तरीके से संभालने, पेट्रोलियम-उत्पाद, विस्फोटक तथा संपीडीत गैसों से सम्बन्धित अनेक संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठी, परिचर्चा और कार्यशालाओं में भाग लेना ।

प्रशासन, बजट और अवसंरचना

4.1 स्वीकृत पद तथा अवसंरचना

वर्तमान में इस संगठन में 137 ग्रूप - 'ए' अधिकारी और 343 ग्रूप 'बी', और 'सी', कर्मचारियों की स्वीकृत क्षमता है। उपरोक्त पदों में से ग्रूप 'ए' के 18 पद और 74 ग्रूप 'बी', तथा 'सी' के पद विभिन्न प्रशासनिक कारणों से रिक्त है। मुख्य विस्फोटक नियंत्रक के नेतृत्व में पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन का मुख्यालय नागपुर में है। मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, फरीदाबाद एवं आगरा में पेसो के 5 अंचल कार्यालय स्थित है जिनका नेतृत्व संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक करते है। विभिन्न अंचल कार्यालयों के अधिन उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक के नेतृत्व में संगठन के 13 उप-अंचल कार्यालय तथा विस्फोटक नियंत्रक के नेतृत्व में 5 उप-अंचल कार्यालय है। उप विस्फोटक नियंत्रक के नेतृत्व में विभागीय परीक्षण केंद्र (डी.टी.एस.), गोंडखैरी में स्थित है तथा विस्फोटक नियंत्रक के नेतृत्व में आतिशबाजी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एफ.आर.डी. सी.) सिवाकासी(तमिलनाडु) में स्थित है। संगठन का सेटअप और विभिन्न अंचल और उप अंचल कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र क्रमशः अनुबंध- I और II में सारांशित है।

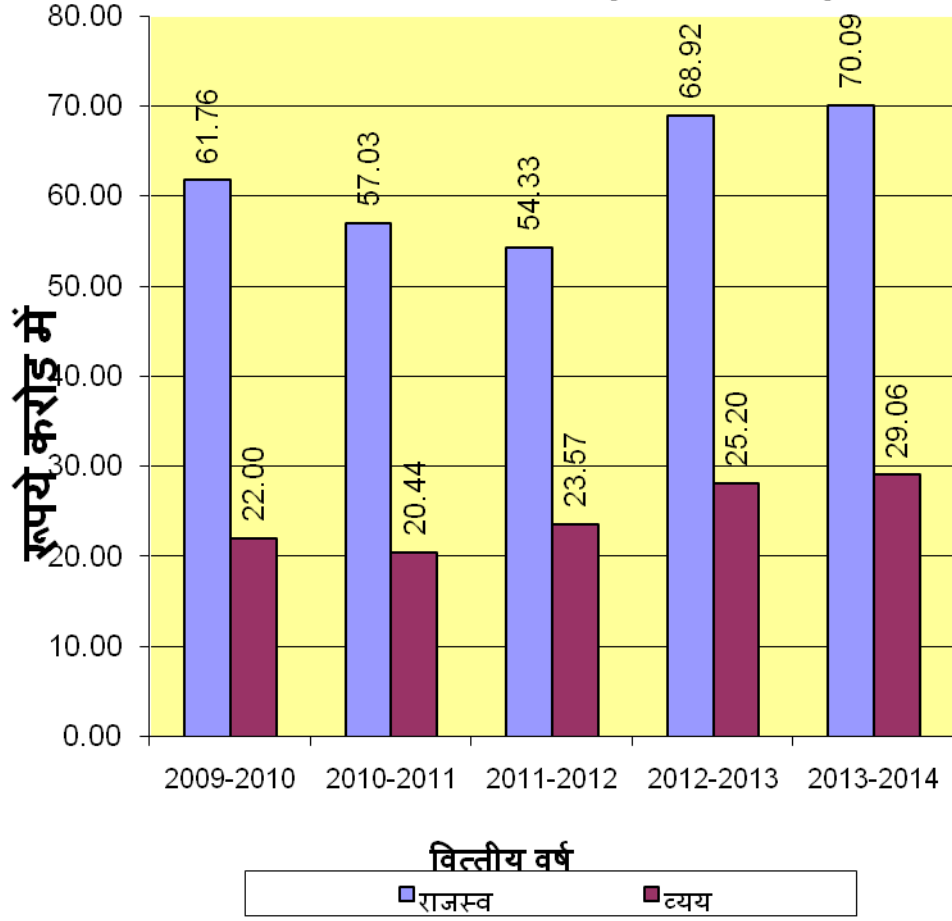
4.2 बजट एवं व्यय

वर्ष 2016-2017 के दौरान संगठन को नॉन प्लान बजट में रुपये 37,20,00,000/- तथा प्लान बजट में रुपये 8,80,00,000/- की स्वीकृती प्रदान की गई थी। इसी वर्ष के दौरान नॉन प्लान बजट में रुपये 36,85,33,018/- एवं प्लान बजट के तहत रुपये 8,72,87,215/- का व्यय किया गया।

4.3 राजस्व

वर्ष 2016-2017 के दौरान संगठन को द्वारा विभिन्न अधिनियमों और नियमों के अंतर्गत प्रदान की गई सेवाओं की फीस के रूप में रुपये 98,32,31,445/- अर्जित किये गये जिसमे विस्फोटक अधिनियम से रुपये 48,97,94,167/- एवं पेट्रोलियम अधिनियम से रुपये 70,52,83,491/- प्राप्त हुए।

राजस्व तथा व्यय (नॉन प्लान)



**विभागीय परीक्षण केन्द्र (डीटीएस) और
आतिशबाजी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एफआरडीसी)**

5.1 विभागीय परीक्षण केन्द्र (डीटीएस)

5.1.1 परिचय

विभागीय परीक्षण केन्द्र नागपुर से 18 कि.मी. की दूरी पर नागपुर-अमरावती रोड राजमार्ग सं 6, ग्राम गौंडखैरी जिला नागपुर में स्थित है। 81 एकड़ भूमि में व्याप्त परीक्षण केन्द्र, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक नागपुर के समग्र मार्गदर्शन एवं नियंत्रण में कार्यरत है।

इस विभागीय परीक्षण केन्द्र के विकास का मूल उद्देश्य, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक को विस्फोटक अधिनियम, 1884 एवं पेट्रोलियम अधिनियम 1934 तथा उसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक संविधिक परीक्षण कार्य के लिए किया गया है।

यह परीक्षण केन्द्र गुणता नियंत्रण सम्बन्धी परीक्षण और उपयोगकर्ता उद्योगों के लिए, विशेष रूप से विस्फोटक विनिर्माण हेतु, विभिन्न सामग्री और उपकरणों के लिए अन्य परीक्षणों की सेवाएं प्रदान करता है जिसमें विस्फोटक और इसके उपसाधन के निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए, भारत में अपनी तरह का पहला संयुक्त राष्ट्र वर्गीकरण परीक्षण भी शामिल है।

5.1.2 विभागीय परीक्षण केन्द्र के प्रकार्य :

विभिन्न अधिनियमों और नियमों के अंतर्गत विभिन्न सामग्री और उपकरणों के सुरक्षित विनिर्माण / गुणता नियंत्रण के लिए विभागीय परीक्षण केन्द्र निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता है -

क) संविधिक परीक्षण

संख्या	नियम	परीक्षण का उद्देश्य
1	विस्फोटक नियम 2008 (नियम 39 का 6)	<ol style="list-style-type: none"> विस्फोटकों के संघटक और नए विनिर्देशों को प्राधिकृत करना। प्राधिकृत विस्फोटक की सूची में रखने अथवा हटाए जाने का निर्णय लेने हेतु अनुवर्ती वार्षिक परीक्षण। विस्फोटकों के पैकेजिंग के अनुमोदन और वार्षिक गुणता नियंत्रण जांच हेतु परीक्षण।
2	पेट्रोलियम नियम, 2002 (नियम 63 का 4)	<ol style="list-style-type: none"> पेट्रोलियम टैंक लॉरी के सेफ्टी फिटिंग्स के डिजाईन का अनुमोदन। विनिर्माण अनुमोदन के पुनर्विधिमान्यकरण के लिए अनुवर्ती परीक्षण। पेट्रोलियम के मेटल कंटेनर/ बैरल का अनुमोदन।

ख): गुणता नियंत्रण परीक्षण

परीक्षण केन्द्र, संगठन द्वारा प्रशासित अधिनियमो/नियमो के अंतर्गत किए गए उत्पादन के कार्य क्षेत्र में गुणता परीक्षण सेवाएं भी देता है।

ग): यू.एन.वर्गीकरण परीक्षण

खतरनाक माल के परिवहन के लिए यू.एन.विनियमन के अनुसार विस्फोटक उत्पादन, विशेषतापूर्ण पैकेजिंग डिजाइन के साथ, विस्फोटक उद्योगो को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपने उत्पादन का निर्यात प्रतियोगी कीमत पर करने के लिए, विभागीय परीक्षण केन्द्र द्वारा यू.एन.वर्गीकरण परीक्षण की सुविधा देने की शुरुवात की है।

परीक्षण परीणाम मुल्यांकन के निर्धारण के पश्चात विशेषतापूर्ण पैकेजिंग डिजाइनवाले उत्पादन का ग्रूप बीआईएस के अनुरूप 1.4 में वर्गीकृत किए जाते हैं। महानिदेशक जहाजरानी, विभागीय परीक्षण केन्द्र के निर्धारण एवं परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी है। निर्यातक अपने 1.4 वर्गीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त उत्पादन जनरल कार्गो शिप के द्वारा शिप कर सकते हैं, बजाए विस्फोटक कार्गो शिप से जिससे माल-भाडे में काफी बचत होगी। सभी निर्यातक इन जहाजों की आसान सुविधा का लाभ उठाते हैं जिससे वह अपना माल समय से पहुँचा सकते हैं क्योंकि विस्फोटक कार्गो शिप की सिमित उपलब्धता के कारण माल पहचाने में विलम्ब होता है।

घ) नमूनों का परीक्षण

विभागीय परीक्षण केन्द्र में वर्ष 2016-17 के दौरान निम्नांकित नमूनों की जांच की गई:-

संख्या	विवरण	मात्रा (संख्या)
1.	विस्फोटक	
	स्लरी/ इमल्शन वर्ग -2	170
	पेन्टोलाईट बूस्टर वर्ग -3 प्रभाग 2	12
	आतिशबाजी वर्ग -7	530
	सेफ्टी फ्यूज वर्ग -6 प्रभाग 1	10
	गन पाऊडर वर्ग -1	06
	डिटोनेटर वर्ग -6 प्रभाग 3	169
	डिटोनेटिंग फ्यूज वर्ग -6 प्रभाग 3	34
22.	विस्फोटक के सीएफबी पैकेजेस	
	प्रस्तावित नए अनुमोदन के नमूने	38
	अंचल/उप-अंचल अधिकारियों द्वारा प्राप्त नमूने	156
3.	पेट्रोलियम टैंक ट्रक सेफ्टी फिटिंग्स	59

ड) विस्फोटकों/ अवशेष नमूनों का निस्तारण -

परीक्षण केन्द्र में अवशेष नमूनों का निस्तारण किया गया -

वर्ग 2 विस्फोटक	687 किलोग्राम
गन पाउडर	1 किलोग्राम
कास्ट बूस्टर	4 किलोग्राम
सेफ्टी बूस्टर	60 मीटर
डिटोनेटिंग फ्यूज	-
ओडी, ईडी, डीडी, नोनल, एसडी	-
आतिषबाजी	19.5 किलोग्राम

च) अनुपयोगी विस्फोटकों का निस्तारण -

वर्ग 1	--
वर्ग 2	8168 किलोग्राम
वर्ग 3 प्रभाग 2	--
वर्ग 6 प्रभाग 1	1450 मीटर
वर्ग 6 प्रभाग 2	-
वर्ग 6 प्रभाग 3	187054 संख्या.
वर्ग 7 प्रभाग 2	184.7 संख्या

छ) राजस्व

वर्ष 2016-17 के दौरान विभागीय परीक्षण केन्द्र ने रुपये **66,14,559/-** राजस्व अर्जित किया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम: -

- 1) डीटीएस में दि. 24/04/2016 से 30/04/2016 तक नए विस्फोटक नियंत्रकों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 2) डीटीएस में दि. 26/05/2016 से 27/05/2016 तक नए विस्फोटक नियंत्रकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 3) डीटीएस में दि 23/06/2016 से 24/06/2016 तक नए उप-विस्फोटक नियंत्रकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 4) डीटीएस में दि 08/07/2016 को नागपुर और वर्धा जिले के जिले में विस्फोटक कारखानों से जुड़े विस्फोटक रोड वैन के चालकों के लिए विस्फोटकों के संचालन और परिवहन के दौरान सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम।

- 5) डीटीएस में दि 15/07/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों से जुड़े "रोड टैंकरों में ज्वलनशील संपीड़ित गैसों की हथलाई और परिवहन में सुरक्षा" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 6) पेसो के डीडीओ और लेखा के बरें में दि. 22/07/2016 को कार्यशाला का आयोजन।
- 7) डीटीएस में दि 05.08.2016 को पेट्रोलियम टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 8) डीटीएस में दि 19/08/2016 को पेट्रोलियम टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों से जुड़े " रोड टैंकरों में ज्वलनशील संपीड़ित गैसों के सुरक्षित हथलाई और परिवहन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 9) डीटीएस में पेसो के सीपीआईओ के लिए आरटीआई अधिनियम पर दि. 26/08/2016 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 10) डीटीएस में दि 09.09.2016 को पेट्रोलियम टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 11) डीटीएस में दि 16/09/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों से जुड़े "रोड टैंकरों में ज्वलनशील संपीड़ित गैसों की हथलाई और परिवहन में सुरक्षा" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 12) डीटीएस में दि 23/09/2016 को नागपुर और वर्धा जिले के जिले में विस्फोटक कारखानों से जुड़े विस्फोटक रोड वैन के चालकों के लिए विस्फोटकों के संचालन और परिवहन के दौरान सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- 13) डीटीएस में दि 14/10/2016 को आतिशबाजी के डीलरों और दुकान के मालिकों, पुलिस और जिला प्राधिकरण के अधिकारियों के लिए त्योहारों के दौरान पटाखे के सुरक्षित हैंडलिंग और संग्रहण पर सुरक्षा नियमन पर कार्यशाला का आयोजन किया गया ।
- 14) डीटीएस में दि 11.11.2016 को पेट्रोलियम टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 15) डीटीएस में दि 18/11/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के एलपीजी बॉटलिंग संयंत्रों से जुड़े "रोड टैंकरों में ज्वलनशील संपीड़ित गैसों की हथलाई और परिवहन में सुरक्षा" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- 16)डीटीएस में दि. 25/11/2016 को पेसो के सार्वजनिक रिकॉर्ड अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 17)डीटीएस में दि 19/12/2016 को नागपुर और वर्धा जिले के जिले में विस्फोटक कारखानों से जुड़े विस्फोटक रोड वैन के चालकों के लिए विस्फोटकों के संचालन और परिवहन के दौरान सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- 18)डीटीएस में दि 16/12/2016 को पेट्रोलियम टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 19)डीटीएस में दि 23/12/2016 को पेट्रोलियम टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 20)डीटीएस में दि 30/01/2017 को नागपुर और वर्धा जिले में विस्फोटक कारखानों में काम करने वाले सक्षम व्यक्तियों और पर्यवेक्षकों के लिए "निर्माण, भंडारण, परिवहन और विस्फोट के प्रबंधन" के दौरान सुरक्षा नियमों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- 21)डीटीएस में दि 10/02/2017 को नागपुर जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- 22)डीटीएस में दि 28/02/2017 को अमरावती जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- 23)डीटीएस में दि 10/03/2017 को चंद्रपुर और गडचिरोली जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- 24)डीटीएस में दि 24/03/2017 को भंडारा और गोंदिया जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- 25)डीटीएस में दि 31/03/2017 को वर्धा और यवतमाल जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

व्याख्यान:-

- 1) श्री आर.ए. गुजर, उप-मु.वि.नि ने दि. 28/04/2016 को डीटीएस में "रिफायनिंग ऑफ पेट्रोलियम" विषय पर नव नियुक्त उप-विस्फोटक नियंत्रकों के लिए अनुस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।

- 2) श्री आर.ए. गुजर, उप-मु.वि.नि ने दि. 28/04/2016 को डीटीएस में " खतरनाक क्षेत्र में स्थापित करने के लिए विस्फोट प्रूफ इलेक्ट्रिकल उपकरण की मूल बातें" विषय पर नव नियुक्त उप-विस्फोटक नियंत्रकों के लिए अनुस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 3) श्री आर.ए. गुजर, उप-मु.वि.नि ने दि. 30/04/2016 को डीटीएस में " सामान्य प्रशासन और सीसीएस आचरण नियमावली" विषय पर नव नियुक्त उप-विस्फोटक नियंत्रकों के लिए अनुस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 4) श्री सी. शन्मुगम, वि.नि ने दि. 30/04/2016 को डीटीएस में " बारूद और सुरक्षा फ्यूज का निर्माण" विषय पर नव नियुक्त उप-विस्फोटक नियंत्रकों के लिए अनुस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 5) श्री आर.ए. गुजर, उप-मु.वि.नि ने दि. 26/05/2016 को डीटीएस में " विस्फोटक क्षेत्र में ज्वालासह उपकरणों का चयन" विषय पर विस्फोटक नियंत्रकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 6) श्री आर.ए. गुजर, उप-मु.वि.नि ने दि. 27/05/2016 को डीटीएस में " रिफाइनरी-अनुमोदन" विषय पर विस्फोटक नियंत्रकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 7) श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 21/06/2016 को "विस्फोटक नष्टीकरण और डीटीएस की भूमिका और कार्य" पर व्याख्यान दिया है। एनसीडीसी से 39 प्रशिक्षुओं द्वारा इसमें भाग लिया।
- 8) श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 08/07/2016 को नागपुर और वर्धा जिले में विस्फोटक कारखाने से जुड़े विस्फोटक रोड वैन के चालकों के लिए डीटीएस द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान " विस्फोटक के हथलाई एवं परिवहन के दौरान सुरक्षा" विषय पर व्याख्यान दिया है।
- 9) श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 15/07/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 10) श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 05/08/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 11) श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 09/09/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।

- 12)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 16/09/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 13)श्री ए. बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 23/09/2016 को नागपुर और वर्धा के विस्फोटक कारखाने से जुड़े विस्फोटक रोड वैन के चालकों के लिए " विस्फोटक के हथलाई एवं परिवहन के दौरान सुरक्षा" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 14)श्री ए. बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 14/10/2016 को नागपुर और अमरावती जिले के डीलरों, पुलिस और राजस्व अधिकारियों के लिए "दीपावली त्योहार के दौरान आतिशबाजी के सुरक्षित हथलाई और भंडारण" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 15)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 11/11/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 16)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 18/11/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए महाराष्ट्र के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 17)श्री ए. बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 09/12/2016 को नागपुर और वर्धा के विस्फोटक कारखाने से जुड़े विस्फोटक रोड वैन के चालकों के लिए " विस्फोटक के हथलाई एवं परिवहन के दौरान सुरक्षा" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया ।
- 18)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 16/12/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए नागपुर जिले के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया।
- 19)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 23/12/2016 को एलपीजी टैंक लॉरी के चालकों के लिए नागपुर जिले के आईओसीएल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के डेपो से जुड़े "खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित संचालन और परिवहन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया।
- 20) श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने दि 30/01/2017 को नागपुर और वर्धा जिले में विस्फोटक कारखानों में काम करने वाले सक्षम व्यक्तियों और पर्यवेक्षकों के लिए "विस्फोटक मैगजिन का रखरखाव और ऑनलाईन सबमिशन ऑफ रिटर्न" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

- 21)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने दि. 10/02/2017 को नागपुर जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिया।
- 22)श्रीए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 28/02/2017 को अमरावती जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 23)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 10/03/2017 को चंद्रपुर और गडचिरोली जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 24)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 24/03/2017 को भंडारा और गोंदिया जिले के एलपीजी डीलरों और गोदाम प्रबंधकों के लिए (बैच में 60 उम्मीदवार) "एलपीजी गोदाम के रखरखाव और सिलेंडरों के सुरक्षित हथलाई" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 25) श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 21/06/2017 को सेना के अधिकारियों के लिए "विस्फोटकों और रोड टैंकर के सुरक्षा फिटिंग की जांच" विषय पर व्याख्यान दिया एवं विस्फोटकों के परीक्षण की विभिन्न तकनीक की जानकारी दी।
- 26)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 05/01/2016 को नेशनल सिविल डिफेन्स कॉलेज, नागपुर में आयोजित आपदा प्रबंधन कार्यक्रम के दौरान "विस्फोटक संघात, सुरक्षा और कानूनी प्रावधान" पर व्याख्यान दिया।
- 27)श्री ए.बी. तामगाड़गे, वि.नि. ने डीटीएस में दि. 05/01/2016 को नेशनल सिविल डिफेन्स कॉलेज, नागपुर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ""तेल पाइपलाइन / रिफाइनरी में वैधानिक नियम और कानूनी प्रबंधन योजना" पर व्याख्यान दिया।

दुर्घटना जांच:-

- श्री जे.एन. मिश्रा, उप-वि.नि. ने दि. 06/03/2017 को मैसर्स कमर्शियल एक्सप्लोजिक्स (इंडिया)प्राइवेट लिमिटेड, गोंडखारी के सुरक्षा फ्यूज विनिर्माण कारखाने में हुई अग्नि दुर्घटना की जांच की और प्रारंभिक रिपोर्ट मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर को प्रस्तुत की। इस अग्नि दुर्घटना में पूरे शेड में आग लग गई। घायल/ मृत: कोई नहीं

आतिशबाजी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एफ.आर.डी.सी.) सिवाकासी (तमिलनाडु)

5.2 आतिशबाजी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (एफ.आर.डी.सी.)

5.2.1 प्रस्तावना

मा. सुप्रीम कोर्ट के दि. 18.7.2005 केस डब्ल्यू.पी.(सिविल नं 72 - 1998) के निर्णय में दिए गए निर्देशानुसार, पेसो द्वारा सिवाकासी, राज्य - तमिलनाडु में प्लान स्कीम के अंतर्गत एफ.आर.डी.सी. के निर्माण का कार्य शुरू किया गया ।

दसवे प्लान के अंतर्गत एफ.आर.डी.सी. के सिविल स्ट्रक्चर का कार्य शुरू किया गया था, जिसे पूर्ण कर लिया गया है । निष्पादित काम में 2.025 हेक्टर भूमि की खरीद, उसके चारों ओर दीवार, बोरवेल, पानी की पाइपलाइन, लाईट पोस्ट, आंतरिक सड़के, मुख्य इमारत आवासीय प्रयोगशालाएं और संबद्ध सुविधाएं, आदि शामिल हैं । ग्यारहवी योजना के तहत एफ.आर.डी.सी. को पूर्ण रूप से क्रियाशील करने हेतु उसे तकनीकी और गैर-तकनीकी कार्मिकों की भरती करना प्रस्तावित है ।

माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसरण में, पेसो द्वारा किए गए विभिन्न समानांतर उपायों के परिणाम निम्नानुसार हैं :

पेसो द्वारा आतिशबाजियों को ध्वनीवाले पटाखों और कलर/लाईट वाले पटाखों में वर्गीकृत किया गया है तथा अपेक्स कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन करते हुए आतिशबाजियों की प्राधिकृत सूची संशोधित की गई है । जी.एस.आर. सं. 225 दि. 6/9/2006 के भारत का राजपत्र, भाग - II, धारा-3, उप-धारा (i) में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग द्वारा इसे प्रकाशित किया गया है । एमईपीसीओ, स्कलेन्क इंजिनियरिंग कॉलेज, सिवाकासी, तमिलनाडु के तकनीकी सहायता से, पेसो द्वारा ध्वनीवाले पटाखों के मिश्रण का विकास किया गया जो पर्यावरण के मानकों द्वारा निर्धारित सीमा में है । भारत सरकार की दि. 5/10/99 की अधिसूचना सं. जीएसआर 682(ई) में दिए गए जरूरतों को पूर्ण करने हेतु चार सामान्यतः प्रयुक्त ध्वनी पटाखे- 1. एंटम बॉम्ब, 2. चायनीज पटाखे, 3. मरून्स 4. गारलैंड पटाखों के रसायनिक आकार /प्रकार के विशेष संदर्भ में, उनके विनिर्माण में उसके अनुपात/संरचना, साथ ही उसमें प्रयुक्त हर एक रसायन के अधिकतम अनुमति प्राप्त वजन आदि सूत्र (फॉर्मूला) विनिर्दिष्ट करता है ।

यह सूत्र भारत के सभी आतिशबाजी विनिर्माणकर्ताओं को सख्त अनुपालन हेतु दिया गया है । आम जनता के साथ ही इससे संबंधित सभी के जानकारी हेतु इसे पेसो की वेबसाइट <http://peso.gov.in> पर भी उपलब्ध किया गया है ।

5.2.2. एफ.आर.डी.सी. केन्द्र के प्रकार्य :

एफ.आर.डी.सी. को निम्नलिखित गतिविधियां सौंपी गई हैं:

1. पर्यावरण अनुकूल आतिशबाजी का अनुसंधान और विकास ।
2. आतिशबाजी के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल का परीक्षण ।
3. आतिशबाजी उद्योग में जोखिम वाले प्रक्रिया का यांत्रिकीकरण ।

4. आतिशबाजी के सामान्य प्रदर्शन और ध्वनि के स्तर का परीक्षण ।
5. नए उत्पादों के विकास और सामान्य उत्पादों के मानकीकरण के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना ।
6. गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता आश्वासन में सुधार ।
7. आतिशबाजी कारखानों के निरीक्षकों और श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान करना ।
8. दुर्घटनाओं की जांच ।

5.2.3 : नमूनों का परीक्षण और राजस्व निर्माण :

पिछले पांच वर्षों के वर्ष के दौरान आतिशबाजी के नमूनों के परीक्षण की संख्या:

क्रम संख्या	वर्ष	जमा किए नमूनों की संख्या	प्राप्त राजस्व (रूपयों में)
1	2012-2013	831	1, 66,200.00
2	2013-2014	1701	3, 40,200.00
3	2014-2015	2121	5, 77,800.00
4	2016-2017	1477	4, 00,050.00
5	2016-2017	185	47,750.00

ई - गवर्नेन्स

ई-गवर्नेन्स सूचना तकनीक के क्षेत्र में स्टैकहोल्डरों की अधिकतम माँग की पूर्ति की परेशानी से त्वरित मुक्त कराने वाली एक गुणवत्ता सेवा है। पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) ने ई-गवर्नेन्स के क्षेत्र में एक उत्तम और निर्बाध ई-सेवाएं प्रदान की जो कि प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से पेसो के साथ जुड़े रहे यह एक ओर उपलब्धि है संगठन लगातार ई-गवर्नेन्स कार्यक्रम के अंतर्गत अपनी अतिरिक्त सेवाएँ/ सुविधाएं देने का प्रयास कर रही है। ई-गवर्नेन्स कार्यक्रम के अंतर्गत यह स्टैकहोल्डरों को अपनी सेवाएँ/ सुविधाएं प्रदान करता है। इसकी कुछ गतिविधियों में से कुछ मुख्य विशेषताएँ निम्नानुसार हैं :

ईआरएस प्रणाली

1. ऑनलाइन प्रदाय में विस्फोटक के विनिर्माण विवरण को विनिर्माता द्वारा दैनिक आधार पर विस्फोटकों के विनिर्माण के संबंध में ईआरएस प्रणाली के अन्तर्गत आवश्यक बनाया गया है। वर्तमान ईआरएस (एक्सप्लोसिक्स रिटर्न सिस्टम) का वर्धन किया गया है जिससे क्रेता अनिवार्य रूप से आरई-11 (इंडेंट विक्रेता) ऑनलाइन जनरेट कर सकें। यह इंडेंट जनरेशन विस्फोटक नियम के फ्रेमवर्क के अंतर्गत हो रहा है और इससे क्रेता उनके अनुज्ञप्ति क्षमता से अधिक इंडेंट बढ़ा नहीं सकता।

परषेक आपूर्तिकर्ता के लिए सभी आरई-11 (उनकी कंपनी/फर्म के लिए बनाए इंडेंट) देखने की और ऑनलाइन आरई -12(विस्फोटक के परिवाहन के लिए पास) विस्फोटक नियम, 2008 के अंतर्गत विभिन्न नियमों का अनुपालन करने हेतु, ऑनलाइन जनरेशन आरई -12 तैयार होना भी प्रणाली में उपलब्ध जाँच से गुजरता है।

विस्फोटक की वास्तविक प्राप्ति पर, परेषिति, ऑनलाइन विस्फोटक को ईआरएस में स्वीकृत करता है। इस प्रकार रियल टाइम स्टॉक को जानने की सुविधाओं ने ईआरएस (एक्सप्लोसिक्स रिटर्न सिस्टम) का वर्धन किया है और काफी हद तक विस्फोटकों के व्यवहार को सुव्यवस्थित किया है।

विस्फोटकों के दुरुपयोग को ईआरएस प्रणाली को परिक्षण के आधार पर (आरई-13) के प्रयोग के जनरेट को पास करना एक अन्य उपलब्धि है। विस्फोटक नियम, 2008 के उपबंध में आरई -13 की संशोधन प्रणाली में तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित एक ही लाइसेंस धारकों के लिए एक ही बार अनिवार्य बनाया जाएगा। इस नई पहल से विस्फोटकों के दुरुपयोग और गबन पर अंकुश लगाने में बहुत मदद मिलेगी और जवाबदेही भी आएगी। ब्लास्टर्स के नाम के साथ, विस्फोटकों के प्रयोग कर रही साइटों को भी डेटाबेस में लिया जाएगा।

विस्फोटक नियम के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई के लिए अर्थात् निलंबन और निरसन, ईमेल सुविधा को आंतरिक आवेदन के साथ एकीकृत किया गया है। यदि उनके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अनुज्ञप्ति को निलंबित या रद्द कर दिया जाता है, तो ऐसी स्थिति में, प्रणाली संबंधित डीएम और एसपी को ईमेल भेजती है (यदि प्रणाली में ईमेल पते उपलब्ध हैं)।

ऑनलाइन जनरेशन और टैंक परिक्षण और सुरक्षा प्रमाण पत्र की टैकिंग -

एसएमपीवी (यू) नियमों, 1981 और पेट्रोलियम नियमों 2002, में सक्षम व्यक्तियों के लिए मौजूदा मॉड्यूल में टैंक परिक्षण और सुरक्षा प्रमाण पत्र की सुविधाएं शामिल की गई हैं जिसमें मौजूदा सक्षम व्यक्ति ऑनलाइन पंजीकृत होकर सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करते हैं। आंतरिक प्रणाली द्वारा उनके क्रेडेंशियल की पुष्टि की जाती है और उसके बाद ही वे इस प्रणाली के लिए 'सक्षम थर्ड पार्टी' प्रमाण पत्र जनरेट कर सकते हैं।

इस पहल से सक्षम व्यक्तियों द्वारा प्रमाणपत्र का जनरेट करना काफी हद तक सुव्यवस्थित हुआ है। जनरेट किए गए प्रमाण पत्र भी आवेदनों की प्रोसेसिंग के समय में संबंधित अनुज्ञप्ति फाइल से लिंक हो जाते हैं। प्रोसेसिंग के दौरान, अधिकारी, सक्षम व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन जारी प्रमाण पत्र देख सकते हैं और ऑनलाइन रिकार्ड के साथ उनके प्रमाण पत्र की वास्तविकता भी सत्यापित कर सकते हैं। इस सुविधा से प्रमाणीकरण प्रक्रिया में जालसाजी की गुंजाइश पूरी तरह से समाप्त होगी।

ई-आवेदन-

ई-आवेदन, पेट्रोलियम नियमों 2002, के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों के लिए ई-आवेदन पत्र दाखिल करने के लिए स्टैकहोल्डरों के लिए उन्नत पब्लिक पोर्टल प्रदान किया गया है। अनुज्ञप्तिधारकों को पेसो पोर्टल के साथ रजिस्टर करना और उनके अनुज्ञप्ति पोर्टफोलियो को बनाए रखना होता है। पूरे देश में पेसो के विभिन्न कार्यालयों में अपने ऑनलाइन आवेदन भेजने के लिए यह प्रणाली उन्हें सुविधा प्रदान कराती है। अनुज्ञप्तिधारक अपने ई-आवेदन की वर्तमान स्थिति प्राप्त कर सकते हैं। स्टैकहोल्डरों को अपने पोर्टफोलियो को मॉनिटर करने की भी सुविधाएं प्राप्त हैं। स्टैकहोल्डरों को पीएसयू ऑईल कंपनियों के हित के लिए नवीकरण के समय कई अनुज्ञप्तियों के शुल्क के लिए केवल एक डीडी जमा करने की 'बल्क नवीकरण' जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं।

अतिरिक्त सुविधाओं के साथ उन्नत अनुज्ञप्ति मॉड्यूल:-

संगठन तथा संगठन द्वारा प्रशासित विभिन्न नियमों के अधीन विभिन्न गतिविधियों के संबंध में ऑनलाइन सूचना के आसान और परेशानी मुक्त पहुंच के लिए वर्तमान मॉड्यूल में नई सुविधाओं को शामिल किया गया है।

अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012 के अंतर्गत विभिन्न रिटर्न ऑनलाइन विकसित करने के लिए मॉड्यूल परीक्षण के चरण में है। यह मॉड्यूल शीघ्र ही शुरू किए जाने की उम्मीद है।

गैस सिलेंडर नियम के अंतर्गत गैस फ्री प्रमाण पत्र को ऑनलाइन जारी करने तथा ऑनलाइन ई-आवेदनों को जमा करने के लिए मॉड्यूल विकसित किए गए हैं तथा इसका परीक्षण किया जा रहा है।

ई-बिज पोर्टल-

वर्तमान विस्फोटक अनुज्ञप्ति मॉड्यूल का उद्योगिकी नीति और वर्धन विभाग (डीआईपीपी) के साथ ई-बिज पोर्टल का एकीकरण किया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय विस्फोटक नियमों के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के लिए ऑनलाइन ई-भुगतान के द्वारा जमा करता है।

ई-गवर्नेंस कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले प्रस्ताव जिस को संगठन सक्रिय रूप से शीघ्र लागू करने के लिए संभव प्रयास कर रहा है।

1. ई-भुगतान:

संगठन अपने स्टैकहोल्डरों को विभिन्न आवेदनों के लिए ई-भुगतान की सुविधा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। ई-भुगतान की सुविधा के प्रावधान के लिए केन्द्रीय बैंक के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है।

2- विस्फोटक की ऑनलाइन ट्रेकिंग

विस्फोटक के दुरुपयोग को नियंत्रित करने के क्रम में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र(एनआईसी) के सहयोग से संगठन लगातार विस्फोटकों के विनिर्माण से लेकर अंतिम उपभोक्ता तक रिअल टाइम ऑनलाइन ट्रेकिंग और ट्रेसिंग सिस्टम की दिशा में कार्य कर रहा है। विस्फोटक के परीक्षण के लिए संगठन एक कार्यक्रम तैयार कर रहा है।

3- विस्फोटक वैनस की ड्रैकिंग के लिए प्रावधान

विस्फोटक वैनस की स्थिति को किसी भी समय ट्रैक करने के लिए जीपीआरएस प्रणाली का प्रावधान किया गया है।

पूर्ण की गई गतिविधियां

पेसो के सभी कार्यालयों को एक्सप्लोनेट नेटवर्क के अंतर्गत समाहित किया गया है। फॉल-बैक अरेन्जमेन्ट के साथ पाँच अंचल कार्यालयों के लिए 2 एमबीपीएस स्पीड की लिज्ड लाइन अपग्रेड की गई है। उसी प्रकार 18 उप-अंचल कार्यालयों के लिए लीज्ड लाइन की स्पीड 512 केबीपीएस तक बढ़ाई गई हैं।

विभागीय परीक्षण केन्द्र (डीटीएस), गोंडखेरी तथा एफआरडीसी, सिवाकासी को भी 512 केबीपीएस लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी प्रदान की गई है ।

सभी विस्फोटक विनिर्माता अपने दैनिक उत्पादन का विवरण दैनिक आधार पर ऑनलाइन प्रस्तुत कर रहे हैं । सभी विनिर्माताओं द्वारा आरई-7 ऑनलाइन प्रस्तुत करने के संबंध में 100% सफलता हासिल की गई है ।

एलई-3 (विस्फोटकों का बिक्री के लिए कब्जा और उपयोग हेतु) के अंतर्गत अनुज्ञप्तीधारकों में से 95% से अधिक ने ऑनलाइन आरई-7 (विस्फोटकों की विवरणी) हेतु रजिस्ट्रेशन किया है और वे उनकी तिमाही विवरणी, आरई-7 ऑनलाइन प्रणाली की सहायता से प्रस्तुत कर रहे हैं ।

जिन अनज्ञप्तीधारकों ने अब तक रजिस्ट्रेशन नहीं किया या फिर रजिस्ट्रेशन करने के बाद भी आरई-7 ऑनलाइन प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं उन्हें सभी आंतरिक उपयोगकर्ताओं (पेसो अधिकारी) द्वारा ऑनलाइन कारण बताओं (शो कॉज) नोटिस जारी की जा रही है ।

विस्फोटकों के ट्रेन्ज़ैक्शन की मॉनिटरिंग को और भी प्रभावी करने के लिए पेसो द्वारा सभी विनिर्माताओं और वितरकों के लिए आरई -12 (विस्फोटकों के बिक्री और परिवहन हेतु) के ऑनलाइन जनरेशन की सुविधा का प्रारंभ किया गया है । सभी विनिर्माता और अधिकांश वितरक आरई-12 ऑनलाइन प्रस्तुत कर रहे हैं । इससे उन्हें उनके बिक्री प्रविष्टियों से संबंधित आरई-7 (त्रैमासिक विवरणी) बनाना सुगम हो गया है ।

आंतरिक कार्यालयों को बेहतर सुविधा देने के लिए आरई-7 के माध्यम से बल्क में प्राप्त किए जा रहे डेटा को समायोजित करने के लिए इंटरनल स्टोरेज 2 टेरा बाइट तक बढ़ाया गया है । मौजूदा सॉफ्टवेयर के बेहतर कार्य निष्पादन के लिए SAN स्टोरेज के साथ नये RACK सर्वर उपयोग में लाए गए हैं ।

फॉर्म आरई-12 और फॉर्म आरई-7 के ऑनलाइन जमा करने के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए निकट भविष्य में मौजूदा 4 एमबीपीएस के इंटरनेट गेटवे को अपग्रेड करके उसकी डेडीकेटेड प्रवाहक्षमता 10 एमबीपीएस करने की योजना बनाई गई है ।

पेसो द्वारा सेंट्रल सर्वर को उन्नत किया गया है और निर्बाध हाई स्पिड नेटवर्क और डाटा संग्रहण के लिए सर्वर सुविधाओं को सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस एक अलग इमारत में स्थानांतरित किया गया है ।

इसके अलावा संगठन के पाँच अंचल कार्यालय और मुख्यालय, नागपुर में वीडियो कान्फ्रेंसिंग सिस्टम इंस्टॉल किया गया है ।

वर्ष की प्रमुखताएँ

पेट्रोसेफ- 2016

“पेट्रोसेफ- 2016” इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन जयपुर एक्सीबिशन एण्ड कन्वेंशन सेंटर (जेइसीसी), जयपुर में 21 और 22 जुलाई 2016 को किया गया, जिसका मूल विषय था “हाइड्रोकार्बन सुरक्षा में उत्कृष्टता” । इस भव्य सम्मेलन का आयोजन पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) के तत्वावधान में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के तकनीकी सहयोग से भारत में पेट्रोलियम उद्योग द्वारा आयोजित किया गया। श्री शैलेन्द्र सिंह, आईएएस, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा उद्घाटन किया गया।

हाइड्रोकार्बन या पेट्रोलियम उद्योग किसी भी देश के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है और अर्थव्यवस्था के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भी एक तथ्य है कि पेट्रोलियम उत्पाद, जैसे- पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस और अन्य उत्पादों के विनिर्माण, वितरण और उपयोग की प्रक्रिया के दौरान सावधानीपूर्वक हैंडलिंग की जरूरत होती है। इस सम्मेलन में पेट्रोलियम उत्पादों के निर्माण और वितरण के हर स्तर पर हैंडलिंग में सुरक्षा से संबंधित सभी मुद्दों की समझ के स्तर को बढ़ाने की कोशिश की गई। इस सम्मेलन में तेल उद्योग और संबंधित उद्योगों के 650 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें इंटरैक्टिव सत्र और उद्योग के विशेषज्ञों के नेतृत्व में पैनल चर्चा की एक श्रृंखला के माध्यम से सभी प्रतिनिधियों के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और वास्तविक मामलों के अध्ययन एवं इनसे सीख लेने के लिए एक अवसर प्रदान किया गया।

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) जो इस सम्मेलन का मार्गदर्शी है, उसके द्वारा अनुज्ञप्तिकरण एवं नियामक प्राधिकरण की अपनी पारंपरिक भूमिका से परे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उद्योगों के लिए गाइड और प्रेरक बनने हेतु यह पहल की गई। इस पर प्रकाश डालते हुए, पेसो के मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, डॉ सुदर्शन कमाल ने कहा है कि पेट्रोलियम उद्योग को न केवल सभी नियमों और विनियमों का पालन करने की जरूरत है, बल्कि सुरक्षा और हमारे आसपास हो रही प्रगति के मुद्दों का प्रबंधन करने की भी जरूरत है । उन्होंने यह भी कहा कि पेट्रोलियम उद्योग को "आत्म नियमन" (self regulation) मोड की ओर बढ़ने की आवश्यकता है और इस बात की पुष्टि की कि पेसो द्वारा पहले ही इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए गए हैं, जैसे- कुछ अनुज्ञप्तियों के ऑटो रिनिवल की पहल की है जिससे

देश में एक लाख से भी अधिक अनुज्ञप्तिधारको को लाभ होगा। व्यापार करने में आसानी (Ease of Doing Business) की दिशा में देश में यह एक क्रांतिकारी कदम है।

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एक दूसरे से सीखने के लिए एक मंच प्रदान करना था। जैसे कि ऊपर कहा गया है, विभिन्न तेल कंपनियों, निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र जिसमें आईओसी, बीपीसीएल, एचपीसीएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एजिस समूह, एसएचवी, टोटल और कई अन्य कंपनियां, कुल 650 प्रतिभागियों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए। इसमें 70 से अधिक अनुसंधानित तकनीकी पेपर्स, प्रतिनिधि किट के रूप में दिए गए। हाइड्रोकार्बन उद्योग में नवीनतम तकनीक को दर्शाती समवर्ती प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी जिसमें 40 से अधिक प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया।

"एक्सस्पोसेएफ़-2016"

3 जून, 2016 से पेट्रोलियम और विस्फोट सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के साथ तकनीकी सहयोग में एक्सप्लोसिक्स मैनुफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन (ईएमडब्ल्यूए) ने "सुरक्षा, सुरक्षा और वाणिज्यिक और रक्षा विस्फोट में हाल के रुझानों" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी "एक्सप्लोसैफ़े-2016" का आयोजन किया था। चौथे, जून 2016. संगोष्ठी का आयोजन डॉ. एस कमल, विस्फोटक मुख्य नियंत्रक, पीईएसओ, नागपुर, श्री राजीव रंजन मिश्रा, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, पश्चिमी कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर, इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री के.पी.एस. मूर्ति, एचईएमआरएल, डीआरडीओ, पुणे और श्री बी.पी. सिंह, डीडीजीएमएस, नागपुर के अतिथि अतिथि थे। श्री वी.एन. पांगल, अध्यक्ष, ईएमडब्ल्यूए कार्यक्रम के संयोजक थे। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी दस्तावेजों के 25 सदस्य थे सेमिनार में सुरक्षित निर्माण, भंडारण, परिवहन और विस्फोटकों के उपयोग के लिए विश्व स्तर पर उपलब्ध संगोष्ठी और नवीनतम प्रौद्योगिकियों में चर्चा की गई। सेमिनार में 350 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रदर्शनी संगोष्ठी में आयोजित की गई थी कई उपकरणों / संयंत्र एवं मशीनरी निर्माताओं ने विस्फोटकों के सुरक्षित निर्माण के लिए नवीनतम उपलब्ध उपकरणों का प्रदर्शन किया। संगोष्ठी में एक स्मारिका "एक्सस्पोसेएफ़-2016" 42 तकनीकी लेखों का संग्रह भी जारी किया गया था

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की बैठकें-संगोष्ठियाँ-व्याख्यान-
प्रशिक्षण कार्यक्रम- विदेश यात्राएं

बैठकें-

1. दि.04.04.2016 को मु.वि.नि. महोदय द्वारा डीआईपीपी की दूसरी अनुज्ञप्ति समिति की बैठक में भाग लिया।
2. दि.13.05.2016 को मु.वि.नि. द्वारा अग्नि विस्फोट एवं पर्यावरण सुरक्षा केंद्र, नई दिल्ली में क्यूडी बैठक में भाग लिया।
3. दि.2.09.2016 को मु.वि.नि. ने विस्फोटक और आतिशबाज़ी अनुभागीय समिति सीएचडी: 26 और इसकी उप-समिति की जयपुर में आयोजित 21 वीं बैठक में अध्यक्षता की।
4. दि.6.09.2016 को मु.वि.नि. द्वारा विस्फोटक उपयोगकर्ताओं के साथ विस्फोटकों के उपयोग में प्रतिबंध लगाने से संबंधित मामले की बैठक में भाग लिया और डीआईपीपी, नई दिल्ली में एसआईपीपी की अध्यक्षता में हितधारकों के साथ बैठक में भाग लिया।
5. दि. 25.10.2016 को मु.वि.नि. द्वारा सीएफईईएस, नई दिल्ली में क्वान्टिटी डिस्टंस पैनल बैठक में भाग लिया।
6. दि. 3.11.2016 और 4.11.2016 को मु.वि.नि. द्वारा गैस सिलेंडर अनुभागीय समिति एमईडी: 16 और इसकी उप-समिति की उदयपुर में आयोजित 23 वीं बैठक में अध्यक्षता की।
7. दि.09.01.2017 को मु.वि.नि. द्वारा डीआईपीपी में आतिशबाजी की दुकानों के संबंध में विस्फोटक नियम, 2008 के संशोधन की बैठक में भाग लिया।
8. दि.30.01.2017 को मु.वि.नि. द्वारा एमओपीएनजी में पेट्रोलियम नियम, 2002 के संशोधन के बारे में प्रस्तुतीकरण किया।
9. दि.30.01.2017 को मु.वि.नि. द्वारा डीआईपीपी में हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।
10. दि.30.03.2017 को मु.वि.नि. द्वारा डीआईपीपी में पहली लाइसेंसिंग समिति की बैठक में भाग लिया।
11. दि.30.03.2017 को मु.वि.नि. द्वारा दि. 30.3.2017 को राष्ट्रीय नागर विमानन नीति (एनसीएपी-2016) के तहत शुरू की गई क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) उडान के संबंध में हुई बैठक में भाग लिया।

कार्यशालाए/ संगोष्ठियां/ प्रशिक्षण

1. दि. 20.8.2016 को खंडाला में खंडाला में गैस मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन सोसाइटी द्वारा आयोजित गैस सिलिंडर्स सुरक्षा पर कार्यशाला में भाग लिया।
2. दि. 3.1.2.2016 को पेसो, हैदराबाद में खतरनाक पेट्रोकेमिकल्स-एसटीओपी -2016 के परिवहन (खतरनाक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन पर संगोष्ठी) पर एक दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया।
3. दि. 22.9.2016 को गैस इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा पूना में आयोजित औद्योगिक और मेडिकल गैसों पर सुरक्षा संगोष्ठी में भाग लिया।
4. पेसो, सिवाकासी के तकनीकी सहयोग से सिवाकासी में तनफामा और अखिल भारतीय रंग मेल मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'आतिशबाजी सुरक्षा -2017' राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधन किया।

संगठन के अन्य अधिकारियों के विजिट्स- बैठकें -व्याख्यान- सेमिनार - प्रशिक्षण बैठकें-

1. श्री एन.टी. शाहू, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने दि. 6.5.2016 को डीआईपीपी में दूसरी लाइसेंसिंग समिति (2016 श्रृंखला) की बैठक में भाग लिया।
2. श्री एन.टी. शाहू, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने दि. 13.05.2016 को ओडी बैठक (एसटीईसी विनियम) में भाग लिया।
3. श्री एन.टी. शाहू, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने दि. 2.9.2016 को विस्फोटक और पाइरोटेक्निक सेक्शन कमेटी (बीआईएस) सीएचडी 26 की 21 वीं बैठक और इसकी उप-समिति की बैठक में भाग लिया।
4. श्री डी.के.गुप्ता, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के तकनीकी सहयोग से पीईएसओ के तत्वावधान में 21 जुलाई से 22 जून 2016 तक सफलतापूर्वक "पेट्रोसेफ 2016" आयोजित करने के लिए मुख्य समिति के सदस्य के रूप में काम किया।
5. श्री डी.के.गुप्ता, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने भोपाल में पीएनजीआरबी पर अधीनस्थ विधान राज्यसभा समिति (तकनीकी मानक और सुरक्षा मानक सहित विनिर्देशों के विकास की प्रक्रिया) विनियमन, 2009 की बैठक में भाग लिया।
6. श्री डी.के.गुप्ता, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने भारत में औद्योगिक नवीकरणीय ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए कार्बनिक कचरे के प्रवाह पर परियोजना पर हितधारकों के साथ सत्र में भाग लिया, जो एमएनआरई और यूएनआईडीओ द्वारा दि. 31/05/2016 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।

7. श्री डी.के.गुप्ता, उप- मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर दि. 03.11.2016 को डीआईपीपी द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।
8. श्री डी.के.गुप्ता, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने 12 दिसंबर, 2016 को भारत के हाइड्रोजन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 5 वीं अंतर्राष्ट्रीय हाइड्रोजन और ईंधन सेल सम्मेलन में एच 2 इकोनोमी को बढ़ावा देने के लिए विनियामक और नीतिगत रूपों पर पैनल चर्चा में सदस्य के रूप में भाग लिया।
9. श्री डी.के.गुप्ता, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने ओआईएसडी, नोएडा में बंदरगाहों में एलएनजी बंकरिंग सुविधाओं के लिए सुरक्षा पर दिशानिर्देश तैयार करने के आयोजित बैठक में समिति सदस्य के रूप में भाग लिया।
10. श्री डी.के.गुप्ता, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने राष्ट्रीय राजधानी विमानन नीति (एनसीएपी-2016) के तहत क्षेत्रीय संपर्क योजना (आर सी एस) की दि. 30/03/2017 को नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भाग लिया।
11. श्री वी.बी. बोरगांवकर, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने सं.मु.वि.नि.(का.अ.) के साथ क्षेत्रीय संपर्क योजना पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
12. श्री वी.बी. बोरगांवकर, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा डीटीएस में उप-वि.नि. प्रशिक्षुओं को व्याख्यान दिया।
13. श्री वी.बी. बोरगांवकर, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा मैसर्स फ्रैंकलिन फ्यूलिंग सिस्टम एमआईडीसी, राजगगांव, पुणे में बॉटम लोडिंग विनिर्माण सुविधाओं का उद्घाटन किया।
14. श्री वी.बी. बोरगांवकर, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा एलएनजी बंकरिंग के नौवहन महानिदेशक द्वारा आयोजित बैठकों में भाग लिया।
15. श्री वी.बी. बोरगांवकर, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा नौवहन सचिव की अध्यक्षता में बंदरगाहों और अंतर्देशीय जल के तरीकों के भीतर प्रस्तावित एलएनजी बंकरिंग पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
16. श्री वी.बी. बोरगांवकर, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा एलएनजी बंकरिंग पर दिशानिर्देश तैयार करने के लिए सचिव (नौवहन, भारत सरकार) द्वारा गठित समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।
17. श्री वी.बी. बोरगांवकर, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा उड्डान स्कीम के तहत प्रस्तावित क्षेत्रीय कनेक्टिविटी स्टेशनों पर विमान ईंधन भरने की सुविधा की उपलब्धता पर सचिव, एमओपी और एनजी की अध्यक्षता वाली बैठक में सं.मु.वि.नि.(का.अ.) के साथ भाग लिया।
18. श्री वी.बी. बोरगांवकर, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने एमओपी और एनजी के संयुक्त सचिव द्वारा बुलाई गई बैठक में सं.मु.वि.नि.(का.अ.) के साथ भाग लिया।

19. डॉ. एस.एम. मन्नन, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा अग्नि विस्फोटक और पर्यावरण सुरक्षा (सीएफईएस), डीआरडीओ, दिल्ली में 25 अप्रैल से 29 अप्रैल, 2016 तक आयोजित पाठ्यक्रम-" एमूनिशन डिपो में विस्फोटक सुरक्षा" में भाग लिया।
20. डॉ. एस.एम. मन्नन, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा नई दिल्ली में 22.09.2016 को केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड, वित्त मंत्रालय के सिंगल विंडो प्रोजेक्ट टीम द्वारा ट्रेडर्स के लिए आयोजित सिंगल विंडो इंटरफेस (SWIT) की एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
21. डॉ. एस.के. दीक्षित, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा दि. 23/04/2016 को उप-विस्फोटक नियंत्रकों को पुलिस प्रदर्शन और न्यायायिक मामलों के निपटान का प्रशिक्षण दिया।
22. डॉ. एस.के. दीक्षित, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा दि. 24/01/2017 को धनबाद में आयोजित खान सुरक्षा महानिदेशक के वरिष्ठ अधिकारियों को "डीजीएमएस ब्लास्टर प्रमाण पत्र प्रमाणीकरण मॉड्यूल" पर एक कार्यशाला संबोधित की।
23. डॉ. एस.के. दीक्षित, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा 3 जून से 4 जून 2016 तक आयोजित "एक्सप्लोसेफ - 2016" के लिए आयोजन समिति और तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में काम किया, तकनीकी स्मारिका को संपादित और प्रकाशित किया।
24. डॉ. एस.के. दीक्षित, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा 22 जून से 21 जुलाई 2016 तक आयोजित "पेट्रोसेफ - 2016" के लिए आयोजन समिति और तकनीकी समिति के सदस्य के रूप में काम किया, तकनीकी स्मारिका को संपादित और प्रकाशित किया।
25. डॉ. एस.के. दीक्षित, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा ने धनबाद में खान सुरक्षा महानिदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों को दि. 24/01/2017 को "डीजीएमएस ब्लास्टर प्रमाण पत्र प्रमाणीकरण मॉड्यूल" पर एक कार्यशाला का संचालन किया।
26. श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर, ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा हाइड्रोजन को भरने में उपयोग के कंपोजिट सिलेंडर से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आयोजित बैठक में भाग लिया।
27. श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर, ने चेन्नई में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आयोजित बैठक में भाग लिया।
28. श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर, ने नई दिल्ली में औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग में हिंदी सलाकर समिति की बैठक में भाग लिया।
29. श्री एस.डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर, ने दि. 10.08.2016 से 12/08/2016 तक भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, जयपुर में रिकॉर्ड अधिकारी के लिए तीन दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
30. श्री एस.डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर, ने दि. 26/09/2016 से 27/9/2016 तक बरौनी रिफाइनरी का निरीक्षण किया।

व्याख्यान

1. श्री डी.के.गुप्ता, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने अप्रैल/मई 2016 माह में विभागीय परीक्षण केन्द्र (डीटीएस), गोंडखैरी में नव नियुक्त विस्फोटक नियंत्रकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "एसएमपीवी (यू) नियम, 1981" और "सिलेन्डर्स और दाब पात्रों के बारे में धातुकर्म और तकनीकी पहलु" विषयों पर व्याख्यान दिया।
2. श्री डी.के.गुप्ता, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने मई 2016 माह में विभागीय परीक्षण केन्द्र (डीटीएस), गोंडखैरी में नव नियुक्त विस्फोटक नियंत्रकों के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में "एमएसआईएचसी नियम, अनुमोदन और क्रॉस-कंट्री पाइपलाइनों का निरीक्षण" विषय पर व्याख्यान दिया।
3. डॉ एस. एम. मन्नन, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने 3 और 4 जून 2016 को नागपुर में "सुरक्षा, सुरक्षितता और वाणिज्यिक और रक्षा विस्फोटकों में नया प्रचलन" विषय पर आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार में " विस्फोटकों के ट्रेकिंग और ट्रेसिंग सिस्टम - (एसईटीटी)" पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
4. डॉ एस. एम. मन्नन, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने 15 जुलाई, 2016 को कोलकाता में आयोजित "खनन में उत्पादकता अनलॉक करने के लिए कुंजी" विषय के साथ - विस्फोटक पर सम्मेलन में "विस्फोटक नियमों के तहत विनियम, 2008 - वर्तमान परिदृश्य" पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
5. डॉ एस. के. दीक्षित, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा "ऑयल गैस इंडस्ट्रीज में ऑफ साइट आपदा प्रबंधन योजना के लिए सांविधिक दिशानिर्देश और नियामक फ्रेमवर्क" विषय पर राष्ट्रीय नागरिक रक्षा महाविद्यालय, नागपुर के प्रशिक्षुओं को व्याख्यान दिया।
6. डॉ एस. के. दीक्षित, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा "भारत में वाणिज्यिक ग्रेड विस्फोटक के लिए विनियामक पर्यावरण" पर संयुक्त राज्य दूतावास की टीम को व्याख्यान दिया और दि. 10/02/2017 को पैनल चर्चा में भाग लिया।
7. श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने नई दिल्ली में एनजीवी इंडिया शिखर सम्मेलन द्वारा आयोजित कार्यशाला में सीजीडी इंडस्ट्रीज के लिए सांविधिक प्रावधानों पर व्याख्यान दिया।
8. श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने गैस इंडस्ट्री असोसिएशन, पुणे द्वारा आयोजित संगोष्ठी के लिए गैस सिलेंडर नियम, 1981 और एसएमपीवी (यू) नियम, 1981 के प्रस्तावित संशोधन पर व्याख्यान दिया।
9. श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने सेंट्रल यूपी गैस लि., कानपुर द्वारा आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।
10. श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने पुणे में एलपीजी सिलेंडरों के सुरक्षित संचालन में सर्वोत्तम अभ्यास पर एशिया एलपीजी शिखर सम्मेलन और भारत एलपीजी शिखर सम्मेलन -उभरते रुझान में व्याख्यान दिया।

11. श्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने 15/02/2017 को मेसर्स इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, पाइपलाइन डिविजन नोएडा द्वारा होटल रेडिसन, नोएडा में आयोजित तेल एवं गैस पाइपलाइन की सुरक्षा पर एक पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण दिया।
12. श्री के.एस. राव, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने 3 दिसंबर, 2016 को उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पेसो, हैदराबाद में आयोजित "खतरनाक उत्पादों का सुरक्षित परिवहन (एसटीओएचपी)" पर संगोष्ठी में "सीएनजी सिलेंडर विस्फोट दुर्घटना" पर एक केस स्टडी प्रस्तुत की।
13. श्री के.एस. राव, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर ने पेट्रो सेफ-2016 में प्रकाशित एलपीजी पाइपलाइन पिगिंग ऑपरेशन के दौरान दुर्घटनाएं पर पेपर प्रस्तुत किया।

संगठन के अन्य अधिकारियों की बैठकें -व्याख्यान- सेमिनार - प्रशिक्षण कार्यक्रम दक्षिण अंचल- चेन्नई

बैठकें:

1. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा सभी तेल कंपनियों के प्रभागीय प्रबंधक मैनेजर/क्षेत्रीय प्रबंधक, एएलडीएस और सीएनजी ऑपरेटरों के साथ दि. 22/08/2016 को बैठक आयोजित की गई।
2. डॉ. ए.के. यादव, सं-मु.वि.नि., चेन्नई द्वारा दि. 22.11.2016 को केरल के विभिन्न जिलों में पुलिस अधिकारियों द्वारा जब्त किए गए विस्फोटकों / रसायनों के निपटान और निपटान के संबंध में केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।
3. डॉ. ए.के. यादव, सं-मु.वि.नि., चेन्नई द्वारा दि. 31/12/2016 को एसएमपीवी (यू) नियम 2016 और जीसीआर 2016 पर चर्चा के लिए उप अंचल कार्यालयों के सभी प्रमुखों के साथ उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मैंगलोर कार्यालय में आयोजित त्रैमासिक बैठक में भाग लिया।
4. डॉ. ए.के. यादव, सं-मु.वि.नि., चेन्नई द्वारा दि. 28/02/2017 को निरीक्षणों पर चर्चा के लिए उप अंचल कार्यालयों के सभी प्रमुखों के साथ उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, हैदराबाद कार्यालय में आयोजित त्रैमासिक बैठक में भाग लिया।
5. डॉ. अनुज कुमार, वि.नि., चेन्नई और श्री प्रशांत यादव, उप-वि.नि., चेन्नई में राज्य पुलिस ड्यूटी बैठक में भाग लिया।

6. डॉ. आर.के. राठौड़, वि.नि., चेन्नई और श्री अब्दुल मुतालीब, विस्फोटक नियंत्रक, विशाखापट्टनम द्वारा दि. 17.10.2016 को अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, विशाखापट्टनम के साथ बैठक में शामिल हुए।
7. भारत सरकार द्वारा विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत धारा 9 (क) के अंतर्गत नियुक्त एक जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त डॉ. ए.के. यादव, सं-मु.वि.नि., चेन्नई द्वारा दि. 10/04/2016 को, आतिशबाजी की वजह से केरल के पेरवूर, कोल्लम जिले में स्थित पुटिंगल मंदिर परिसर में हुई दुर्घटना की जांच की और अंतिम रिपोर्ट सौंप दी। इस दुर्घटना में 110 लोगों की मौत हुई और 461 घायल हुए थे।
8. भारत सरकार द्वारा एक जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त डॉ. ए.के. यादव, सं-मु.वि.नि., चेन्नई आतिशबाजी की वजह से केरल के पेरवूर, कोल्लम जिले में स्थित पुटिंगल मंदिर परिसर में हुई दुर्घटना की दि. 30/05/2016 से 04/06/2016 तक कोल्लम और परावूर में, जांच की और मंत्रालय को अंतिम रिपोर्ट सौंप दी।
9. सिवाकासी में अगस्त 16 और सितंबर 16 के दौरान आयोजित आतिशबाजी से उत्सर्जन के कारण भारत में परिवेश वायु गुणवत्ता से संबंधित कोर कमेटी की बैठक में सिवाकासी कार्यालय के अधिकारियों ने भाग लिया।
10. सिवाकासी कार्यालय के अधिकारियों ने दि. 20.10.2016 को कलेक्टर, जिला विरुधुनगर द्वारा तमिलनाडु सरकार के माननीय राजस्व मंत्री की उपस्थिति में आयोजित एक बैठक में भाग लिया।
11. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद के साथ श्री बिभास चंद्र साधुखान, उपविनि ने विरुधुनगर जिले के कलेक्टर द्वारा दि. 21.10.16 को आयोजित आतिशबाजी की दुकान में दुर्घटना से संबंधित बैठक में भाग लिया।
12. कार्यालय के अधिकारियों ने विरुधुनगर जिले के कलेक्टर द्वारा दि. 22.03.17 को आयोजित आतिशबाजी उद्योग में जागरूकता कार्यक्रम से संबंधित बैठक में भाग लिया।
13. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा तेलंगाना राज्य के सभी तेल कंपनियों के प्रभागीय प्रबंधक मैनेजर/ क्षेत्रीय प्रबंधक, एएलडीएस और सीएनजी ऑपरेटरों के साथ दि. 23/08/2016 को बैठक आयोजित की गई।
14. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा तेलंगाना राज्य के एलई-3, एलई-4 (आतिशबाजी) के सभी अनुज्ञप्तिधारकों के लिए दि. बजे 13/10/2016 को हैदराबाद में बैठक आयोजित की।

15. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा एलपीजी ऑपरेशन्स और संयंत्र प्रबंधको के साथ दि. 21/02/2016 को गैस सिलेंडर नियम, 2016, एलपीजी सिलेंडर बॉटलिंग, भण्डारण और वितरण से संबंधित विषय के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैठक आयोजित की गई।
16. श्री आर. वेणुगोपाल, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, हैदराबाद द्वारा दि. 28/04/2016 और दि. 29/04/2016 को पुटिंगल फायरवर्क्स डिस्प्ले के मामले पर चर्चा हेतु चेन्नई में आयोजित त्रैमासिक बैठक में भाग लिया।
17. उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, हैदराबाद द्वारा सं-मु.वि.नि., चेन्नई (जांच अधिकारी), डॉ. राधाकृष्णन (निर्धारक), श्री जीएम रीड (निर्धारक), श्री अजीत मोहन, विधि सरकारी अधिकारी के साथ दि. 20/05/2016 को पुटिंगल फायरवर्क्स डिस्प्ले के मामले पर आयोजित बैठक में भाग लिया।
18. श्री आर. वेणुगोपाल, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, हैदराबाद द्वारा दि. 30/05/2016 से दि. 07/06/2016 तक परावूर फायरवर्क्स दुर्घटना के मामले पर परावूर और कोल्लम में आयोजित त्रैमासिक बैठक में भाग लिया।
19. श्री आर. वेणुगोपाल, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, हैदराबाद द्वारा दि. 22/06/2016 और दि. 23/06/2016 तक पेट्रोसेफ- 2016" के आयोजन समिति की मुंबई और नागपुर में आयोजित बैठक में भाग लिया।
20. श्री एस.जी.कदम, विस्फोटक नियंत्रक और डॉ जी. के. पांडेय ने दि. 08.07.2016 को बेगमपेट, हैदराबाद में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के साथ बैठक में भाग लिया।
21. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा तेलंगाना राज्य के सभी तेल कंपनियों के प्रभागीय प्रबंधक मैनेजर/ क्षेत्रीय प्रबंधक, एएलडीएस और सीएनजी ऑपरेटरों के साथ दि. 23/08/2016 को बैठक आयोजित की गई।
22. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा तेलंगाना राज्य के एलई-3, एलई-5 (आतिशबाजी) के सभी अनुज्ञप्तिधारकों के लिए दि. बजे 13/10/2016 को हैदराबाद में बैठक आयोजित की।
23. डॉ. जी.के.पांडे, विस्फोटक नियंत्रक और श्री एम.डब्ल्यू.दूधे, उप-विस्फोटक नियंत्रक ने दि. 15/11/2016 को नराकास द्वारा ग्रामीण विकास और पंचायत राज, राजेंद्र नगर, हैदराबाद में आयोजित दूसरी हिंदी बैठक, में भाग लिया।
24. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा एलपीजी ऑपरेशन्स और संयंत्र प्रबंधको के साथ दि. 21/02/2017 को गैस सिलेंडर नियम, 2016 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एलपीजी सिलेंडर के नए अनुमोदन / संशोधन दिशानिर्देशों के लिए, भंडारण गोदामों, तेल

वितरकों को तेल कंपनियों द्वारा अतिरिक्त मात्रा में आपूर्ति, बॉटलिंग, भंडारण, वितरण और एलपीजी सिलेंडर से जुड़े अन्य मुद्दे से संबंधित विषय के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैठक आयोजित की गई।

25. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय में दि. 28/02/2017 को सभी दक्षिण अंचल कार्यालयों की 31/03/2017 को समाप्त तिमाही पूर्व त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई थी। डॉ. ए.के. यादव, डॉ. वेणुगोपाल, डॉ राठौर, श्री कुलकर्णी, श्री शनमुगम, सेनिराज और श्री जे कुमार उप-मु.वि.नि., हैदराबाद के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।
26. 21/3/2017 को तेलंगाना राज्य में एलपीजी ऑपरेटर्स और प्लांट मैनेजर्स के प्रमुखों के साथ बैठक आयोजित की गई।
27. दि. 24/3/2017 को मैसर्स जेटली विस्फोटक लिमिटेड, थिरुचिरापल्ली में विस्फोटक दुर्घटना के बारे में विस्फोटक, दक्षिण सर्किल, चेन्नई के मुख्य जिले के मुख्य नियंत्रक कार्यालय में बैठक।
28. श्री एस. कंदासामी, उप-वि.नि. ने पुटिंगल देवी मंदिर परिसर में आतिशबाजी प्रदर्शन दुर्घटना के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण करने के लिए सीबीसीआईडी, मुख्यालय त्रिवेंद्रम में एक बैठक में भाग लिया।
29. श्री एस. कंदासामी, उप-वि.नि. ने दि. 12.07.2016 को पुलिस आयुक्त, कोच्चि के कार्यालय में आईजी, कोची रेंज के साथ बैठक में भाग लिया।
30. श्री एस. कंदासामी, उप-वि.नि. ने पुटिंगल देवी मंदिर परिसर में आतिशबाजी प्रदर्शन दुर्घटना से संबंधित पूछताछ की व्यवस्था के संबंध में जिला मजिस्ट्रेट, कोल्लम के साथ बैठक में भाग लिया।
31. श्री एस. कंदासामी, उप-वि.नि. ने दि. 18.07.2016 को त्रिवेन्द्रम में एडीजीपी (आसूचना) के साथ संयुक्त आसूचना समिति की बैठक में भाग लिया।
32. श्री एस. कंदासामी, उप-वि.नि. ने दि. 18.07.2016 को पारावुर आतिशबाजी प्रदर्शन दुर्घटना पर चर्चा के बारे में एसपी, सीबीसीआईडी, त्रिवेंद्रम के साथ बैठक में भाग लिया।
33. श्री एस. कंदासामी, उप-वि.नि. ने दि. 18.07.2016 को पारावुर आतिशबाजी प्रदर्शन दुर्घटना पर चर्चा के बारे में एसपी, सीबीसीआईडी, त्रिवेंद्रम के साथ बैठक में भाग लिया।
34. श्री एस.एम. कुलकर्णी, उप-मु.वि.नि. ने दि. 28.02.2017 को उप-मु.वि.नि. हैदराबाद के कार्यालय में त्रैमासिक बैठक में भाग लिया और सं-मु.वि.नि., चेन्नई को प्रगति रिपोर्ट सौंपी।

- 35.श्री ए.के. मेहता, वि.नि. ने केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कार्यालय में दि.21/11/2016 को श्री ए.के.यादव, सं-मु.वि.नि., चेन्नई के साथ आयोजित बैठक में भाग लिया।
- 36.श्री सी. शणमुगम, उप-मु.वि.नि. ने दि. 22.03.2017 को पुलिस अधीक्षक, डी.के. जिला मैंगलोर द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।
37. श्री जी कुमारस्वामी, वि.नि. ने दि. 11.04.2016 को उपायुक्त, डी.के. जिला मैंगलोर द्वारा 'आतिशबाजी के सार्वजनिक प्रदर्शन के दौरान ली जाने वाली सावधानी और सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए विस्फोटक नियम 2008 के प्रावधानों के बारे में आयोजित बैठक में भाग लिया।
- 38.श्री जी कुमारस्वामी, वि.नि. और श्री ए.एस. क्षीरसागर, उप-वि.नि. ने दि. 26.04.2016 को सदस्य सचिव, जिला संकट समूह और कारखानों के उप निदेशक, मैंगलोर द्वारा सड़क पर खतरनाक रसायनों के परिवहन के संबंध में बुलाई एक बैठक में भाग लिया।
- 39.श्री जी कुमारस्वामी, वि.नि. और श्री कृष्णकांत कुमार, क.श्रे.लि. ने दि. 24.05.2016 को कॉर्पोरेशन बैंक मुख्यालय, मैंगलोर में नराकास की 60 वीं छमाही बैठक में भाग लिया।
- 40.श्री जी कुमारस्वामी, वि.नि. और श्री कृष्णकांत कुमार, क.श्रे.लि. ने दि. 05.12.2016 को कॉर्पोरेशन बैंक मुख्यालय, मैंगलोर में नराकास की 61 वीं छमाही बैठक में भाग लिया।
- 41.उप-मु.वि.नि.,हैदराबाद कार्यालय में दि. 31/12/2016 को सभी दक्षिण उप-अंचल प्रमुखों की त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई थी। डॉ. ए.के. यादव, डॉ. वेणुगोपाल, श्री एस. एम. कुलकर्णी, श्री डी. सी. पाण्डेय, श्री ए.एस. क्षीरसागर और श्री एन. गोविंदन ने इस बैठक में भाग लिया।
- 42.श्री सी. शणमुगम, उप-मु.वि.नि., मंगलौर ने दि. 28.03.2017 को सं.मु.वि.नि.,चेन्नई द्वारा उप-मु.वि.नि.,हैदराबाद कार्यालय में आयोजित पूर्व तिमाही बैठक में भाग लिया।

संगोष्ठियां:

1. डॉ. ए.के.यादव, सं.मु.वि.नि.,चेन्नई ने दि. 03/12/2016 को ओएमसी के राज्य स्तर समन्वय समितियों और अन्य तेल कंपनियों के सहयोग से पेसो द्वारा "खतरनाक पेट्रो केमिकल्स एसटीओएचपी-2016 का परिवहन" विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।

2. डॉ. ए.के.यादव, सं.मु.वि.नि.,चेन्नई ने श्री सुमिरन कुमार, उप-वि.नि.,चेन्नई के साथ दि. 09.11.2017 को कोयंबटूर में एलआईडीएडीएफ के एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
3. डॉ. ए.के.यादव, सं.मु.वि.नि.,चेन्नई ने श्री प्रशांत यादव, उप-वि.नि.,चेन्नई के साथ दि. 30.07.2016 को कोडाईकनाल में एलपीजी सिलेंडर सुरक्षा की एक दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया।
4. डॉ. अनुज कुमार, विस्फोटक नियंत्रक, चेन्नई ने दि. 03.06.2016 से 04.06.2017 तक नागपुर में आयोजित "एक्सप्लोसेफ-2016" संगोष्ठी में भाग लिया।
5. श्री एम.डब्ल्यू. दुधे, विस्फोटक नियंत्रक, चेन्नई ने दि. 03.06.2016 से 04.06.2017 तक नागपुर में आयोजित "एक्सप्लोसेफ-2016" संगोष्ठी में भाग लिया।
6. श्री आर. वेणुगोपाल, उप.मु.वि.नि.,हैदराबाद ने दि. 21.07.2016 और 22.07.2016 को जयपुर में हाइड्रोकार्बन सुरक्षा पर पेट्रो सेफ सम्मेलन में भाग लिया।
7. दि.03/12/2016 को कवडीगुडा, हैदराबाद में "खतरनाक पेट्रो केमिकल्स एसटीओएचपी-2016 का परिवहन" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। श्री एन. टी. शाहू, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (का.अ.) ने इस संगोष्ठी का उद्घाटन किया और डॉ. ए.के.यादव, सं. मुख्य विस्फोटक नियंत्रक,दक्षिण अंचल, चेन्नई द्वारा अधिसूचीय भाषण दिया गया। संगोष्ठी में तेलंगाना राज्य, तेल कंपनियों और अन्य विभिन्न राज्य सरकार की एजेंसियों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी के आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री आर. वेणुगोपाल, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक थे। उद्घाटन समारोह के दौरान संगोष्ठी की तकनीकी स्मारिका जारी की गई। पेसो, हैदराबाद के सभी अधिकारियों ने स्मारिका में तकनीकी लेख देकर अपना योगदान दिया।
8. श्री एस एम कुलकर्णी, उप-मु.वि.नि. ने 21.07.2016 और 22.07.2016 को जयपुर में आयोजित 'पेट्रोसेफ' सम्मेलन में भाग लिया।
9. श्रीमती ए. खालवाडेकर, उप-मु.वि.नि., मंगलौर ने नागपुर में 03 और 04 जून 2016 को व्यावसायिक और रक्षा विस्फोटकों (एक्सप्लोसेफ 2016) में 'सुरक्षा, संरक्षा और वर्तमान प्रचलन" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
10. श्रीमती ए. खालवाडेकर, उप-मु.वि.नि. ने 21.07.2016 और 22.07.2016 को जयपुर में आयोजित 'पेट्रोसेफ' सम्मेलन में भाग लिया।

विजिट / निरीक्षण / प्रशिक्षण:

1. श्री अब्दुल मुतालीब, वि.नि.,विशाखापट्टनम ने दि. 08.09.2016 से दि. 10.09.2016 तक मे.राजा एक्सप्लोजिक्स, तिरुपुर, तमिलनाडु की उच्च विस्फोटक फेक्टरी का निरीक्षण किया।
2. श्री अब्दुल मुतालीब, वि.नि.,विशाखापट्टनम ने दि. 21.09.2016 से दि. 23.09.2016 तक मे. सुआ एक्सप्लोजिक्स एण्ड एसेसरिज प्रा.लि., हुनसुर तालुक, तमिलनाडु की उच्च विस्फोटक फेक्टरी का निरीक्षण किया।
3. डा. ए.के.यादव, सं-मु.वि.नि., मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर और अन्य अधिकारियों के साथ दि. 11/04/2016 को पुटिंगल देवी मंदिर, कोल्लम में हुई दुर्घटना जांच के लिए स्थल का दौरा किया।
4. डॉ आर.के. राठौड़, उप-मु.वि.नि., विशाखापट्टनम ने दि. 16.08.2016 से 18.08.2016 तक मैसर्स तमिलनाडु इंडस्ट्रियल एक्सप्लोसिक्स लिमिटेड, वेल्लोर की उच्च विस्फोटक कारखाने की सुरक्षा परीक्षण की।
5. श्री अमोल जे. सोनबरसे, उप-वि.नि., विशाखापट्टनम ने दि. 22.08.2016 से 26.08.2016 तक मैसर्स आईडीएअल इंडस्ट्रियल एक्सप्लोसिक्स लिमिटेड, नालगोंडा, तेलंगाना राज्य के उच्च विस्फोटक कारखाने की सुरक्षा परीक्षण में भाग लिया।
6. श्री अमोल जे. सोनबरसे, उप-वि.नि., विशाखापट्टनम ने दि. 21.09.2016 से 23.09.2016 तक मेसर्स केल्टेक एनर्जी लिमिटेड, हेब्री, उडुपी जिला, कर्नाटक की उच्च विस्फोटक कारखाने की सुरक्षा परीक्षण में भाग लिया।
7. डॉ आर.के. राठौड़, उप-मु.वि.नि.,विशाखापट्टनम और संगठन के अन्य अधिकारियों ने 18 से 20 नवंबर, 2016 तक मुख्य विस्फोटक नियंत्रक चेन्नई के निर्देशों के अनुसार मेसर्स चेन्नई पेट्रोलियम केमिकल्स लिमिटेड के सुरक्षा परीक्षण में भाग लिया।
8. श्री अमोल जे. सोनबरसे, उप-वि.नि., विशाखापट्टनम ने पेसो के अन्य अधिकारियों के साथ 19 -20 दिसंबर, 2016 तक मे.चेन्नई पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीपीसीएल), कावेरी बेसिन रिफाइनरी, नागापट्टिनम, तमिलनाडु सुरक्षा परीक्षण में भाग लिया।
9. डॉ आर.के. राठौड़, उप-मु.वि.नि.,विशाखापट्टनम ने 19 से 21 जनवरी, 2017 तक मेसर्स प्रीमियर एक्सप्लोसिक्स लिमिटेड, वांगापल्ली, नालगोंडा, तेलंगाना राज्य के उच्च विस्फोटक कारखाने के सुरक्षा परीक्षण में भाग लिया।

10. श्री अब्दुल मुतालीब, वि.नि. ने पेसो के अन्य 5 अधिकारियों के साथ 23 -28 जनवरी, 2017 तक मैसर्स एचपीसीएल, विशाखापत्तनम की पेट्रोलियम रिफाइनरी की सुरक्षा परीक्षण में भाग लिया।
11. श्री अब्दुल मुतालीब, वि.नि. ने 20 -22 जनवरी, 2017 तक मैसर्स इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, चेन्नई, मैसर्स रेड गैस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, तिरुवल्लुर और मैसर्स ब्राइट गैस बॉटलिंग कंपनी, कचीपुरम, तमिलनाडु राज्य के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट के सुरक्षा परीक्षण में भाग लिया।
12. श्री अमोल जे. सोनबरसे, उप-वि.नि., विशाखापट्टनम ने दि. 06.02.2017 से 07.02.2017 तक मुख्य सं- मु. वि.नि., चेन्नई के विस्फोटक के निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
13. श्री आर वेणुगोपाल, उप-वि.नि., हैदराबाद ने दि. 11.04.2016 को मुविनि, सं-मु.वि.नि., चेन्नई और अन्य अधिकारियों के साथ परावुर, कोल्लम में दुर्घटना स्थल का दौरा किया। जहां आतिशबाजी की दुर्घटना में 110 लोग मारे गए और 280 लोग घायल हो गए थे। दुर्घटना की जांच के संबंध में मुख्य विस्फोटक नियंत्रक महोदय द्वारा बुलाई गई बैठकों में भाग लिया।
14. श्री आर वेणुगोपाल, उप-वि.नि., हैदराबाद दि. 20.07.2016 को परावर पुटिंगल देवी मंदिर परिसर में आतिशबाजी दुर्घटना की जांच रिपोर्ट संयुक्त सचिव, डीआईपीपी को सौंपी।
15. श्री आर वेणुगोपाल, उप-वि.नि., हैदराबाद और डॉ. जी. के. पांडे, वि.नि. ने दि. 28.10.2016 को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में आईपीएस परिवीक्षार्थियों की परेड कार्यक्रम में भाग लिया।
16. श्री एस.जी.कदम, वि.नि., डॉ जी.के.पांडेय, वि.नि., और श्री वी प्रसाद, सहायक द्वारा प्रेस सूचना ब्यूरो कवडीगुडा, सिकंदराबाद, हैदराबाद में दि. 31.10.2016 को आयोजित एकता दिवस समारोह में भाग लिया।
17. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा दि. 31/10/2016 से 05/11/2016 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।
18. उप-मु.वि.नि., हैदराबाद कार्यालय द्वारा दि. 19/11/2016 से 25/11/2016 तक कौमी एकता सप्ताह (राष्ट्रीय एकता सप्ताह)मनाया गया।
19. श्री एम.एन.नंदनवार, उप-वि.नि., हैदराबाद ने दि.18/10/2016 को उपायुक्त, पुलिस, पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद द्वारा आयोजित बैठक में आतिशबाजी की सुरक्षा पर जानकारी दी।

20. श्री आर वेणुगोपाल, उप-वि.नि., हैदराबाद ने दि. 20/10/2016 को उपायुक्त, पुलिस, मध्य क्षेत्र, हैदराबाद द्वारा आयोजित बैठक में आतिशबाजी की सुरक्षा पर व्याख्यान दिया।
21. श्री एस.जी.कदम, वि.नि., हैदराबाद ने दि. 21/10/2016 को उपायुक्त, पुलिस, पश्चिम क्षेत्र, हैदराबाद द्वारा आयोजित बैठक में आतिशबाजी की सुरक्षा पर व्याख्यान दिया।
22. श्री एस.जी.कदम, वि.नि., हैदराबाद ने दि. 18/11/2016 को पुलिस, हैदराबाद, कार्यालय में शहरी इलाकों में विस्फोटक ब्लास्ट करने के लिए विस्फोटक का उपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।
23. श्री आर. वेणुगोपाल, उप-वि.नि., हैदराबाद ने दि. 10/12/2016 को 26 वें राष्ट्रीय एनडीई सेमिनार-एनईडीई 2016 में तिरुवनंतपुरम, केरल में "प्रमाणन और सुरक्षा" विषय पर मुख्य भाषण दिया।
24. श्री एस.एम. कुलकर्णी, उप-मु.वि.नि., हैदराबाद और श्री एस. कंदास्वामी, उप-वि.नि., हैदराबाद ने भारत सरकार द्वारा दि. 30.05.2016 से 04.06.2016 तक कोल्लम के निकट पुटिंगल देवी मंदिर परिसर आतिशबाजी प्रदर्शन दुर्घटना मामले की पूछताछ में भाग लिया।
25. श्री एस. कंदास्वामी, उप-वि.नि., हैदराबाद ने दि. 18.07.2016 को त्रिवेन्द्रम में एडीजीपी (खुफिया) के साथ संयुक्त खुफिया कमेटी की बैठक में भाग लिया।
26. श्री एस.एम. कुलकर्णी, उप-मु.वि.नि., एरनाकुलम ने हैदराबाद में उच्च विस्फोटक विनिर्माण कारखानों का सुरक्षा जांच की (मैसर्स गल्फ ऑयल कॉरपोरेशन रीजनलिस इंडस्ट्रीज (प्रा) लिमिटेड और आइडियल डिटोनेटर (पी) लिमिटेड दि. 19/09/2016 से 23/09/2016 तक, 5/10/2016 से 7/10/2016 और 01/03/2017 से 03/03/2017 तक।
27. श्री एस.एम. कुलकर्णी, उप-मु.वि.नि. मैसर्स एमआरपीएल, मंगलोर का दि. 21.11.2016 से 25.11.2016 तक व्यापक सुरक्षा जांच की।
28. श्री आर. वेणुगोपाल, उप-वि.नि., हैदराबाद के मार्गदर्शन में श्री ए. के. मेहता, वि.नि ने 07 नवंबर से 12 नवंबर, 2016 के दौरान बीपीसीएल कोच्चि रिफाइनरी की व्यापक सुरक्षा जांच में भाग लिया।
29. श्री आर के राठौर के मार्गदर्शन में, श्री एस कंदासामी, वि.नि., और श्री अमित कुमार, उप-वि.नि., ने 18 नवंबर से 20 नवंबर, 2016 के बीच सीपीसीएल, चेन्नई की व्यापक सुरक्षा जांच में भाग लिया। श्री एस.एम. कुलकर्णी, उप-मु.वि.नि. द्वारा दि. 31/01/2017 को सं-मु.वि.नि., चेन्नई के साथ मंगलोर में त्रैमासिक बैठक में भाग लिया।

30. श्री एस. कंदास्वामी, उप-वि.नि., हैदराबाद ने दि. 15.12.2016 को कोल्लम में राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन पर एक संगोष्ठी में भाग लिया और आतिशबाजी प्रदर्शन के संबंध में हालिया पुटिंगल आतिशबाजी त्रासदी और विस्फोटक नियमों 2008 के प्रावधानों के अनुसार आतिशबाजी प्रदर्शन में पालन किए जाने वाले सुरक्षा उपायों के संबंध में एक व्याख्यान दिया।

31.

30. श्री एस कंदसामी, डीसीई ने

31. श्री एस एम कुलकर्णी, डीसीसीई और श्री एस कंदसामी, डीसीई ने 23.01.2017 को त्रिशूर और पलक्कड़ में आतिशबाजी प्रदर्शन पर सार्वजनिक सुनवाई के दौरान भाग लिया और जेटी द्वारा आयोजित 24.01.2017 सचिव, डीआईपीपी, एमओओ सीसीई नागपुर के साथ वाणिज्य और उद्योग

32. श्री एस कंदसामी, डीएसई ने केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित 21.2.17 को थिरुवनंतपुरम में केरल के सभी जिलों के डीएम, एडीएम, एसपी और डीएपी के लिए "विस्फोटक लाइसेंसिंग पर कार्यशाला" पर एक व्याख्यान दिया।

33. श्री एस एम कुलकर्णी, डीसीसीई, एस। कंदसामी, डीसीई, अमितकुमार डीसीई, सीजे जोसेफ, सहायक और एम। पी। गौगथान, एलडीसी ने पुटिंगिंग देवी मंदिर परिसर, परापुर, कोल्लम में आतिशबाजी प्रदर्शन दुर्घटना स्थल का दौरा किया और 30/05/2016 से 04/06/2016 तक जांच रिपोर्ट तैयार करने में विभिन्न क्षमताओं में जांच समिति की सहायता की।

34. श्री एस एम कुलकर्णी, डीसीसीई, ए.के. मेहता, सीई, एस। कंदसामी, डीसीई, सीजे जोसेफ, सहायक और एम पी सगाथन, एलडीसी ने अपनी आधिकारिक क्षमता में भाग लिया, श्री शैलेंद्र सिंह की अध्यक्षता में त्रिशूर के कलेक्टर में आयोजित पारंपरिक आतिशबाजी प्रदर्शन के बारे में सार्वजनिक सुनवाई, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में उद्योग सचिव, उद्योग भवन, नई दिल्ली 23 / 01/2017 जिला प्रशासन त्रिशूर के तत्वावधान में जो एस / एसआरटीएनएसयूयू, सीसीई, नागपुर, सीके अन्नाथकृष्णन, एडीएम, त्रिशूर, के। सुदेश, डीसीसीई (शिवकासी) ने भी भाग लिया था। बैठक में करीब 150 लोगों ने हिस्सा लिया था जो मुख्य रूप से केरल के उत्तरी भाग में स्थित विभिन्न मंदिरों / चर्च उत्सव समितियों के प्रतिनिधि थे।

35. श्री ए.के. मेहता, सीई साइट आपातकालीन योजना (ईआरडीएमपी), बीपीसीएल की क्रॉस कंट्री पाइपलाइन - त्रिपुनीतुरा, इरिम्पानाम में कोच्चि रिफाइनरी पर 20/12/2016 को एक नकली ड्रिल में उपस्थित हुए - "परिदृश्य - 24 पर रिसाव" मैसर्स नाफ्टा पाइपलाइन "

36. श्री जी कुमारस्वामी, सीई ने माननीय जेएमएफसी न्यायालय, शिवांगंगाई, तमिलनाडु में 20.03.2017 को पूलंगरीसी पीएस के संबंध में सबूत प्रदान करने के लिए भाग लिया। Cr.No.9 / 2009।

37. श्री जी कुमारस्वामी, सीई और श्री रेमेसन पोला, यूडीसी मंगलौर ने 27.07.2016 को डीटीएस, गोंडखेरी में लेखा, बजट और पीएफएमएस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

38. 22.03.2017 को, श्री ए.एस. क्षीरसागर, डीईसीई और श्री गोबिंदाराम एन, डीईसीई ने मैसर्स द्वारा आयोजित "आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना" के तहत साइट मॉक ड्रिल में भाग लिया। आईओसीएल ने उनके मैंगलोर टर्मिनल में 22.03.2017 को

39. श्री गोविंदमम, एन, डीईसीई ने मैक फायर ड्रिल में "ऑन-साइट आपदा प्रबंधन योजना" के अंतर्गत मेसर्स द्वारा आयोजित किया। एचपीसीएल ने 22.03.2017 को मैंगलोर में एलपीजी आयात सुविधा में

40. श्री ए.एस. क्षीरसागर, डीईसीई और श्री गोबिंदाराम एन, डीईसीई ने मैसर्स द्वारा आयोजित ऑफ-साइट मॉक ड्रिल में भाग लिया। एचपीसीएल ने अपनी एमएचएमबी एलपीजी पाइपलाइन, मैंगलोर डिस्पैच स्टेशन पर 24.03.2017 को।

41. उच्च विस्फोटक के शॉर्ट फायरर्स के लिए सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम 21.03.2017 को सीई कार्यालय, वेल्लोर में आयोजित किया गया था।

42. आतिशबाजी पर एक जिला स्तर जागरूकता कार्यक्रम 22.10.2016 को कलेक्टर ऑफिस, वेल्लोर में आयोजित किया गया

वेस्ट सर्कल, मुंबई

बैठकों

1. श्री टी.ओ. सासी, जेटी सी.सी.ई. मुंबई ने नए उपक्रम के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26/04/2016 को 'आतिशबाजी निर्माण' पर एक व्याख्यान दिया। डीटीएस, नागपुर में विस्फोटकों के मुख्य नियंत्रक द्वारा विस्फोटक नियंत्रक

2. श्री बी। बासाक, सीई ने एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया, डीआरडीओ द्वारा सीएफईएस, दिल्ली में 25/04/2016 से 29/04/2016 तक 'हमले की सुरक्षा में' विस्फोटक सुरक्षा।

3. श्री ए.के. यादव, सीई बड़ौदा और श्री बी। बासाक, सीई ने 26 मई 2016 से 28 मई 2016 के दौरान परीक्षण स्टेशन, गोंडख्खी, नागपुर में क्षमता निर्माण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

4. श्री एस.के. शुक्ला, डी.एस.सी.ई., मुंबई और श्री विनोद कुमार, उपाध्याय ने 23/06/2016 से 25/06/2016 तक परीक्षण स्टेशन, गोंडख्खी, नागपुर में क्षमता निर्माण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

5. श्री पी। सेनीराज, सीई। एनजीटी द्वारा पारित आदेश की समीक्षा के संबंध में 12/07/2016 को महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुंबई में एक बैठक में भाग लिया

6. श्री पी। सेनीराज, सीई। जिला मजिस्ट्रेट, ठाणे में एक बैठक में भाग लेते थे और स्टेटमेंट को 30/07/2016 को दे दिया गया था, जब मैसर्स में हुई दुर्घटना के संबंध में जिला मजिस्ट्रेट, ठाणे द्वारा तैयार की गई जांच समिति से पहले प्रोएस एंटरप्राइजेज

7. श्री एस.के. शुक्ला, डीएसी.सी.ई. ओ / ओ में एक आधिकारिक मामलों की चर्चा पर एक बैठक में भाग लिया सी.सी.ई., नागपुर, 31/08/2016

8. श्री पी। सेनीराज, सीई। ने कोर कमेटी की बैठक में ओ / ओ में भाग लिया दिनांक 03/08/2016 से 05/08/2016 तक की अवधि के दौरान डीवाय सी.सी.ई., शिवकाशी

हिंदी वीक का आयोजन, सीटीसीई, मुंबई के कार्यालय में 14/09/2016 से 20/09/2016 तक किया गया था। श्री ए पटनी, प्रिंसिपल, ट्रेनिंग कॉलेज पंजाब नेशनल बैंक, मुंबई को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया है। हिंदी वीक को विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता, प्रश्नावली और हिंदी अनुवाद, रंगोली और गायन प्रतियोगिताओं आदि के साथ मनाया गया है। इस कार्यालय के सभी अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को हिंदी वीक में भाग लिया गया। हिंदी सप्ताह के समापन समारोह के लिए प्रसिद्ध कवि श्री प्रकाश पापलू को आमंत्रित किया गया था।

10. श्री विनोद कुमार, जेटी सीसीई ने 23/09/2017 को मुंबई सर्कल कार्यालय का प्रभार और श्री एस.के. शुक्ला, जेटी सी.सी.ई. को राहत मिली थी।

11. श्री पी। सेनीराज, सीई। ने कोर कमेटी की बैठक में भाग लिया। डीवाईसीसीसीई, शिवकाशी 01/09/2016 से 02/09/2016 की अवधि के दौरान

12. श्री विनोद कुमार, सीटीसीसीए, मुंबई ने तकनीकी सलाहकार समिति के गठन के संबंध में डीजीएफएएसएलआई, सायन, मुंबई में 07/10/2016 को एक बैठक में भाग लिया।

13. श्री विनोद कुमार, जेटीसीसीसीसीई, मुंबई ने 26/10/2016 को मुंबई में विशेषज्ञों की एक समिति के गठन के संबंध में एक बैठक में भाग लिया, जिनके लिए प्राकृतिक गैस ईंधन वाले जहाजों और एलएनजी बंकरिंग की सुरक्षा के लिए तकनीकी मानकों पर दिशानिर्देशों की सिफारिश की गई।

14. सतर्कता जागरूकता सप्ताह ओ / ओ में मनाया गया था जेटी सी.सी.ई., मुंबई, 31/10/2016 से 05/11/2016 तक। डॉ एस जे मूर्ति, जोड़ें सीजीएचएस, निदेशक, मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था और सतर्कता के बारे में जागरूकता के बारे में बताया था।

15. श्री विनोद कुमार, जेटी सी.सी.ई. और श्री पी। सेनीराज, सीई। ने सार्वजनिक स्थानों पर आग पटाखारों के उपयोग के लिए नीति को अंतिम रूप देने के लिए 05/12/2016 को एक बैठक में भाग लिया, जिसमें महानिदेशक आयुक्त, ग्रेटर मुंबई के चैम्बर में एनजीटी द्वारा दिए गए फैसले के संदर्भ में।

16. श्री विनोद कुमार, जेटी सी.सी.ई., मुंबई ने फायरवर्क्स की दुकानों के लिए विस्फोटक नियम 2008 के संशोधन के संबंध में 19/12/2016 को नागपुर में एक बैठक में भाग लिया।

17. श्री पी। सेनीराज, सीई। उनके कार्यालय में डीजी शिपिंग, मुंबई द्वारा आयोजित एक बैठक में भाग लिया।

18. डॉ। योगेश खरे, उपाध्यक्ष, सीईसी, मुंबई ने 25/12/2017 को मुंबई पोर्ट ट्रस्ट पर बीट्यूमेन से निपटने के संबंध में एक बैठक में भाग लिया।

19. श्री बसुदेव बसाक, सीई, मुंबई ने माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के कार्यान्वयन के संबंध में सहायक आयुक्त, बी-डिवीजन, नगर निगम भवन, क्रॉस लेन, मुंबई के कार्यालय में 08/02/2017 को एक बैठक में भाग लिया। आतिशबाजी की बिक्री और स्टोर के संबंध में 2015 की पीआईएल संख्या 152 के संबंध में।

20. श्री पी। सेनीराज, सीई को ओ.ओ.ई. सीईसी, शिवकाशी को 06/02/2017 से 07/04/2017 तक उस कार्यालय के प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने तमिलनाडु के विरुधनगर जिला जिला प्राधिकरण द्वारा शिवकाशी में आयोजित आतिशबाजी उद्योगों के कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

सेमिनार

1. श्री बी। बासाक, सीई ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। डीआरडीओ द्वारा सीएफईएस, दिल्ली द्वारा 25/04/2016 से 29/04/2016 तक आयोजित 'एम्मोनीशन डिपो में विस्फोटक सुरक्षा'

2. श्री एस.के. शुक्ला, डी.सी.सी.ई. 21/07/16 से 22/07/2016 तक जयपुर में एक सेमिनार "पेट्रोसाइफ 2016" में भाग लिया।

3. श्री संजय कुमार, सीई, सीआईसी, दिल्ली के साथ एक बैठक 08/07/2016 को हुई।

4. श्री विनोद कुमार, डी.सी.सी.ई. 21/07/16 से 22/07/2016 तक जयपुर में एक सेमिनार "पेट्रोसाइफ 2016" में भाग लिया।

5. श्री बसुदेव बसाक, सीई। जयपुर में 21/07/16 से 22/07/2016 तक एक सेमिनार "पेट्रोसाइफ 2016" में भाग लिया।

6. श्री ए.के. यादव, सीई ने बड़ौदा में 26/07/2016 को नरकस पर हिंदी की बैठक में हिस्सा लिया।

7. श्री संदीप कुमार, डी.सी.ई. 27/07/2016 को पीएफएमएस बजट और व्यय पर प्रशिक्षण दिया

8. श्री आर पिपलानी, डीवाईसीसीई द्वारा गिलब्रद्वेन रसायन की सुरक्षा पर पंडारा, वडोदरा में एक सेमिनार में भाग लिया और 10/3/2017 को एमआईएएच स्थापना पर एक व्याख्यान दिया।

9. श्री आर। पीपलानी, ज्ञान शेयरिंग पर डीवाईसीसीई और आईआरएससी, नई दिल्ली द्वारा 08/03/2017 को आयोजित किए गए सुरक्षा प्रबंधन और एमएएसएचसी नियमों 1 9 8 9 पर एक बातचीत के दौरान एक सेमिनार में भाग लिया। 3.) डीवाईसीसीई द्वारा एक सेमिनार पर ध्यान दिया 04/03/2017 को वागोदिया, वडोदरा में अपोलो टायर्स लिमिटेड में सुरक्षा और एमएच इंस्टॉलेशन और एमएसआईएचसी नियम 1989 के बारे में बात की।

व्याख्यान

1. श्री टी.ओ. सासी, जेटी सी.सी.ई. मुंबई ने नए उपक्रम के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26/04/2016 को 'आतिशबाजी निर्माण' पर एक व्याख्यान दिया। डीटीएस, नागपुर में विस्फोटकों के मुख्य नियंत्रक द्वारा विस्फोटक नियंत्रक

2. 31/05/2016 को मुंबई कार्यालय में एक त्रैमासिक बैठक आयोजित की गई थी। शुरुआत में, श्री टी.ओ. सासी, संयुक्त सीईसीई मुंबई ने सभी अधिकारियों का स्वागत किया, जो उप-सर्कल कार्यालय, वडोदरा और वर्धा से आए थे। उन्होंने मासिक रिटर्न, तिमाही रिपोर्ट, दुर्घटना की जांच रिपोर्ट, पुलिस प्रदर्शन मामलों, आतिशबाजी / विस्फोटक और अन्य वित्तीय मामलों के विनाश की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने एमएसआईएचसी नियमों के तहत कवर परिसर की निरीक्षण की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने उप-सर्कल प्रमुखों को सलाह दी कि वे बड़े प्रतिष्ठानों और विस्फोटक निर्माण परिसर का निरीक्षण करने के लिए सभी कनिष्ठ अधिकारी ले जाएं। उन्होंने आगे किसी भी देरी के बिना निरीक्षण के बाद दंड कार्रवाई शुरू करने की सलाह दी। श्री विनोद कुमार, उपाध्यक्ष, सीईसीई, वडोदरा ने अपने कार्यालय भवन बिजली के बिल और रोजाना मजदूरी के लिए खर्च के भुगतान के लिए किराए का भुगतान स्पष्ट किया है।

3. 01/03/2017 को मैसर्स पर एक वार्ता वितरित की गई सुश्री। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड पिपलाइनेंस डिवीजन राजकोट और 08-03-2017 को एक और चर्चा श्री संदीप कुमार डीसीई द्वारा वडोदरा में मेसर्स एसईआरएससी दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशाला में।

प्रशिक्षण में शामिल

1. श्री ए.के. यादव, सीई बड़ौदा ने 26 मई 2016 से 28 मई 2016 तक परीक्षण स्टेशन, गोंडखिरी, नागपुर में क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

2. श्री बी। बसक, सीई ने 26 मई 2016 से 28 मई 2016 तक परीक्षण स्टेशन गोंडखिरी, नागपुर में क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

3. श्री एस.के. शुक्ला, डीवाई। सीसीई, मुंबई ने 23/06/2016 से 25/06/2016 तक परीक्षण स्टेशन, गोंडखिरी, नागपुर में क्षमता निर्माण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

4. श्री विनोद कुमार, डीवाय सीसीई, बड़ौदा ने 23/06/2016 से 25/06/2016 तक परीक्षण स्टेशन, गोंडखिरी, नागपुर में क्षमता निर्माण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

ईस्ट सर्कल, कोलकाता

मुलाकात:

1. श्री एम.के. झला, जे.टी. सीसीई, ईसी, कोलकाता और श्री आर एन। मीना, डीईसीसीसीई ने 24.10.2016 को नाबाणा (राज्य प्रशासनिक मुख्यालय), हावड़ा में फिक्की के सदस्यों और डब्ल्यूबी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।

2. श्री आर एन मीणा, उप। सीईसी ने ओ / ओ में एक बैठक में भाग लिया सीसीई, नागपुर 30. 9 .2017

3. श्री आर एन। मेना, डीई सी सी ई ने मेसर्स द्वारा आयोजित विस्फोटक पर एक सम्मेलन में भाग लिया 5.7.2016 को गेटवे होटल, कोलकाता में आईओसीएल, आईबीपी प्रभाग

4. श्री। सुभसीस रे, सीई ने परादीप रिफाइनरी से पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात के लिए विकसित 02/07/2016 को दक्षिणी तेल जेटी के निरीक्षण और कमीशन के संबंध में परादीप बंदरगाह, आईओसीएल और ईआईएल के अधिकारियों के साथ मुलाकात की।
5. श्री। ए.के. मीना सीई और एस। नितिन शिवाजी शेते दियेसी ने आतिशबाजी के व्यापारियों और उपाध्यक्ष के साथ बैठक में भाग लिया। ताला पीएससी के तहत सोनार तारी के उत्तर विभाग क्षेत्र कोलकाता में पुलिस आयुक्त 21.10.2016 को बाज़ी बाजार समिति के गठन के लिए आगामी कली पूजा और दीवाली महोत्सव 2016 के लिए बाजी बाजार समिति के गठन के संबंध में
6. श्री। ए.के. मीना सीई ने 20.10.2016 को पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, कोलकाटा के सभागार में बाजी बाजार के संबंध में एक समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया।
7. श्री। ए.के. मीना सीई और एस। नितिन शिवाजी शेते डिएक्सई ने 5.12.2016 को सरकार के प्रमुख सचिव द्वारा आयोजित नाबान्ना में अग्नि पटाखा निर्माण के लाइसेंस के लिए विस्तृत नीति संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने के संबंध में एक संयुक्त बैठक में भाग लिया। पश्चिम बंगाल के
8. डि.एस.सी.ई.सी., रांची ने डीसी रामगढ़ के साथ 5.10.16 में जब्त आतिशबाजी के बारे में बैठक की।
9. श्री एम.के. झला, संयुक्त सीईसीई, ईसी, कोलकाता ने 19.12.2016 को ओ / ओ में बैठक की। सीएसई, नागपुर, फास्फेट की दुकानों और संरक्षित कार्यों के बीच सुरक्षा दूरी के संबंध में विस्फोटक, 2008 के संशोधन के संबंध में।
10. उपाध्यक्ष, रांची ने 9.3.17 को डीएनसी, हजारीबाग के साथ राम नवमी महोत्सव के साथ बैठक में भाग लिया।
11. तिमाही बैठक में सीई रांची ने 31.5.16 को ओ / ओ में भाग लिया था। Jt.CCE, चुनाव आयोग, कोलकाता।
12. प्रशासनिक मामलों के संबंध में वीडियो सम्मेलन 18.11.2016 को सीईई, नागपुर और पीईएसओ के अन्य मंडल कार्यालयों के साथ आयोजित किया गया
13. रक्षा समिति और प्रशासनिक मामलों के संबंध में वीडियो सम्मेलन 15.3.17 को सीसीई, नागपुर और पीईएसओ के अन्य मंडल कार्यालयों के साथ आयोजित किया गया था।
14. वीडियो सम्मेलन 29.3.17 को सीसीई, नागपुर और अन्य सर्किल कार्यालयों के साथ एनपीसी द्वारा आयोजित पीईएसओ में पुनर्चना और जनशक्ति मूल्यांकन अध्ययन के लिए किया गया था।
15. स्वच्छ भारत मिशन 2016 को 3.10.2016 को मनाया गया
16. क्यूमी एकता सप्ताह (राष्ट्रीय एकता सप्ताह) को 19 से 25 नवंबर, 2016 और ध्वज दिवस 25 नवंबर 2016 को मनाया गया।
17. डॉ. बी.आर. की जन्मगांठ के अवसर पर संविधान दिवस। 25 नवंबर 2016 को अम्बेडकर को मनाया गया।

18. श्री वी.के. मिश्रा, उपाध्यक्ष, सीईसी ने उपाध्यक्ष के साथ बैठक में हिस्सा लिया, जिला। 16.12.2016 को आतिशबाजी पर होजई, असम

18. गुवाहाटी कार्यालय ने पेट्रोलियम नियम 2002 की सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जेटीसीसीई, ईसी, कोलकाता की उपस्थिति में 06.05.2016 को पेट्रोलियम नियम 2002 के अधीन टैंक लॉरी फैब्रिकेटर और सक्षम व्यक्तियों के साथ बैठक की।

व्याख्यान: -

1. श्री आर एन। मीना, डीईसीईसी ने पेट्रोलियम नियमों पर 2002 में एक व्याख्यान दिया था, जो मैसर्स द्वारा आयोजित एक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया गया था। आईओसीएल, कोलकाता 15.6.2016 को यह कार्यक्रम मुख्य रूप से प्रमुख प्रतिष्ठानों की समग्र सुरक्षा सहित पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण, हैंडलिंग, उपयोग और परिवहन के संदर्भ में सुरक्षा पर आधारित था। लगभग 30 वरिष्ठ आईओसीएल अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

2. श्री आर एन। मीना, डीईसीईसी ने 28.1.201.2017 को गैस सिलेंडर नियम 2016 और एसएमपीवी (यू) नियम 2016 को राजापुर में मैसर्स इको गैस प्राइवेट के अधिकारियों को व्याख्यान दिया। हावड़ा जिले में लिमिटेड

3. श्री आर.एन. मीणा, डीईसीईसी ने 09.03.2017 को गैस सिलेंडर नियम 2016 और एसएमपीवी (यू) नियम 2016 को मैसर्स प्रॉक्सैर गैस परबंगल, जिले के अधिकारियों के लिए व्याख्यान दिया। दक्षिण 24 पैरागांव

सेमिनार, कार्यशाला

1. 03.9.2016 को एक कार्यशाला ओ / ओ द्वारा आयोजित किया गया था। सीसीई कोलकाता, मैसूर आईओसीएल, कोलकाता के साथ आईओसीएल, कोलकाता के सम्मेलन हॉल में पेट्रोलियम परिसर के सुरक्षा पहलुओं के साथ-साथ प्रमुख पेट्रोलियम प्रतिष्ठानों और पेट्रोलियम सेवा स्टेशनों के समन्वय के साथ समन्वय। श्री आर एन द्वारा एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया। पेट्रोलियम नियमों, 2002 की सांविधिक आवश्यकता के अनुसार पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण, परिवहन, हैंडलिंग और उपयोग पर मीना, उपा. सीईई। कार्यक्रम के दौरान लगभग 80 प्रतिनिधि उपस्थित थे।

2. 08/01/2016 को एक कार्यशाला ओ / ओ द्वारा आयोजित किया गया था। सीसीई कोलकाता में मैसर्स बीपीसीएल, कोलकाता के साथ एलपीजी प्रतिष्ठानों के प्रमुख खतरनाक परिसर के सुरक्षा पहलुओं पर विशेष जोर देने वाले गैस सिलिंडर नियमों और एसएमपीवी (यू) नियमों के वैधानिक आवश्यकता पर समन्वय। श्री आर एन द्वारा एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया। गैस सिलिंडर नियमों की वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार एलपीजी भरने, भंडारण, संचालन और उपयोग पर मीना, उपा. सीईई। कार्यक्रम के लगभग 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया

3. 10.9.2016 को एक कार्यशाला ओ / ओ द्वारा आयोजित किया गया था। सीसीई कोलकाता संयुक्त रूप से पेट्रोलियम नियम 2002 के अनुसार प्रमुख पेट्रोलियम प्रतिष्ठानों के सुरक्षा पहलुओं पर एचपीसीएल, दुर्गापुर के साथ मिलकर एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन श्री आर.एन. पेट्रोलियम नियम, 2002 की सांविधिक आवश्यकता के अनुसार

पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण, परिवहन, हैंडलिंग और उपयोग पर मीना, उपा सीईई। कार्यक्रम के लगभग 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

4. ओ / ओ द्वारा आयोजित एक कार्यशाला मेसर्स के साथ समन्वय में सीसीई कोलकाता आईओसीएल 15.10.2016 को आईओसीएल डिपो, पोर्ट ब्लेयर में पेट्रोलियम परिसर में सुरक्षा के पहलुओं पर प्रमुख पेट्रोलियम प्रतिष्ठानों, पेट्रोलियम सर्विस स्टेशनों सहित श्री आर एन द्वारा एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया गया। पेट्रोलियम नियम, 2002 की सांविधिक आवश्यकता के अनुसार पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण, परिवहन, हैंडलिंग और उपयोग पर मीना, उपा सीईई। कार्यक्रम के लगभग 40 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

5. 04.2.2017 को एक कार्यशाला ओ / ओ द्वारा आयोजित किया गया था। सीसीई कोलकाता, एचपीसीएल कोलकाता रीटेल क्षेत्रीय कार्यालय में पेट्रोलियम परिसर में सुरक्षा की आवश्यकता पर मेसर्स एचपीसीएल, कोलकाता के समन्वय के साथ। पेट्रोलियम नियम, 2002 की सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार श्री आर एन मीणा, पेट्रोलियम परिसरों की सुरक्षा आवश्यकताओं के बारे में डीईसीईसी ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। कोलकाता आरओ के अधिकारियों और क्षेत्रीय कार्यालय के लगभग 30 डीलरों ने कार्यशाला में भाग लिया

6. ओ / ओ द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी सीसीई कोलकाता में 04.03.2017 को एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के सुरक्षित हैंडलिंग, परिवहन और उपयोग पर मेसर्स बीपीसीएल कोलकाता एलपीजी डिवीजन के सहयोग से श्री आर एन मीणा, उपाध्यक्ष, सीईसीई ने सुरक्षा आवश्यकताओं और अन्य विभिन्न सुरक्षा मुद्दों पर एक सुरक्षित पावर प्रस्तुति दी जो सुरक्षित हैंडलिंग, परिवहन और एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के इस्तेमाल पर दी गई थी।

7. 25.06.2016 को टाटा स्टील सम्मेलन हॉल में गैस सिलेंडर और प्रेशर पोत पर सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। टाटा स्टील, जिंदल स्टील, वीजा स्टील और अन्य औद्योगिक इकाइयों के सुरक्षा कर्मियों को विस्फोटक के लिए सुसासिस रे नियंत्रक द्वारा गैस सिलेंडर और प्रेशर वेसल सुरक्षा, एसएमपीवी (यू) और गैस सिलेंडर नियमों में चुनौतियां पर व्याख्यान, वीडियो और तकनीकी प्रस्तुतियां Kalinganar। 50 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया

8. विस्फोटक अधिनियम 1884 के तहत सामान्य और दंड प्रावधानों पर व्याख्यान, वीडियो और तकनीकी प्रस्तुतियां और वहां के तहत बनाए गए नियम- अधिक विशेष रूप से पुलिस द्वारा विस्फोटकों की जब्ती सुशासीस रे नियंत्रक विस्फोटक और प्रस्तुतीकरण द्वारा श्री जे। राउत डीई सीई द्वारा श्री जे। राउत डीई सीई द्वारा 17 सितंबर को विशेष कार्य बल, आपराधिक जांच विभाग, अपराध शाखा, भुवनेश्वर के पुलिस अधिकारियों को दिया गया था। भुवनेश्वर में 2016 (शनिवार) श्री अरुण बोथरा, आईजी, आर्थिक अपराध और आपराधिक जांच विभाग, क्राइम ब्रांच, भुवनेश्वर, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यशाला में उपस्थित थे और डॉ। सत्यजीत नायक, आईपीएस, विशेष कार्य बल, आपराधिक जांच विभाग, अपराध शाखा, भुवनेश्वर सम्मान के अतिथि । इस कार्यक्रम में 40 से अधिक अधिकारी उपस्थित थे।

9. विस्फोटक नियम और अमोनियम नाइट्रेट नियमों पर संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन टाट स्टील सम्मेलन हॉल में केंजार जिले में किया गया था। 17 दिसंबर, 2016 को जोडा, केंजार विस्फोटक अधिनियम 1884 के अंतर्गत सामान्य और दंड प्रावधानों पर व्याख्यान, वीडियो और तकनीकी प्रस्तुतियां और वहां के नियम बनाए गए

थे- इनके अंतर्गत सुबसीस रे नियंत्रक के विस्फोटक और ईआरएस / एएनआरएस पर प्रस्तुतीकरण द्वारा दिए गए थे, जो कि मेरा मालिकों, विस्फोटक पत्रिका ओक्यूपीयर, ब्लास्टर्स और केन्द्रार टाटा स्टील कॉन्फ्रेंस हॉल में 17 दिसंबर, 2016 को खान प्रबंधक जोडा, केंद्रार कार्यक्रम में 80 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया

10. मुख्य सचिव श्री ए.पी.पधी की अध्यक्षता में ओडिशा राज्य संकट समूह की बैठक 28.02.2017 को राज्य सचिवालय सम्मेलन हॉल में आयोजित की गई थी। कहा बैठक में विस्फोटक के सुबासीस रे नियंत्रक और विस्फोटकों के श्री जे। राउट डि कंट्रोलर शामिल हुए। रासायनिक आपदाओं / खतरों को कम करने के लिए विभिन्न रासायनिक आपातकालीन तैयारियों और सुझावों पर चर्चाएं दी गईं।

11. आतिशबाज़ी सुरक्षा से संबंधित एक संवेदीकरण कार्यशाला में 16/12/2016 को जिला होजई, असम में उप-सीसीई ने भाग लिया।

प्रकाशन:

30 सितंबर 2016 को नागपुर में विस्फोटकों के मुख्य नियंत्रक और विस्फोटक के मुख्य निदेशक श्री एनटीएसयूहू के मुख्य नियंत्रक डॉ। एस। केमलल द्वारा विस्फोटकों के सुबिसस रे नियंत्रक द्वारा संकलित एक तकनीकी पुस्तक "गैस सिलेंडर और दबाव वेसैल सुरक्षा में चुनौतियां" जारी की गई। इस तकनीकी पुस्तक में रोस्टर के लिए रास्ता तैयार किया जायेगा जो कि स्टेकहोल्डर्स द्वारा स्वयं-विनियमन के द्वारा सुरक्षा नियमों के अनुपालन की सरकार की नीति को सुगम बनाने में मदद करता है, स्वयं ने व्यावसायिक हित से वंचित किए बिना स्वयं को सुरक्षा मानदंडों का पालन करने के लिए जिम्मेदारी डाल दी है।

गैस न्यूज़ में एआईआईजीएमए द्वारा प्रकाशित अमोनिया गैस सुरक्षा, क्वॉर्ज़िनिक गैसों में सुरक्षा और विस्फोटकों के सुबिसस रे नियंत्रक द्वारा लिखित सीएनजी सिलेंडर की सुरक्षा और विश्वसनीयता पर तीन तकनीकी लेख प्रकाशित किए गए थे।

सेंट्रल सर्कल, आगरा

बैठकों

1. श्री। नागपुर में सर्किल प्रमुखों की बैठक में के.सी.एल. सिलावत, उपाध्यक्ष (सीएसीई) (आई / सी) ने 25.05.2016 को आयोजित किया था।

2. आगरा कार्यालय के सभी अधिकारियों और उप मंडल प्रमुखों ने उप-मंडल प्रमुखों की त्रैमासिक बैठक में भाग लिया, जो कि जयंती के कार्यालय में आयोजित किया गया था। 17.06.2016 को विस्फोटक, सीसी, आगरा के मुख्य नियंत्रक

3. श्री। दीपक कुमार, उपाध्यक्ष, देहरादून ने 17.06.2016 को विस्फोटक, सीसी, आगरा के मुख्य नियंत्रक के कार्यालय में आयोजित तिमाही मीटिंग में भाग लिया।

4. महानिदेशक (लेखा परीक्षा केंद्रीय रसीद) श्री अ.ए.ओ. ग्वालियर ने 20.06.2016 से 29.06.2016 के दौरान विस्फोटक, रायपुर के नियंत्रक के कार्यालय की लेखापरीक्षित की।
5. श्री सी.जी. कालम्हे, सीई, रायपुर श्री एन.एन. के साथ मुलाकात की। एकका, आईएएस निदेशक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उप सह संचालक, नई रायपुर दिनांक 03.08.2016 को प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एलपीजी गोदाम के संबंध में।
6. उपाध्यक्ष के कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई थी। 09/09/2016 को डॉ. ए.के. दलाला, सीई की अध्यक्षता में विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, इलाहाबाद सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों ने इसमें भाग लिया
7. स्वच्छ भारत मिशन को विस्फोटक नियंत्रक, देहरादून के कार्यालय में 18.10.2016 को मनाया गया।
8. सतर्कता जागरूकता वीक 31.10.2016 - 05.11.2016 से जेटी सीसीई, आगरा के कार्यालय में मनाया गया।
- 9। जे। चीफ नियंत्रक विस्फोटक, आगरा के कार्यालय के अधिकारियों ने 18.11.2016 को सीसीई, नागपुर के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लिया।
10. महाप्रबंधक के कार्यालय में आयोजित उप-मंडल प्रमुखों की त्रैमासिक बैठक में आगरा कार्यालय और उप-मंडल के सभी अधिकारियों ने भाग लिया। 22.11.2016 को विस्फोटक, सीसी, आगरा के मुख्य नियंत्रक
11. श्री वाजी उद दीन, उप। सीईसी, भोपाल ने 22.11.2016 को ओएमसी में विस्फोटक, सीसी, आगरा के मुख्य नियंत्रक में त्रैमासिक समीक्षा बैठक में भाग लिया।
12. श्री सी जी कालम्हे, सीई, रायपुर में ओ / ओ में आयोजित तिमाही समीक्षा बैठक में भाग लिया जेटली विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, दिनांक 22.11.2016 को आगरा।
13. डॉ डी सी पांडे, सीई, देहरादून ओ / ओ में आयोजित त्रैमासिक समीक्षा बैठक में शामिल हुए जेटली विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, दिनांक 22.11.2016 को आगरा।
4. सांप्रदायिक सद्भावना सप्ताह के दौरान, श्री की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। पी। कुमार, जेटी सीसीसीई, आगरा 25.11.2016 को। आगरा कार्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बैठक में भाग लिया।
15. श्री। पी। कुमार, जेटी सीसीसीई, 19.12.2016 को आयोजित नागपुर में सर्किल हेड्स की बैठक में भाग लिया।
16. श्री सीजी कांबंभे, सीई, रायपुर श्रीमती के साथ मुलाकात की। रिचा शर्मा, सचिव, आईएएस, श्री एन एन। एकका, आईएएस निदेशक खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उप सह संचालक) 11.12.2016 को दिनांक 11.12.2016 को हिमालय भवन, रायपुर में प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के तहत एलपीजी गोदाम के संबंध में तेल कंपनियों के अधिकारी और एलओआई धारक

17. श्री सीजीकालाम्हे, सीई, रायपुर द्वारा दिनांक 11.12.2016 को उपरोक्त बैठक में सहकारी समितियों के लिए एलपीजी गोदाम का लाइसेंस और निर्माण प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में दुर्गम क्षेत्रीय विद्वरक (डीवीके) में एलओपी धारकों को व्याख्यान दिया गया था। प्रति जीसीआर, 2016

18. श्री। अजय सिंह, सीई, आगरा 22.12.2016 को आयकर कार्यालय, आगरा में आयोजित केंद्रीय सरकार कल्याण समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया।

19. दफ्तर के मामलों पर एक बैठक उपमहाद्वीप के कार्यालय में आयोजित की गई थी 20.01.2017 को डॉ। टी। एल। थानुलिंगम, उपा। सीईसी की अध्यक्षता में विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, इलाहाबाद। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों ने इसमें भाग लिया

कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. डॉ। करुणामय पांडे और डॉ। आरकेएस चौहान दोनों, सीई, आगरा ने 26.05.2016 से 28.05.2016 तक विस्फोटकों के मुख्य नियंत्रक कार्यालय द्वारा आयोजित विस्फोटकों के नियंत्रकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।

2. श्री। के.एल. सिलावत, उपा। सीईसीई (आईसी) और डॉ। एमआईजेड अंसारी, सीए, आगरा नागपुर में एसोमो सेफ सेमिनार में 03 / 04.06.2016 को आयोजित हुए।

3. श्री। दीपक कुमार, उपमहाद्वीप, देहरादून 03.06.2016 को आयोजित नागपुर में एक्सो सेफ सेमिनार में उपस्थित थे।

4. 08.06.2016 को विस्फोटकों के नियंत्रक, देहरादून के कार्यालय में "विस्फोटकों के सुरक्षित संचालन" पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री। डी.सी.पांडे, सीई ने इस विषय पर व्याख्यान दिया। श्री। दीपक कुमार, डीईईई ने आरई -13 पर एक शक्ति बिंदु प्रस्तुति प्रदर्शित की। उत्तराखंड राज्य के लाइसेंसधारियों ने कार्यशाला में भाग लिया

5. डॉ। एमआईजेड अंसारी, सीई, आगरा ने 23.06.2016 - 25.06.2016 से नागपुर कार्यालय में आयोजित विस्फोटकों के उप-प्रमुख नियंत्रकों के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।

6. श्री। के.एल. सिलावत, उपा। सीईसीई (आई / सी) और एस। अजय सिंह, सीई, आगरा 21 / 22.07.2016 को आयोजित जयपुर में पेट्रो सेफ प्रोग्राम में भाग लिया।

7. श्री सीजी कांबंभे, सीई, रायपुर में जयपुर में 21 / 22.07.2016 को आयोजित पेट्रो सेफ प्रोग्राम में भाग लिया।

8. श्री डी.सी.पांडे, सीई, देहरादून जयपुर में 21 / 22.07.2016 को आयोजित पेट्रो सेफ प्रोग्राम में भाग लिया

9. श्री राजेंद्र रावत, सीई, भोपाल ने जयपुर में 21 / 22.07.2016 को आयोजित पेट्रो सेफ प्रोग्राम में भाग लिया

10. श्री सी जी कालकम्, नियंत्रक विस्फोटक, रायपुर और एक कर्मचारी सदस्य श्री एम.टी. खाडे, एलडीसी ने दिनांक 27.07.2016 को डीटीएस और प्रशिक्षण संस्थान, गोंडखेरी, नागपुर में आयोजित बजट और पीएफएमएस पर एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

11. 12.11.2016 को, विस्फोटकों के जेटी चाइफ कंट्रोलर, आगरा ने मेसर्स भारत एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड, ललितपुर के परिसर में विस्फोटक, आगरा के उपायुक्त नियंत्रकों को प्रशिक्षित किया।

12. 24.11.2016 को श्री पी.पी. कुमार, जेटी सी.सी.सी. की अध्यक्षता में आगरा के संयुक्त मुख्य नियंत्रक के कार्यालय में एक तकनीकी कार्यशाला आयोजित की गई। श्री। रिलायंस, मुंबई और श्री से प्रशांत शर्मा रिलायंस, लखनऊ से विवेक गुप्ता ने "सुरक्षित और कुशल ईंधन-गैर परिवहन क्षेत्र" पर ऊर्जा बिंदु प्रस्तुति दी। आगरा कार्यालय के सभी अधिकारियों ने कार्यशाला का स्वागत किया।

13. एक तकनीकी कार्यशाला श्री पी.पी. कुमार, जेटी सी.सी.ई. की अध्यक्षता में 25.11.2016 को आगरा के संयुक्त मुख्य नियंत्रक के कार्यालय में आयोजित की गई। एम। मेमनाक्षी एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा, श्री। हेमंत नारंग, जीएम (वर्क्स) ने "सिलेंडर के लिए सिलेंडर की क्षमता की क्षमता" पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। आगरा कार्यालय के सभी अधिकारियों ने कार्यशाला का स्वागत किया।

14. श्री। दीपक कुमार, डीआईसीई ने 13.02.2017 को विस्फोटक नियंत्रक, देहरादून के कार्यालय में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में एसएमपीवी नियमों पर एक शक्ति बिंदु प्रस्तुति प्रदर्शित की

15. 14.02.2017 को, एक तकनीकी कार्यशाला का आयोजन जौ। सीसीई, आगरा के कार्यालय में किया गया था जिसमें श्री। मैसर्स ओमेगा इलेक्ट्रॉनिक स्केल कंपनी लिमिटेड, मुंबई से बुर्जिन एच। आदिमम ने "एलपीजी गोदामों में ज्वलनशील इलेक्ट्रॉनिक वजनी मशीन का उपयोग" पर एक बिजली बिंदु प्रस्तुत किया। जेटी सीसीईई के कार्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया

16. 21.02.2017 को जेटी सीसीईई, आगरा के कार्यालय में एक तकनीकी कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें मेसर्स न्यू सेफ एलपीजी प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एक प्रतिनिधि, मुजफ्फरनगर ने "नियामकों के विनिर्माण के लिए नई सुविधाएं कम पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी दबाव एलपीजी सिलिन्डर्स " जेटी सीसीईई के कार्यालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया।

17. 17.02.2017 को "गैस सिलिंडर नियम 2016" पर विस्फोटक नियंत्रक, देहरादून के कार्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री। डी.सी.पांडी, सीई ने विषय पर चर्चा की और श्री। दीपक कुमार, डीईसीई ने एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति प्रदर्शित की।

18. श्री वाजी उद दीन, उपा। सीईसी, भोपाल और श्री तेजवीर सिंह, उपाध्यक्ष ने मेसर्स भारत ओमान रिफाइनरी, बीना जिला में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। सागर 27.02.2017 एवं डीईसीई ने 27.02.2017 से 01.03.2017 को ओ / ओ जेटी सीसीई, आगरा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण दिया।

19. श्री वाजी उद दीन, उपा। सीईसीई, भोपाल और श्री तेजीवीर सिंह, डीईसीई ने 28.02.2017 को भारत एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड, ललितपुर (यू.पी.) में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

20. श्री एसकेबोल, उप-नियंत्रक विस्फोटक, रायपुर ने 27.02.2017 को भारत ओमान रिफाइनरी लिमिटेड, भारत एक्सप्लोसिव लिमिटेड में 28.02.2017 को प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और दिनांक 01.03.2012 को एसएमपीवी (यू) नियम 2016 पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति दी। 2017 ओ / ओ में विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, रायपुर

21. श्री जी जी घोड़ेश्वर, एमटीएस, रायपुर ने प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर में आयोजित पीएफएमएस के विभिन्न नए मॉड्यूल पर 06.03.2017 से 10.03.2017 को पांच दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

दौरा

1. डॉ। करुणामय पांडे, सीई, आगरा ने कानपुर नगर में 14.07.2016 को पुलिस केस में भाग लिया।

2. 11.11.2016 और 12.11.2016 को 5800 किलोग्राम अनुपयोगी विस्फोटक, मेसर्स भारत एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड, ललितपुर में, जेटी सीसीईई, आगरा के कार्यालय के अधिकारियों की देखरेख में नष्ट हो गए।

3. श्री। पी। कुमार, जेटी सीसीईई और जेटी सीसीईई के कार्यालय के अन्य अधिकारियों ने 12.11.2016 को मैट्स भरत विस्फोटक लिमिटेड, ललितपुर के परिसर में पेड़ लगाए।

4. डा। एम। आई। जे। असांडी, उपा. सी.ई. और डॉ। आर.के.एस. चौहान, सीई, आगरा ने उप महाप्रबंधक के कार्यालय का निरीक्षण किया। विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, भोपाल 20 / 21.01.2017 को

5. श्री। राजेंद्र रावत, सीई, भोपाल ने 20 / 21/01/2017 को विस्फोटकों के नियंत्रक कार्यालय, रायपुर का निरीक्षण किया।

6. श्री। अजय सिंह, सीई, आगरा ने 21.01.2017 को देहरादून में गन पाउडर कारखाने का दौरा किया और निरीक्षण किया

7. व्याख्यान एस.एम.पी.वी. (यू) नियम, 2016 पर ओ / ओ में श्री एस.के.भोले, उप नियंत्रक विस्फोटक, रायपुर द्वारा दिया गया था। सुश्री। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट मंदिर, हुसौद रायपुर दिनांक 27.03.2017

नॉर्थ सर्कल, फ़रीदाबाद

बैठक

1. आधिकारिक काम में राजभाषा के उपयोग की समीक्षा के लिए 20.06.2016, 15.09.2016, 21.12.2016 और 23.03.2017 को तिमाही हिंदी बैठकों का आयोजन किया गया।

2. डॉ संजना शर्मा, उपाध्यक्ष विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, चंडीगढ़ ने 29.11.2016 को मुख्य नियंत्रक विस्फोटक, कार्यालय में कार्यालय कार्यस्थल (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 में यौन उत्पीड़न के तहत "आंतरिक शिकायत समिति" की बैठक आयोजित की और बैठक के कुछ मिनट विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, नागपुर को सौंपे गए

3. डॉ संजना शर्मा, उपाध्यक्ष विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, चंडीगढ़ ने उपाध्यक्ष के कार्यालय की "आंतरिक शिकायत समिति" की बैठक आयोजित की 21.12.2016 को चंडीगढ़ के उप मुख्य नियंत्रक के कार्यालय में "कार्यस्थल पर महिलाओं की यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अंतर्गत विस्फोटक मुख्य नियंत्रक, चंडीगढ़।

4. डा। संजना शर्मा, उपाध्यक्ष विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, चंडीगढ़ ने सरकार के प्रमुख सचिव द्वारा आयोजित बैठकों में भाग लिया। पंजाब, उद्योग विभाग और वाणिज्य विभाग, उद्योग भवन, सेक्टर 17, चंडीगढ़ 02.12.2016, 12.01.2017 और 06.03.2017 को "पाइपलाइन-शहर गैस वितरण की झूठ बोलने के लिए विभिन्न विभागों / संगठनों से मंजूरी / एनओसी देने के लिए प्रक्रिया प्रवाह" (सीजीडी) नेटवर्क / परियोजनाओं और वांछित इनपुट प्रदान करते हैं।

5. डा। संजना शर्मा, उपाध्यक्ष विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक और विस्फोटक नियंत्रक डॉ। विवेक कुमार, चंडीगढ़ में उपमहाद्वीप के कार्यालय में त्रैमासिक बैठक हुई। प्रशासनिक मामलों पर 30.01.2017 को विस्फोटक, उत्तर मंडल, फरीदाबाद के मुख्य नियंत्रक

6. विवेक कुमार, नियंत्रक विस्फोटक, चंडीगढ़ ने उप महाप्रबंधक के कार्यालय में बैठकें कीं। 02.08.2016 से 03.08.2016 तक और 01.09.2016 से 02.09.2016 तक "फायरवर्क्स पर कोर ग्रुप" पर विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, शिवकाशी।

7. श्री गगन अग्रवाल, उपायुक्त विस्फोटक नियंत्रक, चंडीगढ़ के साथ श्री कौशिक बर्मन, यू.डी.सी. इस कार्यालय में नारकस, चंडीगढ़, किसान भवन, सेक्टर 35, चंडीगढ़ द्वारा 21.06.2016 को आयोजित एक हिंदी बैठक में भाग लिया।

8. श्री गगन अग्रवाल, उपाध्यक्ष विस्फोटक नियंत्रक, चंडीगढ़, सीपीडब्ल्यूडी, चंडीगढ़ के साथ मिलकर नए ऑफिस परिसर के संबंध में रेंट रिज़नेबिलिटी सर्टिफिकेट जारी करने के संबंध में और सीपीडब्ल्यूडी, केन्द्रीय सदन, चंडीगढ़ द्वारा 28.11.2016 को इस मामले में एक बैठक में भाग लिया।

9. श्री मनमीत सिंह मन्हास, उप, चंडीगढ़ के नियंत्रक, चंडीगढ़ और श्री कौशिक बर्मन, इस कार्यालय के यूडीसी ने 28.11.2016 को चंडीगढ़ में किसान भवन, सेक्टर 35, चंडीगढ़ में नारकास, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित एक हिंदी बैठक में भाग लिया।

जयपुर बैठक / सम्मेलन

1. भारत में पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) और पेट्रोलियम / गैस इंडस्ट्रीज द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से तकनीकी सहयोग के साथ 21 मई और 22 जुलाई 2016 को जेईसीसी, Sitapura औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर में एक मेगा सम्मेलन "पेट्रोसाइफ-2016" आयोजित किया गया था। । श्री शैलेंद्र सिंह, आईएएस, संयुक्त सचिव, भारत सरकार, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग, न्यूनतम वाणिज्य और उद्योग के उद्घाटन समारोह का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन में विनिर्माण और वितरण के हर स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों के प्रबंधन से संबंधित सभी मुद्दों को समझने के स्तर को बढ़ाने की मांग की गई। तेल उद्योग और संबंधित उद्योगों के 650 से अधिक प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया, जिसमें पारस्परिक ज्ञान के लिए सभी

प्रतिनिधियों को एक अवसर प्रदान किया गया, वैश्विक सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करने और उद्योग के विशेषज्ञों की अगुवाई वाली इंटरैक्टिव सत्रों और पैनल की चर्चाओं के माध्यम से वास्तविक जीवन के मामले के अध्ययनों का परीक्षण करना।

इस पर विस्तार से, विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक डॉ। सुदर्शन कमल, पीईएसओ ने सभा को संबोधित किया और साथ ही सभी मुद्दों को सक्रिय करने की आवश्यकता पर बल दिया। W.r.t. सुरक्षा, हमारे चारों ओर हो रहे सभी तकनीकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए जैसा कि ऊपर बताया गया है, आईओसी, बीपीसीएल, एचपीसीएल, आरआईएल, एजिस ग्रुप, एसएचवी, कुल और कई अन्य सहित निजी और साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न तेल कंपनियों के लगभग 650 प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया और लाभ उठाया। प्रतिनिधि कंट के भाग के रूप में 70 से अधिक अच्छी तरह से शोधित तकनीकी पत्रों के साथ एक संग्रह दिया गया था। हाइड्रोकार्बन उद्योग में नवीनतम तकनीकी रुझानों का प्रदर्शन एक समवर्ती प्रदर्शनी भी आयोजित किया गया था जहां 40 से अधिक प्रदर्शक भाग लिया।

2. विस्फोटक और पाइरेक्लिनिक सेटल कमेटी की बैठक, सीएडी 26 को 02 सितंबर 2016 को ओ / ओ डिप्टी चीफ कंट्रोलर ऑफ एक्सप्लोसिव्स, जयपुर में आयोजित किया गया था। बैठक की अध्यक्षता डॉ। सुदर्शन कमल, मुख्य नियंत्रक विस्फोटक, पीईएसओ और श्रीमती चित्रा गुप्ता, वैज्ञानिक ई और सदस्य सचिव-सीएचडी 26. इस 21 वीं सीडी की बैठक में कच्ची सामग्री उपसमिति, सीएचडी 26: 1, पायरेक्लिनिक उपसमिति, सीएचडी 26: 2, पैकेजिंग उपसमिति, सीएचडी 26: 3, विस्फोटक उपसमिति, सीएचडी 26: 4 का गठन किया गया।

3. एलपीजी सिलिन्डरों के सुरक्षित भंडार पर दो बैठक एलपीजी डीलर्स एसोसिएशन के साथ 08.04.2016 और 12.04.2016 को ओ / ओ डिप्टी चीफ कंट्रोलर ऑफ एक्सप्लोसिव्स, जयपुर में हुईं और अध्यक्ष डॉ। एपी सिंह, डिप्टी चीफ कंट्रोलर ऑफ एक्सप्लोसिव्स, जयपुर ।

प्रशिक्षण

1. श्री। एम.के. झला, उपाध्यक्ष, सीईसीई ने उपाध्यक्ष के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के प्रशिक्षण में भाग लिया। डीसीएस, गोंडखरी, नागपुर में 23/06/2016 से 25/6/2016 तक सीसीई
2. श्री। के.पी.शर्मा, सीई, डीटीएस, गोंडखरी, नागपुर, 27/7/2016 को "अकाउंट बजेट एंड पीएफएमएस" के लिए प्रशिक्षण में भाग लिया।
3. डॉ। बी.एस. सिंह, सीई और डॉ. एसके सिंह, सीई ने डीटीएस, गोंडखरी, नागपुर में 26/5/2016 से 28/5/2016 को नियंत्रकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण दिया।
4. श्री। एम। मनोहर, उपा। सी.सी.ई., एनसी, एफबीडी ने सीएसओआई, विनय मार्ग नई दिल्ली में 7/12/2016 को वेब पोर्टल "आरटीआई ऑनलाइन" पर शेष सार्वजनिक प्राधिकरणों के संरेखण के लिए एक प्रशिक्षण में भाग लिया।
5. डा। महेश कुमार समोटा, डीईसीई ने भारत के गुणवत्ता परिषद द्वारा भारत आवास केन्द्र, लोदी रोड, नई दिल्ली में "अच्छा विनियामक प्रैक्टिस और विनियामक प्रभाव आकलन" पर प्रशिक्षण दिया, जिसमें से राष्ट्रीय व्यापार बोर्ड और स्वीडन के दूतावास के सहयोग से 13/12/2016 से 14/12/2016

चंडीगढ़

1. डॉ। संजना शर्मा, उपायुक्त विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, चंडीगढ़ ने उपाध्यक्ष के लिए एक "क्षमता निर्माण कार्यक्रम" में भाग लिया विस्फोटक मुख्य नियंत्रक के कार्यालय में "विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक", नागपुर w.e.f. 24.06.2016 से 25.06.2016
2. डॉ संजना शर्मा, उपाध्यक्ष विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक, चंडीगढ़ ने आईटीएम, नई दिल्ली में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर 18 वीं -19 अगस्त, 2016 को दो दिन की कार्यशाला की।
3. श्री गगन अग्रवाल, उपाध्यक्ष विस्फोटक नियंत्रक और श्री मनमीत सिंह मन्हास, उप निदेशक विस्फोटकों के नियंत्रक, चंडीगढ़ ने नए भर्ती उपायुक्त के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक द्वारा आयोजित विस्फोटक नियंत्रक, 25.04.2016 से 10.05.2016 तक नागपुर।
4. श्री दीपक, एलडीसी और श्री आशीष दहिया, एलडीसी ने सहायक निर्देशक, हिंदी, राजभाषा विभाग, सेक्टर 9, केन्द्रीय सदन, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित हिंदी टाइपिंग की सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया और पूरा किया।

सेमिनार

1. श्री। आर पी सिंह, जेटी सीसीसीई, एनसी, फरीदाबाद, 3-4 / 6/2016 पर नागपुर के होटल ले-मेरिडियन में डॉ। एसकेएस, सीई राष्ट्रीय सेमिनार के साथ एक्सप्लओएसएफई 2016 में उपस्थित हुए।
2. श्री। आर पी पी सिंह सिंह, सीटीसीई ने सीसीई द्वारा निर्देशित 23/6/2016 को एक कार्यक्रम में भाग लिया, जिसमें डॉ। एसकेएस, सीई के साथ "एसएनजी पर दो व्हीलर्स चलाने के लिए देश में पायलट कार्यक्रम लॉन्च करने" के बारे में श्री। धर्मेन्द्र प्रधान प्रधान मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पी एंड एनजी, श्री प्रकाश जावडेकर, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन और श्रीमती मीनाक्षी लेखी, माननीय एम.पी.
3. श्री। आर पी सिंह, जेटी सीसीसीई, श्री एम.के.जला, डीवाई सीसीई, डा। एस। केसिंग, सीई और डा। ए.पी. सिंह, डी.ई.सी. जयपुर में 21 / 22-7-2016 को पेट्रोसाफे 2016 के संगोष्ठी में शामिल हुए।

दक्षिण अंचल- चेन्नई

विजिट्स:

- 1 श्री सी.शनमुघम, वि.नि., और डा. अनुज कुमार वि.नि., ने चेन्नई में सीवीसीआईडी राज्य पुलिस ड्यूटी की 2014-एंटी सवोटेज जांच प्रतियोगिता 21 से 26 मई 2015 तक पुलिस महानिदेशक द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।

2. श्री एन.टी. साहू, उप-मु.वि.नि.,(का/प्र) दि.19/07/2014 को नेयवेली में माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन, द्वारा आयोजित "माइनफैस्ट 2014" में मुख्य अतिथि के रूप में वेलिडिक्टरी कार्यक्रम को संबोधित किया ।
3. श्री के.सुंदरेसन, उप-मु.वि.नि., ने दि.17/07/2014 को नेयवेली में माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन, (तमिलनाडु अध्याय) द्वारा आयोजित "माइनफैस्ट 2014" में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।
4. श्री टी.एन.वैद्यनाथ, अतिरिक्त जीएम(सर्तकता और सुरक्षा), दि. 31/10/2014 को बीएचईएल ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यनिष्ठा, भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचार से कैसे बचे विषय को व्याख्यतित करने के लिए निमंत्रित किया ।
5. श्री के.सुंदरेसन, उप-मु.वि.नि., को चाइना से अवैद्य रूप से आयात आतिशबाजी के जब्त किये नमूने का परिक्षण करने के लिए चेन्नई कार्यालय से दिनांक 04/02/2015 को कस्टम द्वारा बुलाया गया।

बैठकें:

- 1- श्री एन.टी.साहू, उप-मु.वि.नि.,(का/प्र)प्रशासन, ने चेन्नई के संयुक्त मु.वि.नि.के कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारी सदस्यों के साथ"सफाई की शपथ"के सफाई कार्यक्रम में भाग लिया।
- 2-मु.वि.नि. की अध्यक्षता के अधीन हुई चेन्नई बंदरगाह के उप-संरक्षक और टीईएल के प्रतिनिधि के साथ वीलोरे सुआ विस्फोटक, होजर, कलेश्वरी विस्फोटकों के 'विस्फोटकों के आयात' विषय पर चेन्नई बंदरगाह पर बैठक की ।
1. श्री जी.कुमारस्वामी, वि.नि.और श्री के.वी.सुरेश कुमार, सहायक, ने दि.23/05/2014 को मंगलौर में, कॉर्पोरेशन बैंक मुख्यालय, की न.रा.का.स. की 56वी अर्धवार्षिक बैठक में भाग लिया।
- 4 श्रीमती ए.खालवडेकर, उप-मु.वि.नि.,ने बेंगलोर में आतिशबाजी की दुकान/भण्डारगृह/मैगजीन के अनुज्ञप्ति धारकों के साथ दिनांक 13/10/2014 को दिवाली के त्यौहार के लिए आतिशबाजी रखने और बिक्री करने,प्रदर्शनी अनधिकृत रूप से खरीदी एवं बेची गई आतिशबाजी विशेषकर उच्चतम न्यायालय द्वारा ध्वनि संबंधित निर्देशित आतिशबाजी की विशेष सुरक्षा से संबंधित बैठक आयोजित की ।
- 5 डॉ.आर.के.एस.चौहान, उप-मु.वि.नि.,ने दि.16/10/2014 को आतिशबाजी की दुकानों के साथ पूर्व-दिवाली निरिक्षण के लिए अनुज्ञप्ति धारकों के लिए देवनागरी में बैठक

आयोजित की। लाइसेंस में सुरक्षित तरीके से आतिशबाजी रखने तथा उनकी बिक्री करने, अनधिकृत आतिशबाजी पर प्रतिबंध इत्यादि का उल्लेख था।

- 6 श्री सत्यनारायण, स्टेनॉ-3 ने दि.16/12/2014 को कॉर्पोरेशन बैंक मुख्यालय, मंगलौर में अर्धवार्षिक न.रा.का.स. बैठक में भाग लिया। उसी दिन रमेश पोला, उ.श्रे.लि. एवं श्री कृष्ण कांत कुमार नि.श्रे.लि. ने कॉर्पोरेशन बैंक मुख्यालय, मंगलौर में टीओएलआइसी द्वारा आयोजित 'अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद' कार्यशाला में भाग लिया।
- 7 उप-मु.वि.नि., द्वारा हैदराबाद में 11/04/2014 और 12/04/2014 को विस्फोटक और अमोनियम नाइट्रेट विनिर्माण के पुनरीक्षण के लिए बैठक की।
- 8 श्री जीके पाण्डेय, वि.नि., ने बीपीसीएल अधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ दि.24/09/2014 को चेरलापल्ली बॉटलिंग प्लांट, में बैठक की।
- 9 श्री के एस रॉव, उप-वि.नि., ने दि.11/10/2014 को पुलिस के उप-आयुक्त, उत्तरी जोन, हैदराबाद, द्वारा आयोजित आतिशबाजी संबंधित बैठक में भाग लिया।

11 श्री वी.के. मिश्रा, उप-मु.वि.नि., हैदराबाद, दि.18/10/2014 को पुलिस के उप-आयुक्त, पूर्वी जोन, में आतिशबाजी संबंधित बैठक में भाग लिया।

12 श्री वी.के. मिश्रा, उप-मु.वि.नि., हैदराबाद, दि.20/10/2014 पुलिस आयुक्त के साथ, हैदराबाद आतिशबाजी संबंधित और अस्थायी आतिशबाजी दुकानों की उप-आयुक्त, उत्तरी और पश्चिमी जोन, के साथ बैठक में भाग लिया।

व्याख्यान -

1. श्री पी.के. राणा वि.नि., ने दि.12/09/2014 को मेसर्स इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, के विमानन ईंधन स्टेशन, चेन्नई में व्याख्यान दिया।
2. श्री के. सुंदरेसन, उप-मु.वि.नि., ने मु.वि.नि., नागपुर में दि.16/10/2014 से 18/10/2014 तक रिफ्रेशर कार्यक्रम में भाग लिया।

3. श्री जी.कुमारस्वामी, वि.नि., ने दि.18/09/2014 को खनन विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सुरतकल द्वारा तकनीकी एक्सचेंज कार्यक्रम के रॉक ब्लासटिंग में व्याख्यान दिया ।
4. श्री वी.के. मिश्रा, उप-मु.वि.नि., हैदराबाद, के एनएडी विशाखापटनम में "भंडारण और सिविल विस्फोटकों की हैंडलिंग" में व्याख्यान दिया।
5. श्री वी. के. मिश्रा, उप-मु.वि.नि., ने दि.03/01/2015 को ऑइल कम्पनी के अधिकारियों को हैदराबाद में "पेट्रोलियम नियम" पर व्याख्यान दिया और एनडीएमए की बैठक में भाग लिया।

कार्यशालाएं / सेमिनार

1. श्री वी. के. मिश्रा, उप-मु.वि.नि., ने दि.31/10/2014 को एआइजीएमए द्वारा आयोजित गैस सिलेंडर नियम पर हैदराबाद में "सिलेंडरों के उपयोग तथा सिलेंडरों के निपटान के सुरक्षा पहलु" पर कार्यशाला में व्याख्यान दिया ।
2. श्री एन.टी.साहू, उप-मु.वि.नि.(का/प्र), ने दि.09/11/2014 को हैदराबाद में उप-मु.वि.नि.,सिकंदराबाद, द्वारा आयोजित" आतिशबाजी दुकानों की सुरक्षा/एलपीजी भंडारण शेड" कार्यशाला को संबोधित किया।
3. श्री एन.टी.साहू, उप-मु.वि.नि.(का/प्र), ने दि. 19/11/2014 को "आतिशबाजी और बारूद के विनिर्माण के सुरक्षा पहलु" केरला राज्य के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त आतिशबाजी/बारूद विनिर्माण कारखाने में उप-मु.वि.नि. द्वारा आयोजित कोचिन्न के जिला कलेक्टर, के लिए श्रीसुर में कार्यशाला को संबोधित किया ।
4. मेसर्स इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन लिमिटेड,एर्णाकुलम संयुक्त उप-मु.वि.नि. के साथ आयोजित कार्यशाला दि.27/02/2015 को श्री एन.टी.साहू, उप-मु.वि.नि. ने संबोधित किया । एर्णाकुलम की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनीओं के एलपीजी डीलरों को जीसीआर 2004 के अधीन आने वाले नियमों एवं विनियमों को लागू करने के प्रति जागरूकता बढ़ाना था ।
5. श्री एन.टी.साहू, उप-मु.वि.नि., ने दि.14/03/2015 को पेसो, नागपुर में 'उच्च दाब के पर्यायी ईंधन के भंडारण और परिवहन के लिए के लाइट वेहट् सोलुशन' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
6. श्री अरुण क्षीरसागर, उप-वि.नि., और श्री कृष्ण कांत कुमार,नि.श्रे.लि.,ने दि.27/02/2015 को मेसर्स एमआरपीएल ने अपने रिफाइनरी परिसर में राजभाषा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

7. पेसो, हैदराबाद, दि.09/11/2014 द्वारा एलपीजी वितरकों और आतिशबाजी डीलरों के लिए संयुक्त रूप से "रसोई गैस भंडारण शेड और आतिशबाजी की दुकानों के निर्माण के लिए सांविधिक आवश्यकताएं"विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। उप-मु.वि.नि., हैदराबाद, अधिकारियों ने व्याख्यान दिया।
8. नई फोरमैन प्रमाण पत्र पेसो द्वारा जारी धारकों के लिए प्रेरणा प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से एक आवधिक अंतराल में इस कार्यालय द्वारा आयोजित किया जाता है।

अतिरिक्त गतिविधियां

1. दि.12/09/2014 से 18/09/2014 तक कार्यालय परिसर में हिंदी सप्ताह मनाया गया। कर्मचारी सदस्यों के लिये प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विजेता को नकद इनाम राशी बांटी गई। हिंदी कार्यशाला को दि.16/09/2014 को आयोजित किया गया तथा श्री एन.टी.साहू, उप-मु.वि.नि.(का/प्र), ने समारोह की अध्यक्षता की एवं भाषण दिया।
2. उप-मु.वि.नि. हैदराबाद, ने मु.वि.नि. और स. वि.नि. ने दि.27/06/2014 को तटीपका में गेल पाइपलाइन की दुर्घटना की जांच के लिए सहायता प्रदान की ।
3. दि.27/10/2014 से 01/11/2014 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह को इस कार्यालय में मनाया गया। उदघाटन समारोह पर श्री एन.टी.साहू, उप-मु.वि.नि.(का/प्र), ने पारदर्शिता और ई-गवर्नेंस पर जोर दिया एवं भ्रष्टाचार से लड़ने के बारे में विस्तार से बताया, तथा दि. 30/10/2014 को पुलिस अधिकक्षक, श्रीमती रूपा आईपीएस को भ्रष्टाचार विरोधी भाषण देने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया ।
4. दि. 19/11/2014 त्रीसुर में जिला मजिस्ट्रेट के अधीन आतिशबाजी और बारूद के विनिर्माण के अनुज्ञप्ति धारकों के लिए आतिशबाजी और बारूद के सुरक्षित विनिर्माण के लिये कार्यशाला आयोजित की गई। श्री टी.ओ. शशी, उप-मु.वि.नि., कोचिन्न, ने व्याख्यान दिया एवं श्री टी. आर. थोमस, मु.वि.नि., कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे, श्री एन.टी.साहू, उप-मु.वि.नि.(का/प्र), ने भी चेन्नई में कार्यशाला में भाग लिया।
5. श्री ए.बी. तमगडे, वि.नि., ने दि. 19/12/2014 को सरकारी गेस्ट हाउस, कोचिन्न में आरटीआई पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया, आइएमजी, केरला तथा डीओपीटी, नई दिल्ली ने संयुक्त रूप से कार्यशाला का आयोजन किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में केरला और तमिलनाडु के मुख्य सूचना आयुक्त को बुलाया गया ।
6. उप-मु.वि.नि., कोचिन्न, दि. 21/01/2015, 22/01/2015, 23/01/2015 तक कलीकट, त्रीसुर और कोल्लम में एलपीजी के डीलरों के लिये " एलपीजी सिलेंडरों की सुरक्षित

हैंडलिंग" विषय पर पेसो के अधिकारियों द्वारा व्याख्यायित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में एक साथ 300 डीलरों ने भाग लिया।

7. उप-मु.वि.नि., कोचिन्न,दि. 27/02/2015 को कोचिन्न में संयुक्त तेल कंपनीओं के साथ "एलपीजी सिलेंडरों की सुरक्षित हैंडलिंग" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला एर्णाकुलम, कोटायम और इदुकि के 150 से भी अधिक डीलरों ने भाग लिया।

पश्चिम अंचल, मुंबई

विजिट्स:

- 1 श्री टी. आर. थोमस, मु.वि.नि., ने डॉ संजना शर्मा उप-मु.वि.नि.,वडोदरा, श्री एस.डी. मिश्रा, उप-नि.,वडोदरा, श्री अशेन्द्र सिंह, वि.नि., नागपुर, दि.07/07/2014 को एलपीजी के विनिर्माण के मिश्रण की सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए मेसर्स सुप्रीम उद्योग में साथ में विजिट्स किया।
- 2 डॉ एस. कमल, सं.मु.वि.नि.,नागपुर, ने दि. 18/09/2014 को उप-मु.वि.नि., वडोदरा, के कार्यालय में विजिट्स किया।
- 3 श्री सुजोय सेन सं.मु.वि.नि.,मुम्बई, ने दि.03/11/2014 को उप-मु.वि.नि., वडोदरा, के कार्यालय में विजिट्स किया।

बैठकें:

- 1 श्री टी. आर. थोमस, मु.वि.नि., ने श्री गौतम रॉय,कार्यकारी निदेशक,कोयली रिफाईनरी, के साथ दि. 08/07/2014 को बैठक आयोजित की गई, तथा साथ में डॉ संजना शर्मा उप-मु.वि.नि.,वडोदरा, ने भी बैठक में भाग लिया इसके साथ ही उन्होंने उप-मु.वि.नि., वडोदरा, के कार्यालय में विजिट्स की।
- 2 श्री एस.के.शुक्ला, उप-मु.वि.नि., मुंबई, ने दि. 26/05/2014 को सचिव सदस्यों के चैम्बर, महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड, मुंबई, संविधान संबंधित समिति को मेसर्स सी लार्ड कंटेनर लिमिटेड तथा मेसर्स एजिस लॉगिस्ट्रिक्स का निरीक्षण करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई।

- 3 श्री एस.के.शुक्ला, उप-वि.नि., मुंबई, एवं श्री एके.यादव, वि.नि. ने दि. 29/05/2014 को अति.मुख्य सचिव (गृह), महाराष्ट्र की अध्यक्षता में महाराष्ट्र सरकार द्वारा परिवहन के परिसंकटमय और ज्वलनशील पदार्थ संबंधित हेतु आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 4 श्री एस.के. शुक्ला, उप-मु.वि.नि., मुंबई, ने जून 2014 को मुख्य सचिव (गृह), महाराष्ट्र की अध्यक्षता में महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 5 श्री एस.के. शुक्ला, उप-मु.वि.नि., मुंबई, जून 2014 को प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड, महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 6 श्री एस.के. शुक्ला, उप-मु.वि.नि., मुंबई, जून 2014 में नौसेना आयुध डिपो (एन ए डी) के साथ बैठक की ।
- 7 श्री एस.के. शुक्ला, उप-मु.वि.नि., मुंबई, मुख्य सचिव (गृह), महाराष्ट्र, द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया ।
- 8 श्री ए.के. श्रीवास्तव, वि.नि., एवं श्री अब्दुल मुत्तालिब खान, वि.नि., मुंबई ने दि. 25/07/2014 को प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड, महाराष्ट्र सरकार की बैठक में भाग लिया ।
- 9 श्री ए.के. श्रीवास्तव, वि.नि., मुंबई ने दि. 04/08/2014 को प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड, महाराष्ट्र की बैठक में भाग लिया ।
- 10 डॉ संजना शर्मा उप- मु.वि.नि., वडोदरा, एवं डॉ डी. सी. पांडेय वि.नि., वडोदरा ने पुनश्चर्या कार्यक्रम में दि. 16/10/2014 से 18/10/2014 तक नागपुर, मुख्यालय में भाग लिया ।
- 11 श्री एस.के. शुक्ला, उप-मु.वि.नि., नवी मुंबई, ने नागपुर, में पुनश्चर्या कार्यक्रम में भाग लिया एवं "पेट्रोलियम प्रतिष्ठापन के डिजाइन एवं फायर फाइटिंग" विषय पर व्याख्यान दिया ।
- 12 श्री अब्दुल मुत्तालिब खान, वि.नि., ने दि. 17/10/2014 को गृह सचिव द्वारा बुलाई बैठक में भाग लिया ।
- 13 श्री एस.के. शुक्ला, उप-मु.वि.नि., मुंबई, एवं श्री पी. सीनिरज वि.नि., ने दि. 31/10/2014 से 1/11/2014 तक गोवा में 36वीं अस्थायी अग्नि परामर्शी परिषद बैठक में भाग लिया ।
- 14 श्री एस. सेन. सं.-मु.वि.नि., ने दि. 11/11/2014 को मुंबई, में अधीनस्थ विधान संबंधी समिति बैठक में भाग लिया।
- 15 श्री एस. सेन. सं.-मु.वि.नि., ने दि. 28/11/2014 को मु.वि.नि.नागपुर कार्यालय में आयोजित बैठक में भाग लिया।

- 16 श्री ए.के. श्रीवास्तव, वि.नि., ने लीगल मेट्रोलोजी नियंत्रक के कार्यालय में हुई बैठक में भाग लिया ।
- 17 श्री ए.के.यादव, वि.नि., ने मार्च 2015 को जिला मजिस्ट्रेट, पालघर, के साथ बैठक में भाग लिया।
- 18 डॉ डी.सी. पांडेय, वि.नि., वडोदरा, ने दि.21/05/2014 को वीआईपी गैस्ट हाउस,कृभाको, हजीरा, सुरत, में जिला संकट समूह बैठक में भाग लिया ।
- 19 श्री एस.डी. मिश्रा, उप- वि.नि., ने दि.25/05/2014 को भावनगर में, माननीय न्यायाधीश श्री के. बालकृष्णनन,अध्यक्ष एनएचआरसी,नई दिल्ली, उप-सचिव एनएचआरसी एवं जहाज रीसाइक्लिंग गतिविधियों से संबंधित जुडे अधिकारी के साथ बैठक की ।
- 20 डॉ संजना शर्मा उप-मु.वि.नि., ने दि.23/07/2014 को नगर राजभाषा हिंदी की बैठक में भाग लिया।
- 21 डॉ संजना शर्मा उप-मु.वि.नि., ने दि.07/01/2015 को ट्रांसपोर्ट भवन, दिल्ली में जहाज ब्रेकिंग कोड संबंधित संशोधन बैठक में भाग लिया ।
- 22 उप-मु.वि.नि.,डीटीएस गोंडखैरी, में सहायक संपत्ति प्रबंधक, नागपुर, के कार्यालय में एमएसीपी बैठक में भाग लिया।
- 23 उप-मु.वि.नि., विभागीय परीक्षण केन्द्र, गोंडखैरी, महाराष्ट्र, ने दि. 22/10/2014 को उप-कलेक्टर, भंडारा, के कार्यालय पर दिपावली के दौरान, दुकानों से निकाली गई आतिशबाजी का संयुक्त निरीक्षण करने के लिए बैठक में भाग लिया ।

व्याख्यान

1. श्री सुजोय सेन, सं-मु.वि.नि., ने दि.19/08/2014 को मेसर्स भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड, मुंबई में "सुरक्षा प्रबंध एवं एलपीजी हैंडलिंग- ऑपरेशन में अखिल भारतीय ऑपरेशन शिखर सम्मलेन नेतृत्व" पर एक व्याख्यान दिया ।100 प्रतिभागियों 03 निदेशक अधिकारियों सहित व्याख्यान में भाग लिया गया ।
2. उप-मु.वि.नि.,मुम्बई में आपीएसएचईएम में ओएनजीसी अधिकारियों के लिए दि.10/11/2014 को एक व्याख्यान दिया ।
3. डॉ डी.सी. पांडे, वि.नि., "पेट्रोलियम के सुरक्षा संबंधी एसएमपीवी(यू) नियम, 1981 और गैस सिलेंडर्स नियम," पर मेसर्स कलरटैक्स, सूरत में व्याख्यान दिया ।
4. डॉ डी.सी. पांडे, वि.नि., ने दि. 06/03/2015 को मेसर्स गुलब्रांडसन प्राइवेट लिमिटेड, पदरा, में सुरक्षा के उपर एक व्याख्यान दिया ।

5. डॉ. डी.सी. पांडे, वि.नि., ने दि. 09/03/2015 को मेसर्स जीएसएफसी, वडोदरा में "संस्था द्वारा प्रशासित नियमों और अधिनियमों " पर व्याख्यान दिया ।
6. श्री आर.ए. गुर्जर उप-मु.वि.नि., ने दि. 17/06/2014 को "व्यापारिक विस्फोटको का विनिष्टीकरण, विस्फोटको नियमों और अधिनियमों " पर राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा कॉलेज, नागपुर, के डीटीएस श्री एस.एम. कुलकर्णी, वि.नि., ने विस्फोटकों के परिक्षण पर प्रशिक्षण पर 20 प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया एक व्याख्यान दिया ।
7. श्री आर.ए. गुर्जर उप-मु.वि.नि., डीटीएस ने दि. 08/12/2014 को डीटीएस में, सामग्री प्रबंधन महाविद्यालय, जबलपुर, के 15 अधिकारियों को "वाणिज्यिक विस्फोटको और उसके सुरक्षित हैंडलिंग तकनीक के प्रकार" विषय पर एक व्याख्यान दिया ।
8. श्री एस.एम. कुलकर्णी, वि.नि., ने दि. 08/12/2014 को डीटीएस में, सामग्री प्रबंधन महाविद्यालय, जबलपुर, के 15 अधिकारियों को "वाणिज्यिक विस्फोटको और उसके सुरक्षित हैंडलिंग तकनीक के प्रकार" विषय पर एक व्याख्यान दिया ।

सेमिनार/ कार्यशालाएं

1. श्री सुजोय सेन, सं-मु.वि.नि., ने दि. 14/03/2015 को नागपुर में, "भंडारण के लाइट वेहट्ट सोल्युशन एवं मोटर वाहन ईंधन के परिवहन के लिए उच्च दबाव" पर एक कार्यशाला में भाग लिया ।
2. डॉ. संजना शर्मा, उप-मु.वि.नि., ने दि.22/07/2014 को भावनगर में जहाज रीसाइक्लिंग कोड चुनौतियों को लागू करने और उसे आगे भी बनाए रखना, सम्मेलन में भाग लिया, और जहाज के विनिष्टीकरण की गतिविधियों में संगठन की भूमिका/ जिम्मेदारी पर व्याख्यान दिया ।

अतिरिक्त गतिविधियां

1. डॉ. डी.सी. पांडे, वि.नि., को मु.वि.नि.,के आदेश पर आतिशबाजी कारखाने के निरिक्षण करने के लिए दि. 01/07/2014 से 14/08/2014 तक सिवाकासी पर स्थानांतरित कर दिया गया है ।

- 2 श्री एस.डी.मिश्रा, उप-वि.नि.,वडोदरा, को मु.वि.नि.,के आदेश पर आतिशबाजी कारखाने के निरिक्षण करने के लिए दि. 15/07/2014 से 15/08/2014 तक सिवाकासी पर स्थानांतरित कर दिया गया है ।
- 3 श्री संदीप कुमार, उप-वि.नि ने दि.02/02/2015 से 13/02/15 तक, "नवनियुक्त उप-मु.वि.नि.,के प्रशिक्षण के लिए इंडक्शन कार्यक्रम" में भाग लिया।
- 4 उप-मु.वि.नि.,वडोदरा, के कार्यालय द्वारा हिंदी शपथ कार्यक्रम दि. 11/09/2014 से 17/09/2014 का आयोजन किया गया । मुख्य अतिथी के रूप में श्री विष्णु विराट चतुर्वेदी, पूर्व- अध्यक्ष, हिंदी विभाग, एम.एस. विश्वविद्यालय,वडोदरा, को हिंदी सप्ताह समापन के दिन आमंत्रित किया गया ।
- 5 उप-मु.वि.नि.,वडोदरा, के कार्यालय में दि. 02/10/2014 को स्वच्छ भारत अभियान मनाया गया।सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सफाई की शपथ ली और कार्यालय के परिसर में पुराने रिकार्ड को कार्यालय परिसर से बाहर कर समाप्त किया।
- 6 दि.20/03/2015 को मेसर्स टीक्यू सर्विसेज (टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड का एक प्रभाग) द्वारा आईएसओ:9001-2008 प्रमाणित डीटीएस को मान्यता प्राप्त हुई ।
- 7 उप-मु.वि.नि., विभागीय परीक्षण केन्द्र, गोंडखेरी,महाराष्ट्र, कार्यालय द्वारा दि.12/09/2014 से 27/09/2014 तक सरकारी कामकाज में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हिंदी शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया ।
- 8 उप-मु.वि.नि., विभागीय परीक्षण केन्द्र, गोंडखेरी,नागपुर, महाराष्ट्र, ने दि.02/10/2014 को सभी कर्मचारियों को साफ- सफाई की प्रतिज्ञा दिलाई और कार्यालय परिसर के अंदर और बाहर स्वेच्छा से सफाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 9 उप-मु.वि.नि., विभागीय परीक्षण केन्द्र, गोंडखेरी,नागपुर, महाराष्ट्र, के कार्यालय में दि. 27/10/2014 से 01/11/2014 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।
- 10 मु.वि.नि.,वर्धा, विस्फोटक विनिर्माण के नमूने को बाहर के लिए निर्मित किया गया साथ ही दि.08/11/2014 को मेसर्स सुआ एक्सपोलोजिक्स एंड एक्सेसरीज प्रा. लि. जिला वर्धा, द्वारा सीएफबी बॉक्स का प्रयोग हुआ और साथ ही आवश्यक जाँच करने के लिए डीटीएस गोंडखेरी, में नमूना भेजा गया ।
- 11 दि.08/10/2014, 08/01/2015, 22/11/2013 को मु.वि.नि.,वर्धा, सीडीईटी विस्फोटक उद्योग प्रा. लि. में स्टीफंस एसिड के परिक्षण के विनिर्माण की गवाही के लिए, और सीडीईटी विस्फोटक का प्रयोगशाला में किए गए परिक्षण की आवश्यकता हेतु मु.वि.नि., नागपुर, को रिपोर्ट भेजी गई।

- 12 वि.नि.,वर्धा, विस्फोटक विनिर्माण के नमूने को बाहर के लिए निर्मित किया गया साथ ही दि.14/11/2014 को मेसर्स अरावली एक्सपोलोजिक्स एंड केमिकल तालेगाँव (रधुजी) जिला वर्धा, द्वारा सीएफबी बॉक्स का प्रयोग हुआ और साथ ही आवश्यक जाँच करने के लिए डीटीएस गोंडखेरी, में नमूना भेजा गया ।
- 13 कार्यालय मे दि. 27/10/2014 से 02/11/2014 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।
- 14 मेसर्स रेगेन्सिस इंडस्ट्रीज प्रा. लि., एमआइडीसी, जिला- चंद्रपुर, मेसर्स केलटेक इंडस्ट्रीज लि., एमआइडीसी, जिला- चंद्रपुर, मेसर्स सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लि., वरूर, जिला- चंद्रपुर, मेसर्स इंडियन एक्सपोलोजिक्स लि., एमआइडीसी, जिला- चंद्रपुर, दि.04/12/2014 को मु.वि.नि.,वर्धा, एसएमई (बिना गैस) के नमूने को विनिर्माण के लिए भेजा और साथ ही नमूने को आवश्यक जाँच करने के लिए डीटीएस गोंडखेरी, में भेजा गया ।

15

उत्तरी अंचल, फरीदाबाद

विजिट्स

- 1 डॉ अनुप कुमार, सं-मु.वि.नि.,उत्तरी अंचल, फरीदाबाद, एवं श्री विनोद कुमार, उप-मु.वि.नि., फरीदाबाद, ने दि.25/03/2015 को मु.वि.नि.,चंडीगढ़, के कार्यालय में निरिक्षण के लिए विजिट्स किया ।
- 2 श्री अजय सिंह, वि.नि.,चंडीगढ़, को दि.10/10/2014 और 07/11/2014 को वित्त अधीक्षक-1, चंडीगढ़ प्रशासन, यू.टी. चंडीगढ़, के कार्यालय पर विजिट्स किया ।

बैठकें:

1. पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के आदेश के अनुसार दि.31/01/2014 और 22/03/2014 को सीपीडब्लू संख्या 15171 और 18679, 2010 में गुडगांव और फरीदाबाद में एयर फोर्स स्टेशन के आसपास प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध निर्माण संबंधित कैबिनेट सचिवालय ने अतिरिक्त सचिव, शहरी विकास,शहर और देश योजना मंत्रालय संगठन, नई दिल्ली, की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जिसमें डॉ अनुप कुमार सं-मु.वि.नि., उ.

अ., फरीदाबाद, ने भी दि. 23/04/2014, 08/08/2014, 14/08/2014 और 16/10/2014 को बैठक में भाग लिया ।

2. दिनांक 31.03.2014 को नई दिल्ली में दिल्ली की माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी किए गए निर्णय के अनुसार रिट याचिका संख्या (सी) 2079/2014-सीएम एपीपीएल 4343/2014 अपीलार्थी मेसर्स गुप्ता फायरवर्क्स के श्री बाबूलाल गुप्ता, दिल्ली सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग, नई दिल्ली में मंत्रालय से पहले 02.05.2014 पर व्यक्तिगत रूप से सुनवाई का अवसर दिया गया, संयुक्त सचिव (डीआईपीपी), श्री पीसी श्रीवास्तव, संयुक्त सीसीई, मुख्यालय और डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ., फरीदाबाद, की उपस्थिति में अपने अधिवक्ताओं के साथ अवसर मिला ।
- 3 डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ., फरीदाबाद, एवं डॉ एस. के. सिंह वि.नि., फरीदाबाद, में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, डीआईपीपी, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव के साथ विस्फोटक नियम, 2008 के अधीन अनुज्ञप्ति फीस, उद्योग अनुज्ञप्ति एवं फायरवर्क्स रोड मैप इत्यादि पर दि.08/05/2014, 09/05/2014, 22/05/2014, 25/11/2014 27/11/2014, 15/12/2014 और 07/01/2015 को बैठक में भाग लिया ।
- 4 डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ., फरीदाबाद, ने दि. 08/09/2014 को मु.वि.नि., के साथ नागपुर में मेसर्स एचपीसीएल, उदयपुर, के साथ खुदरा आउटलेट बैठक में भाग लिया ।
- 5 डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ., फरीदाबाद, ने दि. 13/10/2014 को दिल्ली सचिवालय, में सचिव(पर्यावरण) की अध्यक्षता में आगामी दीवाली त्योहार के संबंध में आतिशबाजी विरोधी अभियान की बैठक में भाग लिया ।
- 6 डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ., फरीदाबाद, ने दि. 21/10/2014 पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली, संयुक्त रूप से पेसो के साथ प्राधिकृत दिल्ली एवं एनसीआर के सीएनजी सिलेंडर हाइड्रो परिक्षण केंद्र की बैठक में भाग लिया ।
- 7 डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ., फरीदाबाद, ने दि. 15/12/2014, 08/01/2015, 02/02/2015, 03/03/2015, 10/03/2015 को भारत सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न मंत्रालयों/ विभागों के डिजिटलीकरण संबंधित रणनीति के लिए केबिनेट सचिवालय, प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप, विज्ञान भवन, नई दिल्ली, में आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 8 डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ., फरीदाबाद ने दि. 25/07/2014 और 11/11/2014 को मेसर्स एनएचपीसी लि. सेक्टर-33 फरीदाबाद, में न.रा.का.स के राजभाषा हिंदी के लिए आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 9 डा. अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ., फरीदाबाद ने दि. 28/11/2014 को मु.वि.नि., के साथ अंचल प्रमुख, मुख्यालय, नागपुर में बैठक में भाग लिया ।

- 10 डा. अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ.,फरीदाबाद ने दि. 31/12/2014 को ओआईएसडी, नोएडा, यू.पी. में बैठक में भाग लिया ।
- 11 डॉ एस.के. सिंह, वि.नि.,ने डीआईपीपी के उच्च अधिकारियों के साथ अन्य मंत्रालय के साथ-साथ मु.वि.नि., एवं पेसो के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।
- 12 डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ.,फरीदाबाद ने दि. 01/05/2014 को अंचल प्रमुख में मु.वि.नि., के साथ प्रशासनिक मामलों पर आयोजित वीडियो कान्फ्रेंस में भाग लिया ।
- 13 मेसर्स एनएचपीसी लि.,से.-33 फरीदाबाद में दि. 28/05/2014 को राजभाषा शिल्ड पुरस्कार वितरण में डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ.,फरीदाबाद, डॉ एस.के. सिंह, वि.नि., फरीदाबाद, एवं श्री उमेश प्रसाद, उ.श्रे.लि. ने भाग लिया । सं-मु.वि.नि., उ.अ.,फरीदाबाद के कार्यालय को 2012-13 तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- 14 डॉ अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ.,फरीदाबाद, श्री सी. जी. कलम्भे, वि.नि., उ.अ.,फरीदाबाद, श्री आर.के.मंदलोई, उप-वि.नि., ने दि. 07/11/2014 और 08/11/2014 को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, डीआईपीपी, नई दिल्ली, संयुक्त सचिव के साथ, प्रशासनिक मामलों पर आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 15 डा. अनूप कुमार, सं-मु.वि.नि., उ.अ.,फरीदाबाद ने दि. 23/02/2015 को अग्नि, विस्फोटक, एवं पर्यावरण सुरक्षा केंद्र (CFEES), तिमारपुर, दिल्ली, में स्टेक की भंडारण पैनल की बैठक में भाग लिया ।
- 16 श्री पी.कुमार., उप-मु.वि.नि.,चंडीगढ़, ने दि. 27/11/2014 को किसान भवन,सेक्टर-35, चंडीगढ़, में न.रा.का.स., राजभाषा विभाग, चंडीगढ़,(यूटी) द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया ।
- 17 श्री पी.कुमार., उप-मु.वि.नि.,चंडीगढ़, ने दि.27/01/2015 को अपने कार्यालय में राजभाषा के उपर एक बैठक आयोजित की।
- 18 श्री अजय सिंह, वि.नि., ने दि.10/03/2015 चंडीगढ़, अदालत के सम्मन एसडीजेएम के संदर्भ में थानेदार, मंडी गोबिंदगढ़, अमलोह, फतेहगढ़ साहिब से मुलाकात की।
- 19 श्री पी कुमार, उप-मु.वि.नि.,चंडीगढ़, और श्री अजय सिंह, .वि.नि., चंडीगढ़, ने दि. 19/03/2015 , 24/03/2015, 25/03/2015 को आयकर विभाग, सेक्टर 17, चंडीगढ़, संसदीय समिति की बैठक के बारे में नराकास अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।
- 20 श्री पी कुमार, उप-मु.वि.नि.,चंडीगढ़, और श्री अजय सिंह, .वि.नि., चंडीगढ़, ने दि. 28/03/2015 को संसदीय समिति के साथ बैठक में भाग लिया।
- 21 श्री अजय सिंह, .वि.नि., चंडीगढ़ दि. 12/03/2015 को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, अदालत के मामले के संबंध में चंडीगढ़ में सहायक सॉलिसिटर जनरल, के साथ मुलाकात की।

- 22 श्री अजय सिंह, वि.नि., चंडीगढ़ डीआरआई अधिकारी के साथ लुधियाना में जब्त सिलेंडरों के निपटान के लिए दि. 16/12/2014 और 24/12/2014 को मुलाकात की।
- 23 श्री आर वेणुगोपाल, उप-मु.वि.नि., ने दि. 16/12/2014 को जिला कलेक्टर, जयपुर, की अध्यक्षता में जिला क्राइसिस ग्रुप की बैठक में भाग लिया।
- 24 . श्री आर रावत, वि.नि., जयपुर और श्री उमेश प्रसाद, एलडीसी, ने प्रधान महालेखाकार (लेखा और हक) कार्यालय, राजस्थान, जयपुर, में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केन्द्रीय सरकार कार्यालयों) की त्रैमासिक बैठक में भाग लिया ।

व्याख्यान:

1. श्री मृदुल मनोहर, वि.नि., फरीदाबाद, ने दि.18/12/2014 को "गैस सिलिंडर नियम, 2004 और स्टेटिक और मोबाइल दबाव वेसल्स (यू) नियम, 1981" क्षेत्रीय श्रम संस्थान, फरीदाबाद द्वारा आयोजित जोखिम प्रक्रिया उद्योगों में लगे कर्मियों के लिए सुरक्षा और स्वास्थ्य में सुपरवाइजरी पर एक महीने के सर्टिफिकेट कोर्स कार्यक्रम पर व्याख्यान दिया ।
2. श्री सी.जी. कलंभे , वि.नि., ने दि.21/11/2014 को पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 और पेट्रोलियम नियम, 2002 कारखानों के "रासायनिक सुरक्षा" प्रशिक्षण कार्यक्रम पर क्षेत्रीय श्रम संस्थान, फरीदाबाद द्वारा आयोजित निरीक्षकों के लिए एक व्याख्यान दिया।
3. श्री सी.जी. कलंभे , वि.नि., ने दि.27/11/2014 को "भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 और विस्फोटक नियम, 2008" पर क्षेत्रीय श्रम संस्थान, फरीदाबाद द्वारा आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में औद्योगिक सुरक्षा के पोस्ट डिप्लोमा कोर्स के प्रतिभागियों के लिए एक व्याख्यान दिया ।
4. डॉ बी सिंह, वि.नि., ने दि. 25/11/2014 से 27/11/2014 तक "पर विस्फोटक नियम 2008;, पेट्रोलियम नियम, 2002; एसएमवीपी(यू) नियम 1981 और कैल्शियम कार्बाइड नियम 1987" पर क्षेत्रीय श्रम संस्थान, फरीदाबाद में व्याख्यान दिया ।
5. डॉ एस के सिंह, वि.नि., पेट्रोलियम मैनेजमेंट, इंडियन ऑयल संस्थान गुड़गांव में पेट्रोलियम नियम, 2002 पर व्याख्यान दिया।
6. श्री आर.के. मंदलोई, उप-वि.नि., ने दि. 18/12/2014 को "स्थिर और मोबाइल दबाव वेसल्स (यू) नियम, 1981" पर क्षेत्रीय श्रम संस्थान, फरीदाबाद में एक व्याख्यान दिया।
7. श्री आर.के मंदलोई, उप-वि.नि., ने दि. 25/02/2015 को आईओसी डिपो, ब्रिजवासन, नई दिल्ली में 'जोखिम रसायनों और वैधानिक अनुपालन की परिवहन पाइपलाइन' पर एक व्याख्यान दिया ।

8. श्री आर.के. मंदलोई, उप-वि.नि., ने दि. 30/03/2015 को "पेट्रोलियम नियम, 2002, तेल प्रतिष्ठापन और आपदा प्रबंधन को लागू करना" पर पाइपलाइन कॉन्क्लेव, नई दिल्ली, में, डॉ बी सिंह, सीई, और डॉ एस के सिंह, सीई के साथ एक व्याख्यान दिया ।
9. श्री सी.जी. कलंभे , वि.नि., पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 और पेट्रोलियम नियम, 2002 को एक व्याख्यान कारखाने क्षेत्रीय श्रम संस्थान, फरीदाबाद द्वारा आयोजित निरीक्षकों के लिए पर "रासायनिक सुरक्षा" प्रशिक्षण कार्यक्रम में 21/11/2014 पर दिया।
10. श्री पी. कुमार, उप-मु.वि.नि., चंडीगढ़, ने दि. 30/10/2014 को "ज्ञान प्रबंधन" पर कार्यालय के वर्तमान सदस्य उप-मु.वि.नि., चंडीगढ़, को व्याख्यान दिया।
11. श्री पी. कुमार, उप-मु.वि.नि., चंडीगढ़ ने दि. 28/06/2014 को मेसर्स इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, चंडीगढ़, "आग और विस्फोटक नियंत्रण; कानूनी प्रबंधन " पर अधिकारियों को एक व्याख्यान ।
12. श्री पी. कुमार, उप-मु.वि.नि., चंडीगढ़ ने दि. 12/08/2014 को मेसर्स हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भटिंडा, के अधिकारियों "आग, विस्फोट और खतरनाक उद्योगों में सुरक्षा पर वैधानिक प्रावधानों" पर उप-मु.वि.नि., चंडीगढ़ के कार्यालय में व्याख्यान दिया ।
13. श्री पी. कुमार, उप-मु.वि.नि., चंडीगढ़ ने दि. 28/11/2014 को उप-मु.वि.नि., के कार्यालय में दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी की प्रगति और कार्यान्वयन पर अधिकारियों को व्याख्यान दिया।
14. श्री आर वेणुगोपाल, उप-मु.वि.नि., ने दि. 2015/09/03 को राष्ट्रीय इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, जयपुर में "डिजाइन और अज्वलित दाव वेसल जहाजों की सुरक्षा 'विषय पर एक व्याख्यान दिया।
15. श्री आर. रावत, वि.नि., दि.13/03/2015 को "गैस सिलिंडर नियम, 2004" डीसीएम, कोटा में व्याख्यान दिया और "क्लोरीन सुरक्षा" संगोष्ठी का उद्घाटन किया।
16. श्री डी.वी. सिंह, उप-मु.वि.नि., ने दि. 13/03/2015 को डीसीएम, कोटा में पर "क्लोरीन भंडारण सुरक्षा" पर व्याख्यान दिया।

कार्यशालाएं /संगोष्ठियां/ प्रशिक्षण / अग्निशमन अभ्यास

1. राजभाषा हिंदी कार्यशालाएं को सं.मु.वि.नि., फरीदाबाद, के कार्यालय में आयोजित किया गया ।जिसमें सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के बेहतर इस्तेमाल के लिए इन कार्यशालाओं में भाग लिया।

2. डॉ बी. सिंह, वि.नि., ने दि.30/03/2015 को मेसर्स इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित."सुरक्षा और पाइपलाइनों में सुरक्षा" विषय पर एक संगोष्ठी में भाग लिया।

3. डॉ एस.के. सिंह, वि.नि., नई दिल्ली में एक संगोष्ठी "सेफ्टी सुरक्षा और पेट्रोलियम पाइपलाइनों में पर्यावरण की चुनौतियां।" विषय पर भाग लिया

4. श्री अजय सिंह, वि.नि., चंडीगढ़ ने दि.27/01/2015 को उप-मु.वि.नि., चंडीगढ़ की अध्यक्षता में ऑनलाइन हिंदी रिपोर्ट तैयार करना और कार्यपुस्तिका में हिंदी के डेटा के रखरखाव के बारे में एक कार्यशाला का आयोजन किया।

5. उप-मु.वि.नि., चंडीगढ़ दि.30/04/2014 को राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, श्री संत राम, सं.नि.,ने दैनिक सरकारी कामकाज में हिन्दी के उपयोग के संबंध में अधिकारियों को मार्गदर्शन दिया।

6. उप-मु.वि.नि., जयपुर, ने दि. 07/05/2014 को उप-मु.वि.नि.,जयपुर के कार्यालय में आतिशबाजी विनिर्माताओं के साथ "आतिशबाजी उद्योग में सुरक्षा" पर एक बैठक का आयोजन किया। सभी राजस्थान में आतिशबाजी कारखानों के विनिर्माताओं ने बैठक में भाग लिया।

7.दि. 29/10/2015 को उप-मु.वि.नि., जयपुर, के कार्यालय में भारत ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई थी, जयपुर "पेट्रोलियम प्रतिष्ठापन की सुरक्षा/डिपो/राजस्थान के राज्य में खुदरा दुकानों"पर इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 16 अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। "

मध्यांचल- आगरा

विजिट्स:-

1. सुरक्षा आडिट को मु.वि.नि., के अधिकारियों के आदेश पर विशेष अभियान के रूप में सीएनजी और पेट्रोलियम पाइपलाइनों का निरीक्षण तैनात कि गई विभिन्न टीमों द्वारा किया गया। डॉ ए. के. यादव, उप-मु.वि.नि., और श्री प्रवेश कुमार, उप-वि.नि., डॉ एम.आई.जेड.अंसारी, वि.नि., की एक अन्य टीम और श्रीमती वी.एस. बारदेव, उप-वि.नि., और डॉ करुणामय पांडे, वि.नि., और श्री कुवँरपाल सिंह, उप-वि.नि., की तीसरी टीम। विभिन्न टीमों को सभी सुरक्षा नियमों को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न क्रॉस कंट्री पाइपलाइनों के लिये भेजा गया।

2. दि. 14/01/2015 को मथुरा रिफाइनरी का सुरक्षा ऑडिट डॉ ए.के.यादव, उप-मु.वि.नि., के साथ श्रीमती वी.एस.बारदेव, उप-वि.नि., और श्री कुवँरपाल सिंह, उप-वि.नि.,ने किया।
3. दि. 02/01/2015 को एतमादपुर डिपो का सुरक्षा ऑडिट डॉ ए.के.यादव, उप-मु.वि.नि., के साथ श्रीमती वी.एस.बारदेव, उप-वि.नि., श्री प्रवेश कुमार, उप-वि.नि., और श्री कुवँरपाल सिंह, उप-वि.नि.,ने किया।
4. दि. 21/01/2015 को डॉ ए.के.यादव, उप-मु.वि.नि., के साथ श्रीमती वी.एस.बारदेव, उप-वि.नि., श्री प्रवेश कुमार, उप-वि.नि., और श्री कुवँरपाल सिंह, उप-वि.नि.,ने सलेमपुर में बॉटलिंग संयंत्र की सुरक्षा ऑडिट किया।

बैठकें:

1. श्री कैलाश कुमार, सं.मु.वि.नि.,ने दि. 2014/05/04 को, चुनाव ड्यूटी से संबंधित अधिकारियों और कार्यालय के कर्मचारी सदस्यों, एवं एडीएम(प्रशासन) के साथ आगरा कार्यालय में, बैठक में भाग लिया।
2. श्री कैलाश कुमार, सं.मु.वि.नि.,ने दि. 25/04/2014 को टीओएलआईसी की छमाही बैठक में भाग लिया।
- 3.दि. 20/06/2014 और 21/06/2014 को उप-अंचल प्रमुख द्वारा आयोजित तिमाही बैठक में सभी उप-अंचल प्रमुखों एवं आगरा कार्यालय के सभी अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।
- 4.दि.02/09/2014 को हिंदी त्रैमासिक बैठक को आगरा कार्यालय में आयोजित किया गया ।
5. दि. 15/09/2014 को आगरा कार्यालय में 'हिंदी दिवस' मनाया गया।
6. श्री एम के पांडेय, वि.नि.,ने 16/09/2014 को पेट्रोलियम टैंक ट्रकों से संबंधित परिवहन आयुक्त, लखनऊ, के कार्यालय में एक बैठक में भाग लिया
7. श्री कैलाश कुमार, स.-मु.वि.नि.,ने दि. 26/09/2014 को डॉ ए.के. यादव उप-मु.वि.नि., श्रीमती वी.एस.बारदेव, उप-वि.नि., और श्रीमती श्रावणी गांगुली, क.हिं.अ.ने टीओएलआईसी आगरा की छमाही बैठक में भाग लिया।

8. श्री कैलाश कुमार, स.-मु.वि.नि.,ने दि. 17/10/2014 को मेसर्स ग्रीन गैस लिमिटेड, लखनऊ में प्रबंध निदेशक और सीमित के अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लिया। सीएनजी स्टेशनों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर बैठक में चर्चा की गई।
9. श्री कैलाश कुमार, स.-मु.वि.नि.,ने दि. 18/10/2014 को मेसर्स एचपीसीएल और बीपीसीएल लखनऊ में, अधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लिया। खुदरा दुकानों और आवेदनों की ऑनलाइन जमा की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बैठक में चर्चा कि गई।
10. दि. 21/11/2014 को आगरा कार्यालय में हिंदी की तिमाही बैठक और कार्यशाला आयोजित कि गई । सभी अधिकारियों और स्टाफ के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।
- 11 श्री कैलाश कुमार, स.-मु.वि.नि.,ने दि. 28/11/2014 को नागपुर में आयोजित अंचल प्रमुखों की बैठक में भाग लिया।
31. डॉ एम.आई.जेड. अंसारी, वि.नि.,ने दि. 26/11/2014 को आगरा कार्यालय में पेट्रोलियम अधिनियम 1934 ,पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।
32. दि. 12/12/2014 और 13/12/2014 को उप-अंचल प्रमुखों की तिमाही बैठक आयोजित कि गई । सभी उप-अंचल प्रमुखों और आगरा कार्यालय के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।
33. दि. 16/01/2015 को चौथी हिन्दी त्रैमासिक बैठक/संगोष्ठी आगरा कार्यालय में आयोजित कि गई । सभी अधिकारियों और स्टाफ के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।
34. पेट्रोलियम अधिनियम 1934 और विस्फोटक अधिनियम 1884 के दायरे के अंतर्गत आने वाले एमएएच परिसर (अनुज्ञप्त और अनुमोदित परिसर) कार्यालय के क्षेत्राधिकार का प्राथमिकतानुरूप निरीक्षण किया गया।
35. श्री दीपक कुमार, उप वि.नि.,ने दि. 21/07/2014 को श्रीमती नीता चौधरी, आईएएस, सचिव, राज्य भाषा विभाग, के साथ नराकास, देहरादून द्वारा आयोजित भारतीय सर्वेक्षण, देहरादून, के में "हिन्दी विशेष समीक्षा बैठक" में भाग लिया।
36. मु.वि.नि. के निर्देशों/दिशानिर्देशों के अनुसार बड़ी दुर्घटनाओं जोखिम परिसर (श्रेणी ए, बी और सी परिसर) की पहचान की गई और जोखिम रसायनों का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा आडिट आयोजित किया गया ।
37. श्री एम.जी. तितरे, वि.नि. ने दि. 16/10/2014 से 18/10/2014 तक मु.वि.नि. कार्यालय, नागपुर में 3 दिन के लिए पुनश्चर्या कार्यक्रम (प्रशिक्षण) में भाग लिया ।

38. डॉ ए.पी. सिंह, उप-मु.वि.नि., ने दि. 27/08/2014 को इलाहाबाद आयकर आयुक्त, सिविल लाइंस, इलाहाबाद के कार्यालय में, छमाही हिंदी कार्यान्वयन समिति, में भाग लिया और इस बैठक के दौरान इस कार्यालय को राजभाषा गौरव सम्मान पुरस्कार मिला।

कार्यशालाएं / प्रशिक्षण कार्यक्रम :-

1. श्री कैलाश कुमार, स.-मु.वि.नि., ने दि. 01/05/2014 को सभी अंचल प्रमुखों के साथ मु.वि.नि., नागपुर द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लिया।
2. दि. 16/05/2014 को हिंदी की ऑन लाइन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आगरा कार्यालय में एक कार्यशाला आयोजित कि गई ।
3. श्रीमती वी.एस. बारदेव, उप-वि.नि., श्री प्रवेश कुमार, उप-वि.नि., और श्री कुवँरपाल सिंह, उप-वि.नि., ने दि. 27/01/2015 से 13/02/2015 को नव नियुक्त उप-वि.नि., के लिए नागपुर में, 'इंडक्शन कार्यक्रम' में भाग लिया।
4. दि. 17/09/2014 को सीटीएस / गैर सीटीएस डिमांड ड्राफ्ट से संबंधित आगरा कार्यालय में आयोजित एक कार्यशाला में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सभी अधिकारियों और कर्मचारी सदस्यों ने इस कार्यशाला में भाग लिया ।
5. दि. 03/12/2014 को सीएनजी / पेट्रोलियम पाइपलाइनों से संबंधित आगरा कार्यालय में एक कार्यशाला आयोजित कि गई ।
6. दि. 31/12/2014 को वि.नि., रायपुर, कार्यालय में वर्ष 2014-15 में तीसरी तिमाही हिन्दी कार्यशाला, आयोजित कि गई जिसमें मेसर्स भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर, श्री विकास श्रीवास्तव, क्षेत्र प्रबंधक, को मुख्य अतिथि के रूप में बुलाया गया था।
7. श्री एम.जी. तितरे, रायपुर वि.नि. ने दि. 14/03/2015 को मेसर्स लक्सफर सिलेंडर ने पेसो के साथ तकनीकी सहयोग से "भंडारण और उच्च दबाव वैकल्पिक ईंधन के परिवहन के लिए लाइट वेहट सोल्युशन" नागपुर में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।
8. दि. 30/03/2015 को चौथी त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला कार्यालय में आयोजित कि गई जिसमें मेसर्स एचपीसीएल, रायपुर, श्री सुजीत कुमार राय, एसआरएम (एलपीजी) मुख्य अतिथि थे।
9. श्री एम.के. झाला, उप-मु.वि.नि., ने दि. 13/12/2014 को "सीएनजी प्रणाली में सुरक्षा प्रबंधन" विषय पर सं.मु.वि.नि. आगरा के कार्यालय में एक कार्यशाला में भाग लिया।

अतिरिक्त गतिविधियां

1. दि. 02/10/2014 को स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारियों और कर्मचारी सदस्यों ने साफ-सफाई बनाए रखने के लिए शपथ ली।
2. दि. 27/10/2014 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया । इस अवसर पर सभी अधिकारियों और स्टाफ के सदस्यों ने शपथ ली।

न्यायालय उपस्थिति:

1. डॉ (श्रीमती) आर.आर.गुप्ता, वि.नि., ने सं.मु.वि.नि., आगरा, के दिशानिर्देश के अनुसार रिट याचिका सं. 2013 के 2599 से संबंधित माननीय उच्च न्यायालय, जिला-नैनीताल, (यूके) न्यायालय के केस का निपटान किया ।
2. श्री दीपक कुमार, उप-वि.नि ने सं.मु.वि.नि., और वि.नि., देहरादून आगरा, के दिशानिर्देश के अनुसार रिट याचिका सं. 2015 के 463 से संबंधित माननीय उच्च न्यायालय, जिला-नैनीताल, (यूके) न्यायालय के केस का निपटान किया ।
3. डॉ ए.पी. सिंह, उप-मु.वि.नि., इलाहाबाद, ने दि. 22/08/2014 को ने सीएमआरपी नं 2014 के 28235 से संबंधित न्यायालय के केस का निपटान किया ।
4. डॉ ए.पी. सिंह, उप-मु.वि.नि., इलाहाबाद, ओए नं 2014 के 330/01207 से संबंधित न्यायालय के केस का निपटान किया ।
5. डॉ ए.पी. सिंह, उप-मु.वि.नि., इलाहाबाद, ने दि.20/05/2015 को डब्लुपी न. 2014 के 60155 से संबंधित न्यायालय के केस का निपटान किया ।
6. इस कार्यालय द्वारा स्वामी भारत गैस ग्रामीण वितरक और अन्य बनाम संघ एवं अन्य, 2014 के सीएमआरपी सं.61374 कोर्ट केस का निपटान किया ।
7. श्री एम.जी.तीतरे, वि.नि., ने दि. 16/12/2014 को माननीय न्यायालय, रायपुर तीर्थहल्ली, जिला शिमोगा (राज्य कर्नाटक) को सी.आर.सं.111/2008 पी.एस.तीर्थहल्ली, जिला शिमोगा, जब्त विस्फोटकों की जांच से संबंधित निविदा में भाग लिया था ।
8. श्री एस.के.भोले, उप-वि.नि., ने दि. 28.01.2015 को माननीय न्यायालय, रायपुर, में । ई /एचक्यू /सीजी/20/11 (ई-14619) के दस्तावेज प्रस्तुत करने के संबंध में के साथ पर में भाग लिया।
9. श्री एम.झाला, उप-मु.वि.नि., ने हरि नारायण बनाम सांसद और दूसरे ्राज्य के उच्च न्यायालय के प्रिंसिपल सीट जबलपुर में, के संदर्भ में डब्लू पी सं 7406/2014 में भाग लिया ।

10. श्री एम झाला, उप-मु.वि.नि., ने राजेश कुमार राठोर बनाम आईओसीएल और अन्य, डब्लू पी सं 10938 / 2014 जबलपुर में सांसद प्रिंसिपल सीट के उच्च न्यायालय में भाग ।
11. श्री एम झाला, उप-मु.वि.नि.,ने सुखलाल बनाम बीपीसीएल, सं.मु.वि.नि.,आगरा, व अन्य। सं 117A / 14 के संदर्भ में जबलपुर में सांसद प्रिंसिपल सीट के उच्च न्यायालय में भाग लिया ।
12. श्री एम झाला, उप-मु.वि.नि.,ने शेख शाहिद बनाम सांसद और दूसरे राज्य डब्लू पी सं 7015/2014 जबलपुर में सांसद प्रिंसिपल सीट के उच्च न्यायालय में भाग लिया ।
13. श्री एम झाला, उप-मु.वि.नि.,ने लबचंद बनाम एचपीसीएल, और अन्य डब्लू पी सं.11644 / 13 इंदौर के उच्च न्यायालय में भाग लिया ।
14. श्री एम झाला, उप-मु.वि.नि.,ने धर्मेन्द्र शेखर त्रिपाठी बनाम सांसद और अन्य के संदर्भ में डब्लू पी सं 17004/2014 जबलपुर में प्रिंसिपल सीट के उच्च न्यायालय में भाग लिया ।

पूर्वाचल, कोलकाता

विजिट्स:-

- 1 श्री आर.के. मैन्डोला, सं.मु.वि.नि.,ने दि. 23/06/2014 से 24/06/2014 को मेसर्स आईएल, गोमिया, में उच्च विस्फोटक फैक्टरी की विजिट्स की और विस्फोटक नियम, 2008 के सुरक्षा की आवश्यकता पर एक व्याख्यान दिया।
- 2 श्री आर एन मीणा, उप-मु.वि.नि.,ने दि. 03/06/2014 से 06/06/2014 को, मेसर्स आईएल, गोमिया, में उच्च विस्फोटक फैक्टरी का सुरक्षा ऑडिट किया और "विस्फोटक नियम, 2008 के सुरक्षा की आवश्यकता" पर एक एक व्याख्यान दिया।

3. श्री आर.के. मैन्डोला, सं.मु.वि.नि.,ने दि. 23/06/2014 से 24/06/2014 को निरीक्षण और कार्यालय के कामकाज पर नजर रखने के लिए और कार्यालय प्रशासन से संबंधित मुद्दों की दिनचर्या को स्वीकृति के लिए उप-मु.वि.नि., रांची के कार्यालय में विजिट्स किया।
4. श्री आर.के. मैन्डोला, सं.मु.वि.नि.,ने दि. 06/06/2014 को निरीक्षण और कार्यालय के कामकाज पर नजर रखने के लिए और कार्यालय प्रशासन से संबंधित मुद्दों की दिनचर्या को स्वीकृति के लिए उप-मु.वि.नि., गुवाहाटी के कार्यालय में विजिट्स किया।
5. श्री आर एन मीणा, उप-मु.वि.नि.,ने दि. 27-28/01/2014 को निरीक्षण और कार्यालय के कामकाज पर नजर रखने के लिए और कार्यालय प्रशासन से संबंधित मुद्दों की दिनचर्या को स्वीकृति के लिए उप-मु.वि.नि.,पटना के कार्यालय में विजिट्स किया।
- 6 मु.वि.नि.,के निर्देश के अनुसार, श्री आर.एन. मीणा उप-मु.वि.नि.,ने दि. 16/08/2014 से 05/09/2014 को विशेष अभियान पर सिवाकासी में आतिशबाजी विनिर्माण इकाइयों के निरीक्षण एवं आतिशबाजी निर्माण में सुरक्षित कार्य व्यवहार को करने के लिए विजिट्स किया।
7. मु.वि.नि.,के निर्देश के अनुसार, डॉ आर अली वि.नि., ने दि. 01/07/2014 से 30/08/2014 को विशेष अभियान पर सिवाकासी में आतिशबाजी विनिर्माण इकाइयों के निरीक्षण एवं आतिशबाजी निर्माण में सुरक्षित कार्य व्यवहार को करने के लिए विजिट्स किया।
8. डॉ आर अली, वि.नि.,और श्री संजय कुमार, वि.नि.,ने दि. 19/06/2014 से 20/06/2014 तक मे.ब्लैक डाइमंड एक्सप्लोसिव, एसंसोल एवं एकेएस एक्सप्लोसिव,एसंसोल, द्वारा आयोजित सुरक्षा ऑडिट किया ।
9. श्री बजीउद्दीन, उप-मु.वि.नि.,रांची ने दि. 01/07/2014 से 23/08/2014 तक आतिशबाजी के निरीक्षण के लिए सिवाकासी में विजिट्स किया।
10. क्रॉस कंट्री पाइप लाइनों सहित पाइप लाइन का निरीक्षणको प्राथमिकता के आधार पर किए गए थे। नियमों के अनुसार प्रासंगिक कार्रवाई तुरंत ले जाया गया।
11. दि.09.12.2014 को कोलकाता में, बजबज से जेटी प्वाइंट के प्रतिस्थापन में आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल, एसके ऑइल, एवं एचओएसडी का सं.मु.वि.नि.,के कार्यालय के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया, नियमों के अनुसार प्रासंगिक कार्रवाई के लिये तुरंत ले जाया गया।

12. दि.18/10/2014 से 22/10/2014 को शहीद मीनार, बेहाला, किशोर भारती स्टेडियम और ताला पार्क सर्कस मैदान के 4 बजी बाजार में पुलिस उप-आयुक्त, कोलकाता, के साथ कार्यालय के अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण का आयोजन किया।

बैठकें:

1. श्री आर एन मीणा ने दि. 24/6/2014 को कोलकाता में, मेसर्स आईबीपी (आईओसीएल) द्वारा आयोजित "विस्फोटक कॉन्क्लेव" बैठक में भाग लिया।
2. श्री संजय कुमार, वि.नि., ने श्री एस. कंडासामी, उप-वि.नि. ने दि. 27/8/2014 को पुलिस आयुक्त, कोलकाता के साथ त्योहार के मौसम के दौरान आतिशबाजी की दुकानों के लिए अस्थायी अनुज्ञप्ति जारी करने के संबंध में एक बैठक भाग लिया।
3. श्री संजय कुमार ने दि.29/08/2014 को केन्द्र सरकार की समन्वय समिति की बैठक में भाग लिया।
4. श्री आर.के. मैन्डोला, सं.मु.वि.नि.,ने दि. 25/11/2014 को मु.वि.नि.,नागपुर और पेसो के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सचिव डीआईपीपी, न्यू साथ एक बैठक में भाग लिया।
5. श्री आर एन मीणा, उप-मु.वि.नि.,ने दि. 30/12/2014 को 34 ए, निर्मल चंद्र स्ट्रीट, सम्मेलन कक्ष, कोलकाता में आईओसीएल कार्यालय, में आरजीजीएलवी के चयन के लिए एक लकी ड्रा कार्यक्रम में भाग लिया।
6. डॉ आर अली बजी एवं श्री संजय कुमार वि.नि., ने दि. 20/10/2014 को संयुक्त पुलिस आयुक्त के साथ कोलकाता में विभिन्न खुले मैदान में स्थित बाजार का संयुक्त निरीक्षण किया।
7. दि. 2014/10/04 को सं.मु.वि.नि., कोलकाता कार्यालय द्वारा आयोजित उप-अंचल के कार्यालयों की बैठक की गई। सभी उप मण्डल और पूर्वी अंचल के अधिकारियों के मुख्यों ने बैठक में भाग लिया। दिनचर्या कार्यालय प्रशासन से संबंधित मुद्दों पर बैठक में चर्चा रही।
8. दि. 23/03/2015 से 27/03/2015 को सं.मु.वि.नि., कोलकाता, कार्यालय में पूर्वी अंचल के विभिन्न नियमों के तहत सक्षम व्यक्तियों को अपने कार्य की मॉनिटोरिंग करने के लिए बैठकों को आयोजित किया गया।
9. श्री संजय कुमार, वि.नि. ने दि. 20/02/2015 को उप के साथ बैठक में भाग लिया। आयुक्त एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, पोर्ट ब्लेयर "विस्फोटक नियम के प्रावधानों के तहत भूमिका और जिला प्राधिकरण के उत्तरदायित्व, 2008" के बारे में पर।

10. श्री संजय कुमार, वि.नि. ने दि. 21/02/2015 को " पेट्रोलियम नियम, 2002, विस्फोटक नियम, 2008 और गैस सिलेंडर नियम, 2004 के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षा पहलुओं" पर उप आयुक्त एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, पोर्ट ब्लेयर, एवं अन्य के साथ कार्यशाला में भाग लिया मैं भाग लिया।

11. श्री संजय कुमार, वि.नि. ने दि. 24/02/2015 को विस्फोटक नियम, 2008 और पेट्रोलियम नियम, 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत अनुज्ञप्ति जारी करने की प्रक्रिया के संबंध में उप आयुक्त दक्षिण अंडमान, उप आयुक्त, निकोबार, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, पोर्ट ब्लेयर, के साथ बैठक में भाग लिया।

12. श्री आर.के.मीणा, वि.नि., एवं श्री एम. लोहर, आशुलिपिक, ने दि. 13/03/2015 को कोलकाता नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केन्द्रीय कार्यालयों) की बैठक में भाग लिया।

13. श्री के.पी.शर्मा, वि.नि., गुवाहाटी, ने दि. 19.12.2014 को जिला स्तर की ऑफ साइट ईआरडीएमपी, की बैठक में भाग लिया एवं दि. 24/12/2014 को गुवाहाटी रिफाइनरी, गुवाहाटी में आयोजित ऑफ साइट इमरजेंसी मॉक ड्रिल में भाग लिया।

14. श्री के पी शर्मा, वि.नि., गुवाहाटी, ने दि. 13/02/2015 को पेट्रोलियम नियम, 2002 पर निरीक्षण एवं सुरक्षा पहलुओं सहित मेसर्स गुवाहाटी रिफाइनरी में, कार्यशाला में भाग लिया। व्याख्यान श्री आर.एन.मीणा, उप-मु.वि.नि., चुनाव आयोग, कोलकाता द्वारा दिया गया था।

15. डॉ ए.के.दलेला, वि.नि., रांची, ने दि. 26/03 / 2015 से 28/03/2015 को लालकृष्ण दलेला, वि.नि., रांची, ने 9 पुलिस मामले की जांच करने के लिए और विस्फोटकों नियमों के अंतर्गत विस्फोटकों और नियम के सुरक्षित हैंडलिंग, 2008 के बारे में पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण के संबंध में पुलिस अधिकक्षक पाकुड़ (झारखंड) के साथ जिले पाकुड़ (झारखंड) के विभिन्न थाने में पुलिस मामले की बैठक में भाग लिया ।

व्याख्यान:

1. श्री आर.के. मैन्डोला, सं.मु.वि.नि., ने दि. 04/08/2014 को मेसर्स आईओसीएल, कोलकाता, सं.मु.वि.नि., कोलकाता के सहयोग द्वारा आयोजित जीसीआर, 2004 और एसएमवीपी(यू) नियम, 1981 पर एक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम हे, पर एक व्याख्यान दिया और श्री आर.एन. मीणा, उप-मु.वि.नि., ने भी कार्यक्रम में व्याख्यान दिया । मेसर्स आईओसीएल के पूर्वी क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया था।

2. श्री आर.के. मैन्डोला, सं.मु.वि.नि.,ने दि., और श्री संजय कुमार, वि.नि., ने दि. 15/10/2014 को सर्वसामान्य जनता के लिए आतिशबाजी सुरक्षा पर आकाशवाणी पर अपना व्याख्यान दर्ज कराया।
3. श्री आर.के. मैन्डोला, सं.मु.वि.नि.,ने दि. 05/12/2014 पर डिगबोई रिफाइनरी, असम में "पेट्रोलियम प्रतिष्ठान में वैधानिक प्रावधानों, रिफाइनरियों" पर कागज प्रस्तुत किया।
4. श्री आर.के. मैन्डोला, सं.मु.वि.नि.,ने दि. 2014/07/06 को गुवाहाटी रिफाइनरी पर विजिट्स किया और मेसर्स इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, गुवाहाटी रिफाइनरी पर अधिकारियों को पेट्रोलियम नियम, गैस सिलेंडर नियम, एसएमवीपी(यू) नियमों पर एक व्याख्यान दिया। ।
5. श्री आर.एन.मीणा, उप-मु.वि.नि.,ने दि. 30/05/2014 को मेसर्स डिगबोई रिफाइनरी के अधिकारियों के लिए "पर पेट्रोलियम नियम, गैस सिलेंडर नियम और एसएमवीपी(यू) नियमों की वैधानिक आवश्यकता पर एक व्याख्यान दिया ।
6. श्री आर.एन.मीणा,ने दि. 2014/03/06 को गोमिया में उच्च विस्फोटक फैक्टरी के अधिकारियों को विस्फोटक नियम की सुरक्षा की आवश्यकता, 2008 पर एक व्याख्यान दिया।
7. श्री आर.एन.मीणा, उप-मु.वि.नि.,ने दि. 19/01/2015 को सं.मु.वि.नि., कोलकाता के कार्यालय में नव नियुक्त उप नियंत्रकों के लिए क्षमता निर्माण का विकास पर "विस्फोटक नियम 2008" पर एक प्रस्तुति दी।
8. श्री आर.एन.मीणा, उप-मु.वि.नि.,ने दि. 13/12/2014 को संयुक्त रूप से पेसो, कोलकाता एवं डीएम बांकुरा द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विस्फोटक नियम, 2008 और अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012 की सांविधिक आवश्यकताओं पर वितरित पावर प्वाइंट पर प्रस्तुति दी।
9. श्री आर.एन. मीणा, उप-मु.वि.नि.,ने दि. 05/02/2015 को संयुक्त रूप से पेसो, कोलकाता एवं डीएम बीरभूम द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विस्फोटक नियम, 2008 और अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012 की सांविधिक आवश्यकताओं पर एक प्रस्तुति दी ।
10. श्री आर.एन. मीणा, उप-मु.वि.नि.,ने दि.13 / 02/2015 को गुवाहाटी रिफाइनरी द्वारा आयोजित कार्यशाला सुरक्षा में "पेट्रोलियम नियम, 2002 की सांविधिक आवश्यकताओं पर" और "पेट्रोलियम प्रतिष्ठान के लिए सुरक्षा और अनुपालन" पर एक प्रस्तुति दि।

11. श्री आर.एन. मीणा, उप-मु.वि.नि., ने दि.को 24/03/2015 को मेसर्स इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, कोलकाता द्वारा आयोजित "एएलडीएस की सुरक्षा आवश्यकताओं" पर सं.मु.वि.नि., कोलकाता के सहयोग से एक प्रस्तुति दिया।

12. श्री आर.एन. मीणा, उप-मु.वि.नि., ने दि. 2015/02/19 को मेसर्स भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बॉटलिंग प्लांट रायगंज में "जीसीआर और एसएमवीपी नियम एलपीजी बॉटलिंग प्लांट पर सांविधिक आवश्यकताओं" पर एक प्रस्तुति दिया।

13. श्री संजय कुमार के साथ डॉ आर.अली, वि.नि., ने दि. 20/10/2014 को संयुक्त पुलिस आयुक्त के साथ कोलकाता में विभिन्न खुले मैदान में स्थित बजी बाजार का संयुक्त निरीक्षण किया।

14. डॉ आर अली, ने दि. 21/01/2015 को सं.मु.वि.नि., कोलकाता के कार्यालय में नव नियुक्त उप नियंत्रकों के लिए क्षमता निर्माण का विकास पर "विस्फोटक नियम 2008" पर एक प्रस्तुति दी।

15. उप-मु.वि.नि., रांची, कार्यालय, द्वारा अप्रैल 2014 को आयोजित ऑनलाइन जनरेशन आर्डर - 13 के लिए एक सेमिनार किया। श्री एस.के. दोके मु.वि.नि., ने सीसीएल के अधिकारियों/कर्मचारियों को विस्तृत प्रस्तुति दी है।

16. श्री सुभाषिशरे, वि.नि., ने दि. 19/05/2014 को एलएनजेएन राष्ट्रीय संस्थान और फॉरेंसिक साइंस, दिल्ली में पुलिस अधिकारियों और विस्फोटक और विस्फोट धमाका जांच विषय पर 3 पाठ्यक्रम के अन्य प्रतिभागियों के लिए "विस्फोटक अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और विस्फोटक नियम से सुसंगत जांच के लिए प्रासंगिक विस्फोटक नियम" पर एक प्रस्तुति दी।

17. श्री सुभाषिशरे, वि.नि., ने दि. 31/07/2014 को पर "जीसी नियम और पेट्रोलियम नियम के अंतर्गत कानूनी प्रावधानों" तालचर थर्मल पावर स्टेशन, तालचर में एक प्रस्तुति दी।

18. श्री सुभाषिशरे, वि.नि., ने दि. 2014/02/12 को टाटा खदान सम्मेलन, जाजपुर में, जाजपुर खान प्रबंधक, ब्लास्टर्स और जाजपुर जिले के विभिन्न खानों के ओवर मैनों को " विस्फोटक अधिनियम 1884 और विस्फोटक नियम 2008 के अंतर्गत जब्त विस्फोटक और दंडात्मक प्रावधान के उपयोग से संबंधित विनियमों" पर एक प्रस्तुति दी।

19. श्री सुभाषिशरे, वि.नि.,ने दि. 27/03/2015 को आईओसीएल एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, बालासोर में "एलपीजी टैंकर सड़क में सांविधिक आवश्यकताओं" पर एक प्रस्तुति दी ।

20. श्री सुभाषिशरे, वि.नि.,ने दि. 27/03/2015 को आईओसीएल एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, बालासोर में "दुर्घटना और दंड प्रावधान" पर एक प्रस्तुति को दिया।

अध्याय 8

सेवाओं में अनुसूचित जातियों /जन-जातियों/अन्य पिछड़ी जातियों/ सेवानिवृत्त तथा शारिरिक रूप से विकलांग-व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व

1. अनुसूचित जातियों /जन-जातियों/अन्य पिछड़ी जातियों का प्रतिनिधित्व :

संगठन में उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक के श्रेणी के एक संपर्क अधिकारी के अधीन, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों का सेल कार्य करता है । संगठन के अंचल कार्यालयों में भी इसी प्रकार के सेल कार्यरत है ।

अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों का सेल न केवल पदों के अनारक्षण (डिजिजर्वेशन) संबंधित प्रस्तावों पर देख-रेख करता है, वरन अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों की श्रेणियों के कर्मचारियों के सेवा-मामलों के संबंध में उठने वाली शिकायतों पर भी गौर करता है, तथा उनकी शिकायतों/समस्याओं को दूर करने में उपयुक्त उपचारात्मक कार्यवाही भी करता है ।

संगठन, समय-समय पर अपने नियंत्रण के अधीन प्रशासनिक अनुभागों तथा नियुक्ति करने वाले प्राधिकारियों को अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए सेवाओं में आरक्षण हेतु निर्देशों के उचित कार्यान्वयन हेतु निर्देश देता है ।

संगठन में तथा उसके अधीनस्थ कार्यालयों में ग्रुप 'ए', 'बी' , 'सी' और , 'डी' पदों में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों की संख्या का विश्लेषित विवरण, निम्नानुसार है:-

क्रमांक	पदो की श्रेणी	अनुसूचित जातियों के व्यक्तियों की संख्या	अनुसूचित जन-जातियों के व्यक्तियों की संख्या	अन्य पिछड़ों जातियों के व्यक्तियों की संख्या
1	ग्रुप 'ए'	21	08	29
2	ग्रुप 'बी'	14	04	07
3	ग्रुप 'सी'	66	28	80
4	ग्रुप 'डी'	18	07	07

सेवा में शारिरिक रूप से विकलांगों का प्रतिनिधित्व :-

शारिरिक रूप से विकलांगों के लिए आरक्षण आदेशों पर प्रभावशाली ढंग से अमल करने को आश्वासित करने हेतु संगठन प्रयासरत है । संगठन ने शारिरिक रूप से विकलांगों द्वारा भरे जाने हेतु 'ए', 'बी', 'सी' तथा 'डी' के कुछ पदों को निर्धारित किया है ।

संगठन तथा उसके अधीनस्थ कार्यालयों में ग्रुप 'ए', 'बी', 'सी' तथा 'डी' पदों में शारिरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों का विश्लेषित विवरण, निम्नानुसार है:-

क्रमांक	पदो की श्रेणी	शारिरिक रूप से विकलांगों की संख्या
1	ग्रुप 'ए'	1
2	ग्रुप 'बी'	0
3	ग्रुप 'सी'	4
4	ग्रुप 'डी'	0

सतर्कता की गतिविधियां

संगठन की सतर्कता गतिविधियों का नेतृत्व संगठन प्रमुख एवं मुख्य विस्फोटक नियंत्रक करते हैं। मुख्यालय नागपुर के अलावा सतर्कता सेल, संगठन के सभी अंचल एवं उपअंचल कार्यालयों में, परिक्षण केन्द्र तथा एफआरडीसी, सिवाकासी में कार्यरत है। प्रत्येक अधीनस्थ कार्यालय के प्रमुख, सतर्कता सेल का नेतृत्व करते हैं तथा उनकी रिपोर्ट मुख्य विस्फोटक नियंत्रक को प्रेषित की जाती है।

निवारक सतर्कता का प्राथमिक उद्देश्य कदाचार और लालच से प्रवण या संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करना है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) एवं औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग तथा संगठन के मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा जारी किए गये निर्देशों एवं मार्गदर्शन का पालन किया जाता है।

सीवीसी के मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसरण से संगठन के सभी कार्यालयों में सतर्कता जागृकता सप्ताह मनाया गया। संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने शपथ ली तथा सभी मामलों में समय से निपटान, निष्पक्षता, पारदर्शिता संपादन करने हेतु प्रणाली में उन्नयन एवं सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रभावी निवारक उपायों की जागृकता हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संगठन के अधिकारियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने हेतु निम्नलिखित उपाय किए गए -

- संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर उस पर सतर्कता रखी जाती है।
- काम के निपटान में देरी तथा कदाचार की संभावनाओं को कम करने हेतु आम जनता के साथ नियमित कार्यालयीन व्यवहारों को अंचल एवं उप-अंचल कार्यालयों में विकेन्द्रीकृत किया गया है।
- कार्यालय प्रमुख नियमित रूप से अपने अधीनस्थ अधिकारियों की गतिविधियों को मॉनिटर करते हैं।
- अंचल कार्यालयों के प्रमुख नियमित रूप से उप-अंचल कार्यालयों के प्रमुखों की गतिविधियों को मॉनिटर करते हैं।
- मुख्य विस्फोटक नियंत्रक अंचल प्रमुख तथा मुख्यालय के अन्य अधिकारियों की गतिविधियों को मॉनिटर करते हैं।
- नामित अधिकारी तथा कार्यालय/संगठन प्रमुख द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों/ अधिकारियों की गतिविधियों की समीक्षा करने हेतु नियमित और आकस्मिक रूप से निरीक्षण किए जाते हैं।
- संबंधित अधिकारियों से कार्यालयीन मामलों के संदर्भ में मिलने हेतु आने वाले आगंतुकों को भी सतर्कता की गतिविधियों के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। इसके लिए अलग से स्वागत कक्ष बनाया गया है। उन्हें आगंतुक पास जारी किया जाता है तथा उसपर संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर लिये जाते हैं। इसके अलावा स्वागत क्षेत्र, आगंतुक क्षेत्र, लॉबी आदि की सीसीटीवी प्रणाली के माध्यम से मॉनिटरिंग की जाती है।
- स्वागत कक्ष में संबंधित अधिकारियों की सूची, उनके गतिविधियों के प्राधिकृत कार्यक्षेत्रों के साथ प्रदर्शित की गई है।

- जिन कर्मचारियों के कदाचार से लिप्त होने का संदेह है, उनकी सूची बनाई गई है तथा उनकी गतिविधियों को मॉनिटर किया जाता है ।
- कदाचार के बारे में जनता से प्राप्त शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है तथा उसकी जाँच संगठन प्रमुख/कार्यालय प्रमुख द्वारा की जाती है ।
- संगठन की वेबसाईट <http://peso.gov.in> के सब-मेनू 'शिकायत निवारण' के अंतर्गत, संगठन प्रमुख एवं कार्यालय प्रमुखों के नाम उनके दूरभाष संख्या के साथ दर्शाए गए हैं तथा संगठन की वेब साईट पर नागरिक अधिकारपत्र में स्टैकहोल्डर्स की सुविधा हेतु शिकायतों का निवारण सुनिश्चित किया गया है ।
- अधिकारियों और सहायकों को आचरण नियम के प्रावधानों से तथा भारत सरकार की ओर से समय-समय पर जारी निर्देशों से भी अवगत किया जाता है ।

.....

संगठन में राजभाषा का प्रयोग

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो), नागपुर अपने पाँच अंचल कार्यालय तथा अठारह उप-अंचल कार्यालय, विभागीय परीक्षण केंद्र, गोंडखैरी तथा आतिशबाजी अनुसंधान तथा विकास केंद्र, सिवाकासी के साथ भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य का पूर्ण अनुपालन हेतु समन्वित प्रयास करता है। संगठन के मुख्य विस्फोटक नियंत्रक श्री टी. आर. तोमस के नेतृत्व में पेसो पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर है और राजभाषा संबंधी अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने हेतु कृतसंकल्प है।

वर्ष के दौरान कार्यालयीन कार्य में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता लाने के उद्देश्य से संगठन के सभी कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर कर्मचारियों को अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने हेतु प्रेरित किया गया। सरकार की राजभाषा नीति का कार्यालयों में प्रभावी कार्यान्वयन करते हुए मूल रूप से हिन्दी में कार्य करने हेतु कर्मचारियों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी प्रोत्साहन योजना लागू है एवं प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों को इस योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया।

आगंतुको हेतु आगंतुक पास द्विभाषी बनवाए गए हैं। राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु कार्यालय के सूचना फलक पर प्रतिदिन एक शब्द/सुविचार द्विभाषी दर्शाया जाता है।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए संगठन के ऑनलाईन अनुज्ञप्ती मॉड्युल को द्विभाषी बनाया गया है। मंत्रालय द्वारा जारी महत्वपूर्ण निर्देशों, पत्रों, आदि को ई-मेल, सपोर्ट साईट द्वारा संगठन के सभी संबद्ध/अधिनस्थ कार्यालयों को यथाशीघ्र अनुपालन हेतु प्रेषित किए जाते हैं। हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों का जवाब अनिवार्य रूप हिन्दी में ही दिया जाता है।

वेबसाईट का द्विभाषीकरण :

सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन में, पेसो की आधिकारिक वेबसाईट को द्विभाषी - अंग्रेजी और हिन्दी में बनाया गया है जिसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। संगठन की गतिविधियां/महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में जानकारी, आदि वेबसाईट पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में दर्शाई जाती है। संगठन की राजभाषायी गतिविधियों, उपलब्धियों, आदि को दर्शाने हेतु वेबसाईट पर एक अलग लिंक "राजभाषा" उपलब्ध कराई गई है।

निगरानी और निरीक्षण:

दिनांक 08/01/2015 को विस्फोटक के मुख्य नियंत्रक टीओएलसी के मध्य होने वाले चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए थे नागपुर और उसके 10 सदस्यी कार्यालयों (पेसो को मिलाकर), अधिकारियों के साथ संसदीय राजभाषा समिति कार्यक्रम के लिये नागपुर का दौरा किया।

राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु मुख्य विस्फोटक नियंत्रक तथा मुख्यालय से अन्य अधिकारी नियमित रूप से अंचल तथा उप अंचल कार्यालयों का राजभाषायी निरीक्षण करते हैं। वर्ष के दौरान मुख्य विस्फोटक नियंत्रक तथा अन्य अधिकारियों द्वारा 06 राजभाषायी निरीक्षण किए गए।

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें :

आलोच्य वर्ष के दौरान, उपरोक्त समिति की तीन बैठकें आयोजित की गईं जिसमें कार्यालयों में राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। सरकारी कामकाज तथा अन्य संबंधित गतिविधियों में हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि के संबंध में कार्यालय द्वारा किए गए कार्य/प्रगति की समिति सदस्यों द्वारा प्रशंसा की गई।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकों में सहभाग:

हिन्दी की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए, मुख्यालय के साथ ही अंचल तथा उप अंचल कार्यालयों के अधिकारियों ने नियमित रूप से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकों में भाग लिया। श्री टी.आर.थोमस, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक तथा श्रीमती वैशाली चिरडे, हिन्दी अधिकारी ने दिनांक 20/06/2014 को न.रा.का.स.,नागपुर की 60वीं छमाही बैठक में भाग लिया। श्री पीसी श्रीवास्तव, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, डॉ. योगेश खरे, तथा श्रीमती वैशाली चिरडे, हिन्दी अधिकारी ने 20/10/2014 को न.रा.का.स.,नागपुर की 61वीं बैठक में भाग लिया।

नराकास के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न अंतर कार्यालयीन प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने भाग लिया और कई पुरस्कार प्राप्त किए।

हिन्दी पत्रिका 'विस्फोटक दर्पण' का प्रकाशन:

गृह पत्रिकाओं के प्रकाशन से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिभा और रचनात्मकता प्रदर्शित होती हैं और इसी माध्यम से राजभाषा हिन्दी की प्रगति भी होती है। इसी उद्देश्य से हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत संगठन की हिन्दी गृह पत्रिका **विस्फोटक दर्पण-अंक 14** का प्रकाशन किया गया। संगठन के सभी अंचल/उप अंचल कार्यालयों की राजभाषायी गतिविधियां, पुरस्कारो, विशेष उपलब्धियों, तथा संगठन के अधिकारी/कर्मचारियों के तकनीकी लेख/रचनाएं, पत्रिका में प्रस्तुत किए गए।

प्रत्येक तिमाही में एक तकनीकी न्युजलेटर प्रकाशित किया जाता है जिसमें संगठन की राजभाषायी गतिविधियों का ब्योरा दर्शाया जाता है। संगठन के वार्षिक प्रतिवेदन का हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण मुख्यालय से प्रकाशित किया गया।

इसके अलावा संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, आगरा कार्यालय द्वारा भी नियमित रूप से **मध्यांचल दर्पण** पत्रिका तथा **मध्यांचल समाचार** का प्रकाशन किया जाता है।

हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम :

हिन्दी प्रशिक्षण कार्य को प्राथमिकता देते हुए संगठन में कर्मचारियों का प्रशिक्षण लगभग पूर्ण कर लिया गया है। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित हिन्दी टाइपिंग, आशुलिपि, प्राज्ञ आदि प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा लगभग सभी कर्मचारियों को हिन्दी में प्रशिक्षित किया गया है।

राजभाषा कार्यान्वयन - कंप्यूटर/आईटी टूल्स का प्रयोग :

संगठन द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन सुनिश्चित करने हेतु, यूनिवर्सल कोड- यूनिकोड का प्रयोग किया जा रहा है। कार्यालय के लगभग सभी कंप्यूटर हिन्दी प्रयोग के लिए मानक भाषा एनकोडिंग - यूनिकोड एनेबल किए गए हैं। सरकारी कामकाज में कंप्यूटरीकरण के अंतर्गत, द्विभाषी मॉड्यूल, वेबसाइट, ई-मेल, इंटरनेट, सपोर्ट साइट, आदि का प्रयोग राजभाषा को बढ़ावा देने के कार्य को गति प्रदान कर रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अनुपालन में, संगठन का ऑनलाइन अनुज्ञप्ति मॉड्यूल द्विभाषी बनाया गया है। संगठन में राजभाषा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.rajbhasha.gov.in पर दिए गए निर्देशों और आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाता है।

हिन्दी तिमाही रिपोर्ट मॉड्यूल प्रणाली का सृजन

संगठन में राजभाषा कार्यान्वयन के प्रभावी मानीटरिंग हेतु, ऑनलाइन त्रैमासिक हिन्दी प्रगति रिपोर्ट मॉड्यूल का सृजन किया गया है तथा अंचल/उप-अंचल कार्यालयों की तिमाही रिपोर्ट ऑनलाइन प्राप्त की जाती है और ऑनलाइन समीक्षा की जाती है।

हिन्दी कार्यशालाएं

संगठन के सभी कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहन देते हुए चार कार्यशालाओं का अनिवार्य रूप से आयोजन किया गया। राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कर्मचारियों को कठिन हिन्दी के बजाय सरल एवं सहज हिन्दी का प्रयोग करने की सलाह दी गई।

हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग बढ़ाने के लिए हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मुख्यालय तथा संगठन के विभिन्न अंचल, उप-अंचल कार्यालय, विभागीय परीक्षण केन्द्र में हिन्दी दिवस के साथ-साथ हिन्दी सप्ताह/हिन्दी पखवाडा बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया।

पखवाडे के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जैसे - हिन्दी टंकण, टिप्पण-आलेखन, निबंध, शब्द ज्ञान, चित्र पर आधारित कहानी, सुलेख, लोगो एवं पंचलाईन, अंताक्षरी प्रतियोगिता, आदि। पखवाडे के दौरान हिन्दी पुस्तकों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। पखवाडे के मुख्य कार्यक्रम तथा हिन्दी दिवस को बड़े उत्साह से मनाया गया। मंत्रालय से प्राप्त ज्ञापन एवं गृह मंत्रीजी का संदेश सभी को अनुपालनार्थ सुनाया गया। पखवाडे के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं मूल काम हिन्दी में करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

प्रोत्साहन योजनाएं :

मूल रूप से हिन्दी में टिप्पण/आलेखन करने के लिए, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा परिचालित वार्षिक नकद पुरस्कार योजना, संगठन में लागू है। पखवाड़े के दौरान विभिन्न कर्मचारियों योजना के अंतर्गत समुचित रूप सम्मानित किया गया।

उपलब्धियां -

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर कार्यालय

राजभाषा के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट योगदान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नागपुर द्वारा वर्ष 2016-2017 के लिए कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर को राजभाषा कार्यान्वयन के लिए द्वितीय पुरस्कार तथा हिन्दी गृह पत्रिका विस्फोटक दर्पण अंक 13 हेतु विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मध्यांचल, आगरा

वर्ष 2016-2017 के लिए कार्यालयों में राजभाषा में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, आगरा कार्यालय को(नराकास) द्वारा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

संयुक्त उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, इलाहाबाद

वर्ष 2016-2017 के लिए कार्यालयों में राजभाषा में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, इलाहाबाद कार्यालय को(नराकास) द्वारा तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

संगठन के विभिन्न कार्यालयों को प्राप्त हो रहे पुरस्कार इस बात का प्रमाण हैं कि पेसो में राजभाषा कार्य उंचाईयो की ओर अग्रसर हैं। संगठन अपने मूल उद्देश्य "सुरक्षा सर्वोपरि" के साथ साथ राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु निरंतर प्रयत्नशील हैं।

पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन, राजभाषा संबंधी अपनी सांविधिक जिम्मेदारियां निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अनुज्ञप्ति प्राप्त/स्वीकृत परिसरों का निरीक्षण

निरीक्षण अधिकारियों के (विभिन्न श्रेणियों के) अनेक पद रिक्त रहने के कारण हुए संसाधनों की कमी के बावजूद भी विभिन्न अधिनियमों और नियमों के अंतर्गत संगठन द्वारा अनुज्ञप्ति प्राप्त/स्वीकृती प्राप्त खतरनाक परिसरों की निरीक्षण गतिविधियों पर बल देने के प्रयास किए गए।

विस्फोटक अधिनियम, 1884 के अंतर्गत :

वर्ष के दौरान 19620 परिसरों का (अनुज्ञप्ति प्राप्त/स्वीकृति प्राप्त 102164 कुल परिसरों में से) निरीक्षण किया गया। यह कुल परिसरों में से 19.2% के निरीक्षण के समतुल्य है। उपरोक्त निर्दिष्ट इकाइयों में विस्फोटक नियम, 2008 के अंतर्गत 9,517 अनुज्ञप्ति प्राप्त परिसरों का, गैस सिलिण्डर नियमों के अंतर्गत 5,308 अनुज्ञप्ति प्राप्त इकाइयों का, एसएमपीवी (यू) नियमों के अंतर्गत 9,325 अनुज्ञप्ति प्राप्त इकाइयों का तथा अमोनियम नाइट्रेट नियमों के अंतर्गत 120 अनुज्ञप्ति प्राप्त इकाइयों का निरीक्षण हुआ।

पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 के अंतर्गत

वर्ष के दौरान 3,657 अनुज्ञप्ति प्राप्त/स्वीकृति प्राप्त परिसरों का निरीक्षण किया गया, जो कुल 1,70,019 अनुज्ञप्ति प्राप्त/स्वीकृति प्राप्त परिसरों के 2.08% के समतुल्य है। उपरोक्त निरीक्षण में पेट्रोलियम नियम, 2002 के अंतर्गत अनुज्ञप्ति प्राप्त 3,633 परिसरों का, कैलशियम कार्बाइड नियम, 1987 के अंतर्गत 24 अनुज्ञप्ति प्राप्त परिसरों का समावेश है।

वर्ष 2014-15 में इस संगठन द्वारा, विभिन्न अधिनियमों व नियमों के अंतर्गत अनुज्ञप्ति प्राप्त और स्वीकृति प्राप्त इकाइयों की कुल 2,77,183 इकाइयों में से, 33,003 (12.96%) परिसरों का निरीक्षण किया गया। पिछली साल की परिसर के निरीक्षण की तुलना में

सिवाकासी(तमिलनाडु) में आतिशबाजी कारखानों का निरीक्षण करने के लिए विभिन्न अंचल, उप-

अंचल के अधिकारियों की तैनाती में भी कमी आई है। विभिन्न अंचल, उप-अंचल के अधिकारियों की तैनाती का समय भी सिर्फ दो महीने है। विभिन्न अधिनियमों और नियमों के अंतर्गत अनुज्ञप्ति प्राप्त/स्वीकृति प्राप्त परिसरों में किए गए निरीक्षण की सांख्यिकीय जानकारी सारणी I में दी गई है तथा पिछले 5 वर्षों के लिए विस्फोटकों के विनिर्माण के आंकड़े सारणी II में दिए गए हैं।

निरीक्षण के दौरान जहां भी अनुज्ञप्ति के नियमों और शर्तों में कमियों, अनियमितता या उल्लंघन पाए गए ऐसी स्थिति में अनुज्ञप्तिधारक को संशोधन/अनुपालन की दिशा में नोटिस देने की कार्रवाई की गई। उन नियमों के उल्लंघन के गंभीर मामलों में जहां सुरक्षा खतरे में हो, अनुज्ञप्तियों को निलम्बित कर दिया गया या नियमों के उल्लंघन के मामलों में प्रकार तथा अपराध की गंभीरता के आधार पर उन्हें रद्द कर दिया गया।

सारणी - I

वर्ष 2016-2017 के दौरान किए गए निरीक्षणों का विवरण

(I) अनुज्ञप्ति प्राप्त परिसर

अनुज्ञप्ति प्राप्त परिसरों की संख्या एवं निरीक्षण					
अनु. क्र	अधिनियम तथा नियम	31/03/14 को	वर्ष 2014-15 के दौरान दी गई अनुज्ञप्तियां	योग 31.3.2015 तक	वर्ष 14-15 के दौरान किए गये निरीक्षण
1.	अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012	610	148	758	120
2.	विस्फोटक नियम, 2008	42762	400	43612	9517
3.	गैस सिलेण्डर नियम, 2004	25679	2869	28548	4675
4.	एसएमपीवी (यू) नियम, 1981	28889	807	29696	5308
5.	पेट्रोलियम नियम, 2002	156118	18438	174556	3633
6.	कैल्शियम कार्बाइड नियम, 1987	430	13	463	24
	योग	254488	22675	254488	23277

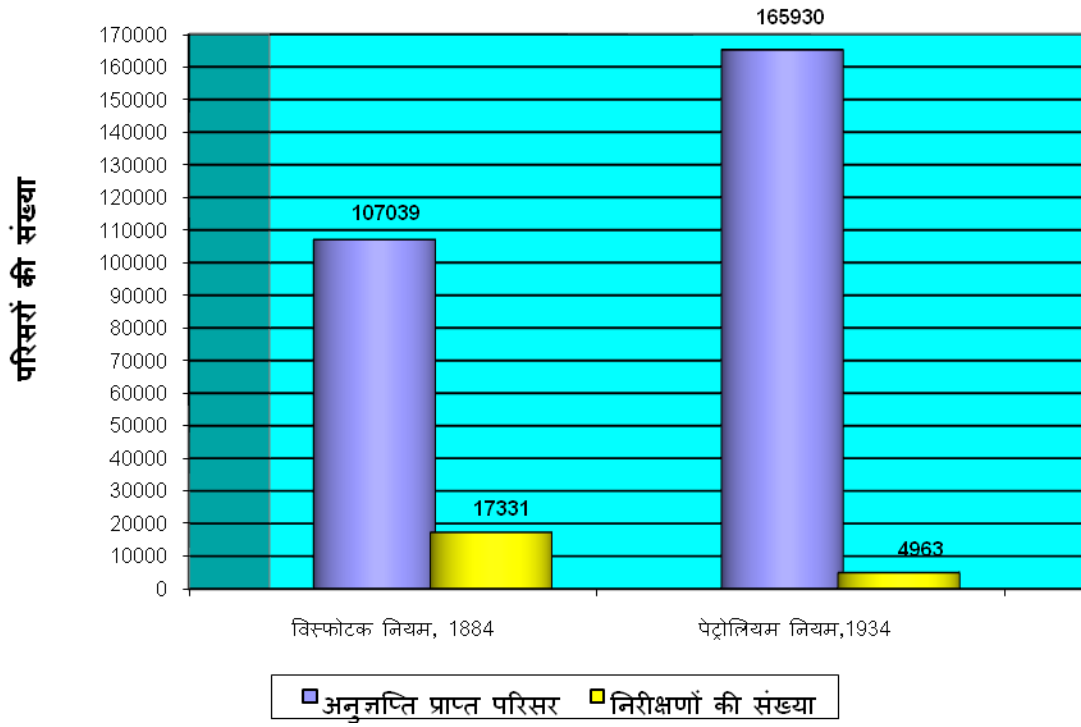
सारणी - II

वर्ष 2013-2014 के दौरान किए गए निरस्तीकरण, समर्पण, निलंबन और निरसन के विवरण

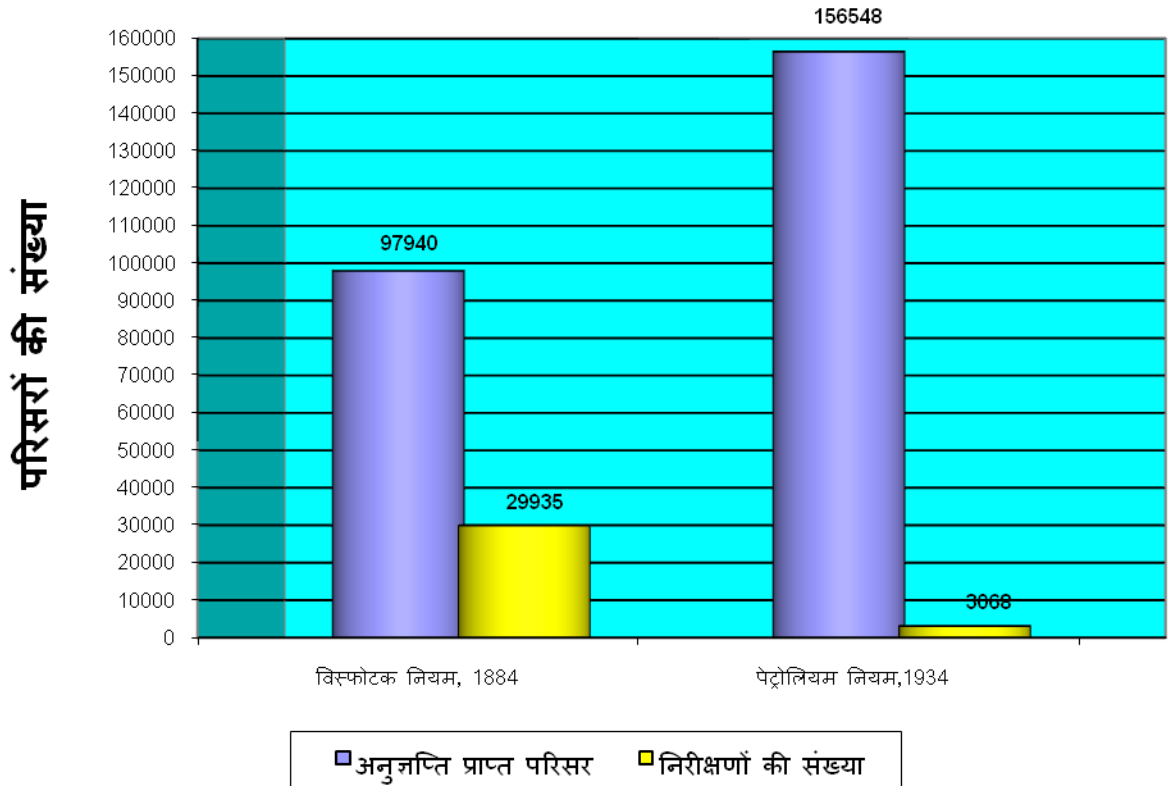
अनु. क्र	अधिनियम तथा नियम	अनुज्ञप्ति का	अनुज्ञप्ति	अनुज्ञप्ति का	निलंबन	निरसन	कारण
----------	------------------	---------------	------------	---------------	--------	-------	------

		निरस्तीकरण	का समर्पण	अंतरिम निलंबन			बताओ नोटिस
1	अमोनियम नाइट्रेट नियम, 2012	1	3	00	00	00	3
2	विस्फोटक नियम, 2008	177	216	09	10	62	94
3	गैस सिलेण्डर नियम, 2004	33	72	00	09	24	125
4	एसएमपीवी (यू) नियम, 1981	1861	2308	00	23	38	11
5	पेट्रोलियम नियम, 2002	818	144	00	45	00	288
6	कैल्शियम कार्बाइड नियम, 1987	00	00	00	00	00	2
	योग	2890	2743	9	87	124	523

अनुज्ञप्ति प्राप्त तथा निरीक्षण किए गए परिसर दर्शाता ग्राफ
वर्ष 2013-2014



अनुज्ञप्ति प्राप्त तथा निरीक्षण किए गए परिसर दर्शाता ग्राफ वर्ष 2013-2014



सारणी - III

पिछले 5 वर्षों के लिए विस्फोटकों के विनिर्माण के आंकड़े

विवरण	वार्षिक संस्थापित अनुज्ञप्ति क्षमता (मीट्रिक टन)	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
वर्ग 1 गन पाउडर (मीट्रिक टन)	1595.55	688.6	710.6	577.7	549	535.327
वर्ग 2						
1. कार्टिज	580386.5	183533.73	238193	267275	269999	344146.4
2. साईट मिक्स (मीट्रिक टन)	1350385	59943.5	483828	495946	521419	604234.6
वर्ग 3 प्रभाग - 2 बूस्टर और पीईटीएन* (मीट्रिक टन)	16418.67	3573.8	5063.1	5656.5	6186	7015
वर्ग 6 प्रभाग - 1 सेफ्टी फ्यूज (मिलियन मीटर)	268.29	77	81.1	77.1	75	68.7
वर्ग 6 प्रभाग - 2 डिटोनैटिंग फ्यूज (मिलियन मीटर)	576.2	284.6	370.6	634.2	428	457.7
वर्ग 6 प्रभाग - 3 डिटोनैटर (मिलियन संख्या)	974	724.2	970.7	992.2	1032	906.7

*पीईटीएन- पेटा एर्थोटोल टेटरा नाइट्रेट

दुर्घटनाओं की जाँच
दक्षिण अंचल, चेन्नई

अ. विस्फोटक अधिनियम 1884 के अंतर्गत:

विस्फोटक नियम, 2008:-

1. दिनांक -07/04/2016 स्थान: सिवाकासी (तमिलनाडु)

मृत - कोई नहीं, घायल - 01

सिवाकासी (तमिलनाडु) में स्थित मेसर्स आरएसआर एमोरेंस के आतिशबाजी परिसर में दिनांक 07/04/2016 को शेड नं. 19 में बिजली संचालित टैब्लेट बनाने की मशीन का इस्तेमाल करते वक्त अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई। परिस्थितिजन्य सबूतों और गवाहों के बयान से, यह स्पष्ट है कि लोहे के बेस प्लेट पर टैब्लेट बनाने की मशीन के रासायनिक टैंक के आगे और पिछे संचार के कारण घर्षण ने स्पार्क उत्पन्न किया हो और बाद में आग लग गई।

1. दिनांक: स्थान: शिवकाशी, विरुधनगर, तमिलनाडु

घायल - शून्य चोट - 1

07.4.2016 को मेसर्स, सिवाकासी लाइसेंस नंबर: ई / मुख्यालय / टीएन / 20/771 (ए 27462) की आतिशबाजी के परिसर में आग के दुर्घटना हुई, जबकि सर्प अंडे बना रहा।।

2. दिनांक-02/08/2014, स्थान: सिवाकासी (तमिलनाडु)

मृत - कोई नहीं, घायल - कोई नहीं

दिनांक 02/08/2014 मेसर्स स्टैंडर्ड फायरवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के आतिशबाजी विनिर्माण इकाई में एक अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई। जनरल स्टोर कक्ष संख्या 15 से माइक्रो कोर्ड फ्यूज को काटते समय माइक्रो कोर्ड फ्यूज के क्षेत्र में जंग लगी हुई लोह धातु जैसे चाकू/कैंची इत्यादि की बंचिंग/बंडलिंग करते समय जो चिंगारी उत्पन्न हुई और परिणामस्वरूप माइक्रो कोर्ड प्रज्वलित हुआ और शीघ्र ही पूरी जगह पर आग फैल गई, दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है।

3. दिनांक-10/11/2014, स्थान: सिवाकासी (तमिलनाडु)

मृत -3 घायल - कोई नहीं

दिनांक-10/11/2014 को मेसर्स सुप्रीम पायरोटेकनिकस की आतिशबाजी विनिर्माण कारखाने में एक अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई। वाइब्रो स्क्रीनिंग मशीन(वीसीएम) के लगातार चलने से स्थिर प्रभार उत्पन्न हुआ, एल्यूमीनियम कंटेनर बिजली द्वारा जुड़े ना होने पर संभवतः स्क्रीनिंग आपरेशन के दौरान एल्यूमीनियम कंटेनर में सफेद पॉडर मिश्रण उतर नहीं पाया होगा जिससे

एक चिंगारी उत्पन्न हुई और परिणामस्वरूप अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई, दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है ।

4. दिनांक - 20/10/2014 स्थान : पूर्व गोदावरी जिला (आंध्र प्रदेश)

मृत -18,

घायल - 02

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त श्री कोपीशेटी अप्पा राव वकटिप्पा (वी) कोठापल्ली, पूर्व गोदावरी जिला में स्थित आतिशबाजी विनिर्माण परिसर में दिनांक 20/10/2014 को एक दुर्घटना घटित हुई। 20 श्रमिकों से अधिक एक ही शेड में पूरा विनिर्माण कार्य किया जा रहा था, अनधिकृत आतिशबाजी वस्तुओं तथा प्रतिबंधित क्लोरेट मिश्रण को संघटक के रूप में विनिर्माण के लिए असावधानी पूर्वक प्रयोग करना ही दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है ।

5. दिनांक - 09/11/2014 स्थान : जिला अलाप्पुझा

मृत - 2,

घायल - 01

दिनांक 09/11/2014 को एक निवास स्थान में अनधिकृत आतिशबाजी विनिर्माण में अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई, जिसका परिणाम यह हुआ कि पूरी बिल्डिंग ही गिर पड़ी। दुर्घटना स्थल पर ही एक श्रमिक की मृत्यु हो गई जबकि अन्य श्रमिक जलने के कारण अस्पताल में ही मृत्यु को प्राप्त हुए, दुर्घटना का संभावित कारण घर में ही उपलब्ध किसी अस्थायी ढीले तारों का कनेक्शन बताया जा रहा है जिसकी वजह से शॉर्ट सर्किट हुआ तथा उससे उत्पन्न चिंगारी के कारण आतिशबाजी में अग्नि/विस्फोट हुआ जिसके सम्मिश्रण में सल्फर के साथ प्रयुक्त अत्यधिक संवेदनशील और प्रतिबंधित पोटॅशियम क्लोरेट था ।

6. दिनांक - 11/12/2014 - स्थान : नलगोंडा जिला

मृत - कोई नहीं

घायल - 02

दिनांक 11/12/2014 को दोपहर 2:45 के समय मेसर्स आइडियल डेटोनेटर प्राइवेट लिमिटेड की बिल्डिंग संख्या 9(डी) में विस्फोट दुर्घटना घटित हुई । दुर्घटना उस समय हुई जब शिफ्ट खत्म होने के समय क्यूबिकल मे से अस्वीकृत डेटोनेटर को लाकर गल्ले के डिब्बों में रखे जा रहे थे। अस्वीकृत डेटोनेटर गिनने के दौरान एक डेटोनेटर में विस्फोट हो गया, अस्वीकृत डेटोनेटर की हथलाई के दौरान ढीले फ्यूज हैंड के कारण डेटोनेटर में खरोंच/ घर्षण के कारण इनिशिएटिंग कम्पोजिशन का होना दुर्घटना का संभावित कारण है।

7: दिनांक - 07/02/2015 - स्थान : तिरुवंतपुरम

मृत - 2,

घायल - कोई नहीं

दिनांक 07/02/2015 को डीएम द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त आतिशबाजी विनिर्माण कारखाने में अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई । जिसके परिणामस्वरूप एक श्रमिक की दुर्घटना स्थल पर ही तथा एक अन्य श्रमिक भी जलने के कारण उसी दिन ही मृत्यु को प्राप्त हुए, लोहा/पत्थर सामग्री

के प्रयोग करने से एक चिंगारी उत्पन्न हुई जिससे आतिशबाजी विनिर्माण के अंदर आग लग गई और विस्फोट हो गया ,दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है।

8 दिनांक - 23/02/2015 स्थान - जिला रंगा रेड्डी (आंध्र प्रदेश)

मृत -06, घायल - 09

हैदराबाद के कुकटपल्ली में स्थित मेसर्स गुल्फ आइल कार्रपोरेशन लिमिटेड की बिल्डिंग संख्या 79 में करीब दोपहर 3:50 पर दुर्घटना घटित हुई । पुरानी और रद्द विद्युत डेटोनेटर को पॉच भिन्न गोदामों के शेड संख्या 79 से लाया गया और डेटोनेटर की मुख्य लाइनों के कटने से, जो कि प्रगतिशील थी दुर्घटना का कारण बनी ,जिसका परिणाम यह हुआ कि 6 लोग मृत्यु को प्राप्त हुए तथा अन्य घायल हुए, दुर्घटना के संभावित कारणों की जांच चल रही है।

9 दिनांक - 05/03/2015 स्थान : सिवाकासी, (तमिलनाडु)

मृत - कोई नहीं, घायल - 04

दिनांक 05/03/2015 समय 12: दोपहर 12:45, विस्वंत गांव में स्थित गनेशकुमार फायरवर्क्स के आतिशबाजी विनिर्माण परिसर में अग्नि दुर्घटना घटित हुई । वर्किंग शेड संख्या 79 में, श्रमिकों द्वारा हवाई आतिशबाजी विनिर्माण के दायित्वों का बहाल असुरक्षित अभ्यास ही दुर्घटना का संभावित कारण प्रतीत होता है ।

10 दिनांक - 30/03/2015 स्थान : विशाखापट्टनम

मृत - 04, घायल - 06

दिनांक 30/03/2015 को जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त मेसर्स रोहित फायरवर्क्स के आतिशबाजी विनिर्माण कारखाने में अग्नि दुर्घटना घटित हुई, जिसके चलते 4 लोगो की मृत्यु तथा अन्य 6 घायल हुए, जांच से पता चलता है कि आतिशबाजी विनिर्माण के दौरान आतिशबाजी मिश्रण रचना के दुरुपयोग से घटना घटी ।

ख.2 गैस सिलेंडर नियम, 2004:-

1. दिनांक - 19/03/2015 स्थान : अनंतपुर

मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

दिनांक ***** को सुबह 10 बजे मेसर्स एचपीसी लिमिटेड के एलपीजी बॉटलिंग प्लांट, अनंतपुर में पंजीकृत संख्या AP28X4977 वाला ट्रक जिसमें 450 भरे हुए एलपीजी सिलेंडर थे, दुर्घटना ग्रस्त हो गया।

ग.3 स्थिर तथा गतिशील दाबपात्र (अज्वलित) नियम, 1981 के अंतर्गत :-

- 1 दिनांक - 05/05/2014 स्थान : एर्णाकुलम जिला
मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

दिनांक 05/05/2014 को एक भरे हुए एलपीजी टैंकर में एलपीजी के रिसाव के कारण दुर्घटना घटित हुई। रोटोगेज में उस समय रिसाव हुआ जब चालक द्वारा एलपीजी स्तर की स्थिति जानने के लिए इसे संचालित किया गया, रोटोगेज के स्क्रू एडजस्टमेंट की लापरवाही हथलाई से रोटोगेज का शेफ्ट सरक गया होगा जिससे उच्च दाब के कारण भारी मात्रा में एलपीजी का रिसाव हुआ होगा।

- 2 दिनांक -22/10/2014 स्थान :जिला एर्णाकुलम
मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

दिनांक 22/10/2014 को एलपीजी ट्रक की कार से टक्कर होने से दुर्घटना घटित हुई। सड़क पर टैंकर के पलटने से दुर्घटना स्थल पर ही चालक की मौत हो गई। वेसल भी थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया, चालक द्वारा वाहन को लापरवाही से चलाना दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है।

पेट्रोलियम अधिनियम 1934 के अंतर्गत:

पेट्रोलियम नियम 2002 के अंतर्गत:-

1. दिनांक - 27/06/2014 स्थान : पूर्व गोदावरी जिला (आंध्र प्रदेश)
मृत -100 से अधिक घायल - 12

पूर्व गोदावरी जिला (आंध्र प्रदेश) के नगाराम गाँव में भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड द्वारा सूखी प्राकृतिक गैस के परिवहन के प्रयोग के लिए तटीपक्का से कोडांपल्ली लेकों पाइपलाइन में दिनांक 27/06/2014 को व्यापक अग्नि और विस्फोट दुर्घटना घटित हुई। सैंकड़ों लोगों की मृत्यु हुई तथा कई अन्य दुर्घटना में घायल हुए, पाइपलाइन में जंग लगने एवं खराब रखरखाव के कारण पाइपलाइन की मोटाई में कमी आ गई जिसकी वजह से पाइपलाइन में गैस का रिसाव होने लगा और परिणामस्वरूप अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई।

2. दिनांक - 22/09/2014 स्थान : तिरुवल्लुर (तमिलनाडु)
मृत -एक, घायल - एक

मेसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पेट्रोलियम अधिस्थापन में दिनांक 22/09/2014 की सुबह 11:30 पर पेट्रोलियम उत्पाद के हस्तांतरण के लिए असुरक्षित डिवाइस का प्रयोग दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है।

3. दिनांक - 01/01/2015 स्थान : मदुरई (तमिलनाडु)
मृत - कोई नहीं, कोई नहीं

दिनांक - 01/01/2015 को करीब 4:30 बजे तमिलनाडु के मदुरई जिले में कप्पालुर स्थित मेसर्स इंडियन आइल कार्पोरेशन लिमिटेड की पेट्रोलियम पाइपलाइन में अग्नि दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना उस समय हुई जब सामान्य एक्सटेंशन बोर्ड के प्रयोग से पेट्रोल को टैंक से रोड टैंकर में डाला जा रहा था,

प्रज्वलन का स्रोत ट्रांसफर पंप के एक्सटेंशन बोर्ड के बटन को करने से जो चिंगारी पैदा हुई वह दुर्घटना का कारण बनी।

4- दिनांक -19/02/2015 - स्थान : कांचीपुरम (तमिलनाडु)
मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

दिनांक 19/02/2015 को मेसर्स भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड में वाईक में ईंधन भरवाने के दौरान अग्नि दुर्घटना घटित हुई, चलते हुए गर्म इंजन पर पेट्रोल का गिरना दुर्घटना का कारण बना।

दुर्घटना की जाँच
पश्चिम अंचल, मुंबई

विस्फोटक अधिनियम 1884 के अंतर्गत:

विस्फोटक नियम, 2008:-

1. दिनांक -08/07/2014 स्थान -ओसमानबाद जिला(महाराष्ट्र)
मृत - 06 घायल - 02

दिनांक 08/07/2014 को जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त गेट संख्या 139, गांव तेरखेडा, जिला वशी में स्थित मेसर्स वेलकम फायरवर्क्स विनिर्माण इकाई आतिशबाजी के संचयन और बिक्री के प्रयोग हेतु बिल्डिंग में एक अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई । जब आतिशबाजी विनिर्माण का कार्य प्रगति पर था तब बिल्डिंग के उपर बिजली गिरने से दुर्घटना घटित हुई । इस दुर्घटना में 06 लोगो की उसी समय मौत हो गई जबकि अन्य दरबाजे के पास खडे 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, बिल्डिंग भी थोडी क्षतिग्रस्त हुई ।

2. दिनांक - 08/07/2014 स्थान : ओसमानबाद जिला (महाराष्ट्र)
मृत -03, घायल - 03

दिनांक 08/07/2014 को जिला मजिस्ट्रेट द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त गेट संख्या 139, गांव तेरखेडा, जिला वशी में स्थित मेसर्स प्रिंस फायरवर्क्स विनिर्माण इकाई आतिशबाजी के संचयन और बिक्री के प्रयोग हेतु बिल्डिंग में एक अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई । जब आतिशबाजी विनिर्माण का कार्य प्रगति पर था तब बिल्डिंग के उपर बिजली गिरने से दुर्घटना घटित हुई । इस दुर्घटना में 03 लोगो की उसी समय मौत हो गई जबकि अन्य दरबाजे के पास खडे 03 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, बिल्डिंग भी थोडी क्षतिग्रस्त हुई ।

3. दिनांक - 03/11/2014 स्थान : नागपुर

मृत - कोई नहीं, घायल - 02

गांव ढगा, जिला नागपुर के मेसर्स एमए उद्योग लिमिटेड, की पायरोटेकनिक समिश्रण इकाई के बिल्डिंग संख्या 43 के विनिर्माण उत्पाद की देरी के कारण दुर्घटना घटित हुई ।

गैस सिलेंडर नियम, 2004:-

1 दिनांक: 25/03/2014 स्थान: जिला भंडारा
मृत -कोई नहीं घायल -15

दिनांक 25/03/2014 पावनी जिला, भंडारा में एक घरेलु एलपीजी सिलेंडर का दूसरे ऑटो एलपीजी सिलेंडर के अंतरण के दौरान एलपीजी अग्नि दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना तब हुई जब घरेलु एलपीजी सिलेंडर का अंतरण किया जा रहा था, इस पूरे अनधिकृत अंतरण प्रक्रिया को पीवीसी पाइप को गलत और ढीले तारों में फिट किया हुआ था जिससे कामचलाउ डिवाइस में एलपीजी के सिलेंडर से रिसाव होने लगा और तत्काल ही आग लग गई, दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है एलपीजी के रिसाव में आग लगने के कारण दुर्घटना हुई, प्रज्वलन का स्रोत पास ही रखे मिट्टी के चूल्हे का खुले में जलना था ।

2 दिनांक: 15/12/2014 - स्थान : जिला थाना (महाराष्ट्र)
मृत -कोई नहीं घायल - 01

दिनांक 15/12/2014 को टैंपो ट्रक में सिलेंडरो की लोडिंग/अनलोडिंग करते हुए एक अग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई। टैंपो ट्रक ब्लास्ट होने के कारण पूरा क्षतिग्रस्त हो गया तथा बिल्डिंग की एसीसी छत पूरी तरह नष्ट हो गई ।

स्थिर तथा गतिशील दाबपात्र (अज्वलित) नियम, 1981 के अंतर्गत :-

1 दिनांक: 22/04/2014 स्थान: जिला वडोदरा
मृत: कोई नहीं घायल - कोई नहीं

दिनांक 22/04/2014 को मेसर्स रिलायंस उद्योग लिमिटेड का टैंकर दाहेज से मेसर्स भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बॉटलिंग प्लांट,जिला खेडा के हरीयाला में जा रहा था तब एलपीजी रोड टैंकर से एलपीजी के रिसाव होने से दुर्घटना घटी,मुख्य मुवर को बदलते हुए वह टूट गया जिससे एलपीजी टैंकर पलट गया, एलपीजी के रिसाव के कारण रोटोगेज क्षतिग्रस्त हो गया।कोई भी अग्नि/ विस्फोटक का रिसाव नहीं हुआ है।

2: दिनांक: 30/08/2014 स्थान: गोवा-मुम्बई राजमार्ग
मृत: 01 घायल - कोई नहीं

दिनांक 30/08/2014 को गोवा-मुम्बई राजमार्ग पर खेड भोटसे घाट जो कि मुम्बई के 220 किलोमीटर और खेड के पास 3 किलोमीटर है, एक रोड टैंकर जो कि प्रॉपलाइन ले जा रहा था दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसका परिणाम यह हुआ कि चालक की मृत्यु हो गई और टैंकर जलकर राख हो गया। रोड टैंकर में

रखी हुई प्रॉपलाइन भी पूरी जल गई। वाहन को लापरवाही से चलाना दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है।

पेट्रोलियम अधिनियम 1934 के अंतर्गत:

पेट्रोलियम नियम 2002:-

1: दिनांक: 02/05/2014 स्थान: गोंदिया जिला

मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

मेसर्स भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, गोंदिया, के खुदरा पेट्रोलियम आउटलेट में भूमिगत पेट्रोलियम संचयन टैंक के पेट्रोलियम टैंकर में मोटर स्प्रीट की अनलोडिंग करते समय अग्नि दुर्घटना घटित हुई। यह अनुमान है कि पेट्रोलियम का थोड़ी मात्रा में संप में संचय होने से पेट्रोलियम में रिसाव होने लगा,

2: दिनांक: 20/05/2014 स्थान: जिला सुरत

मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

मेसर्स भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के खुदरा आउटलेट में मोटरसाइकिल में मोटर स्प्रीट (एम एस) भरवाते हुए एक अग्नि दुर्घटना घटित हुई। ईंधन भरवाते समय इंजन चालू था जिससे पास के प्लग से चिंगारी निकलने से आग लग गई, खुदरा आउटलेट सामग्री में किसी भी प्रकार की कोई क्षति नहीं हुई, आग को भी तुरंत बुझा दिया गया था।

3: दिनांक: 28/09/2014 स्थान: जिला साबरकांठा

मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

मेसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन, अहमदाबाद के वाडली जिला साबरकांठा में खुदरा पेट्रोलियम आउटलेट में अग्नि दुर्घटना घटित हुई। मारुति ओमनी वैन में पेट्रोल भरवाने के तुरंत बाद ही उसने आग पकड़ ली, वैन और डिस्पेंसर क्षति ग्रस्त हो गए।

4: दिनांक: 08/11/2014 स्थान: जिला बुलधाना (महाराष्ट्र)

मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

मेसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन क्रम संख्या 65/2 महकर गांव जिला बुलधाना में पेट्रोलियम अधिष्ठापन के निस्तारण में एक अग्नि दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना का संभावित कारण टैंक ट्रक के अनलोड करते समय स्थिर निर्वहन है।

5: दिनांक: 28/09/2014 स्थान: जिला थाना (महाराष्ट्र)

मृत - कोई नहीं घायल - 01

मेसर्स ओरेकस फार्मा प्राइवेट लिमिटेड के क्लास ए पेट्रोलियम अधिष्ठापन के समय प्रक्रियाशील प्लांट के पास ही के पाइप एंड के सेंट्रीफ्यूज से मदर लिकर प्राप्त हो रहा था दुर्घटना घटित हुई। एक व्यक्ति 35% जलने के

कारण घायल हुआ। प्रगतिशील प्लांट की पाइपलाइन जिसमें हाइड्रोजन और नाइट्रोजन, एफ ओ संचयन टैंक, एचपीडीई ड्रम, पैकिंग कक्ष, ब्लेंडिंग कक्ष इत्यादि सभी में आग के कारण भारी क्षति हुई ।

6: दिनांक: 27/02/2015 स्थान: जिला आंनद
मृत - कोई नहीं घायल - 01

मेसर्स महावीर पेट्रोलियम, सूरत, के पेट्रोलियम रोड टैंकर जिसमें 20kl पेट्रोलियम क्लास-ए/वी को मेसर्स इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, अहमदाबाद से सूरत तक ले जाते हुए टैंकर की सड़क दुर्घटना हो गई। टैंक से पेट्रोलियम का रिसाव होने से अग्नि दुर्घटना घटित हुई । वाहन और उत्पाद दुर्घटना में पूर्ण रूप से नष्ट हो गए ।

मध्यांचल, आगरा

विस्फोटक अधिनियम 1884 के अंतर्गत:

विस्फोटक नियम, 2008 -

1. दिनांक: 03/05/2014 :- स्थान : जिला उज्जैन (मध्य प्रदेश)

मृत - 15 घायल - 04

डीएम द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त आतिशबाजी विनिर्माण इकाई में एक अग्नि दुर्घटना घटित हुई । आतिशबाजी मिश्रण में प्रज्वलन का स्रोत जलती हुई लकड़ी से चिंगारी उत्तपन होने से हुआ जो पास ही खाना बनाने के लिए प्रयोग हो रही थी , दुर्घटना का कारण हो सकता है ।

2. दिनांक: 12/05/2014 - स्थान : जिला सुलतान पुर (उत्तर प्रदेश)

मृत - 06, घायल - 05

डीएम द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त आतिशबाजी विनिर्माण इकाई में एक अग्नि दुर्घटना घटित हुई । प्रज्वलन का स्रोत किसी भारी वस्तु का संवेदनशील विस्फोटक संरचना पर आघात है जिसका अनधिकृत आतिशबाजी के लिए प्रयोग किया जा रहा था, दुर्घटना का कारण हो सकता है ।

3. दिनांक: 19/06/2014 - स्थान : जिला पउरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

मृत - 01, घायल - कोई नहीं

विस्फोटक वैन में एक दुर्घटना घटित हुई । चालक की लापरवाही से वैन को जगह न होते हुए भी बिना चौक और डाले हुए पार्किंग करना है जिसकी वजह से वैन पीछे हुई और परिणामस्वरूप दुर्घटना घटित हुई, दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है ।

4. दिनांक: 17/07/2014 - स्थान : जिला: सोनभद्रा (उत्तर प्रदेश)

मृत - कोई नहीं घायल - कोई नहीं

मेसर्स सन् कैमिकलस के विस्फोटक मैगजिन में दुर्घटना घटित हुई । दुर्घटना का संभावित कारण मैगजिन का बिजली को आर्कषित करना था जिसका परिणाम यह हुआ कि मैगजिन में जमा विद्युत डेटोनेटर प्रज्वलित हो गए और परिणामस्वरूप मैगजिन की बिल्डिंग में भारी क्षति हुई ।

5 दिनांक: 01/08/2014 स्थान : जिला:रायपुर (छत्तीसगढ़)

मृत -05 घायल- कोई नहीं

डीफ विनिर्माण प्लांट में रात की शिफ्ट में एक दुर्घटना घटित हुई । दुर्घटना का संभावित कारण पीईटीएन का डेटोनेशन है, किसी अप्रशिक्षित श्रमिक द्वारा पीईटीएन को गलत ढंग से चलाना, जो कि किसी रेगूलर ओपरेटर की जगह रात की शिफ्ट में प्रदत्त था।

6 दिनांक: 20/09/2014 स्थान : मोहनलाल गंज लखनउ (उत्तर प्रदेश)

मृत - 09 घायल - 09

अनधिकृत विनिर्माण का प्रयोग कर रहे एक घर में दुर्घटना घटित हुई । दुर्घटना का संभावित कारण किसी बड़ी वस्तु को बनाने के लिए पास ही के क्षेत्र में किसी भारी वस्तु या संवेदनशील विस्फोटक मिश्रण में घर्षण होने से आतिशबाजी संरचना में चिंगारी प्रज्वलित हुई, अनधिकृत आतिशबाजी को त्योहार के लिए/ शादी के कार्यक्रम के लिए प्रयोग किया जाता था। रिहाइशी घर होने के कारण प्रज्वलन का संभावित स्रोत घरेलु उत्पाद हो सकता है।

गैस सिलेंडर नियम, 2004:-

1 दिनांक: 29/11/2014 - स्थान :जिला :रायसेन (मध्य प्रदेश)

मृत -कोई नहीं घायल -41

वाहन से सिलेंडर उतारने के दौरान सिलेंडर से क्लोरिन गैस के रिसाव होने से दुर्घटना घटित हुई । फिसलकर सख्त सतह पर गिरकर विस्फोटित हुआ ।गलत ढंग से हाथ में लेने से पर सिलेंडर वेल्ड का क्षति होना दुर्घटना का संभावित कारण है।

पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 के अंतर्गत :-

पेट्रोलियम नियम 2002 के अंतर्गत :-

1. दिनांक : 19/04/2014 - स्थान : काटघोरा(छत्तीसगढ़)

मृत - कोई नहीं, घायल - कोई नहीं

मेसर्स वंदना विद्युत लिमिटेड के पेट्रोलियम परिसर में एलओडी टैंक के ऊपरी हिस्से में पेट्रोलियम वाष्प के संचित होने के कारण बिजली का गिरना दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है।

2. दिनांक : 25/04/2014 - स्थान : रायपुर (छत्तीसगढ़)

मृत -03, घायल - कोई नहीं

प्रोपेन और एलपीजी टैंकर में टक्कर होने के कारण एक दुर्घटना घटित हुई ।संभवतः तेजगति में गलत दिशा से आने के कारण पेट्रोलियम टैंकर और प्रोपेन टैंकर में जोरदारी की टक्कर हुई ।पेट्रोलियम

टैंकर से पेट्रोलियम उत्पाद का रिसाव होने के कारण टैंकर ने आग पकड़ ली और और दोनों टैंकरों में आग लग गई, प्रज्वलन का संभावित स्रोत किसी एक वाहन का इंजन है।

3. दिनांक : 01/04/2014 - स्थान : गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)

मृत - कोई नहीं,

घायल - कोई नहीं,

मेसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के परिसर में एक दुर्घटना घटित हुई। बिक्री कक्ष की बिल्डिंग रखे वोल्टेज स्टेवलाइजर में शॉर्ट सर्किट होना दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है।

4. दिनांक : 27/09/2014 - स्थान : बलिया (उत्तर प्रदेश)

मृत -11

घायल -02

पेट्रोलियम टैंक लॉरी में एक अग्नि/विस्फोटक दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना का संभावित कारण किसी स्थानिय निवासी द्वारा लैंप को प्रज्वलित करना था। जब एक स्थानिय निवासी द्वारा लैंप जलाया गया था, तब टैंक लॉरी में पेट्रोलियम उत्पाद का स्पीलेज होने के कारण हाइड्रोकार्बन वाष्प का संचय हो गया जिससे उच्च तीव्रता का विस्फोट हुआ।

5 दिनांक :08/11/2014 स्थान : जिला हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

मृत - कोई नहीं,

घायल - कोई नहीं,

मेसर्स हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड सर्विस स्टेशन में एक दुर्घटना घटित हुई। एमएस वाष्प के संचित होने के कारण एमएस डिस्पेंसर इकाई ने अंदर आग पकड़ ली, यह अनुमानित है कि ढीले तारों के कनेक्शन और केवल की गांठों का डिस्पेंसर कैबिनेट के साथ लगे होने के कारण जो चिंगारी उत्पन्न हुई वह प्रज्वलन का मुख्य स्रोत बनी।

6 दिनांक : 15/03/2015 स्थान : पन्की, कानपुर

मृत - 02

घायल - कोई नहीं,

पेट्रोलियम रोड टैंकर में उस समय जब वह सड़क किनारे की वेल्डिंग की दुकान पर ज्वलनशील मिश्रण का टैंक कंपार्टमेंट के अंदर होने से और बिना गैस फ्री होने से अग्नि/विस्फोटक दुर्घटना घटित हुई। टैंकर में विस्फोट हो गया और दो लोगों की उसी समय मौत हो गई।

उत्तरी अंचल, फरीदाबाद

विस्फोटक अधिनियम 1884 के अंतर्गत:

विस्फोटक नियम, 2008

1. दिनांक : 21/10/2014 - स्थान : फरीदाबाद

मृत - कोई नहीं ,

घायल - कोई नहीं

जिला प्राधिकारी द्वारा, अनुज्ञप्ति प्राप्त, फरीदाबाद के दशहरा मैदान में स्थित अस्थायी आतिशबाजी की दुकान में अग्नि दुर्घटना घटित हुई। 200 से भी अधिक अस्थायी आतिशबाजी की दुकानें जलकर राख हो गई, विस्फोटक नियमों की आवश्यक सुरक्षा मानदंडों का भी इन अस्थायी आतिशबाजी की दुकानों द्वारा

पालन नहीं किया गया था, किसी एक दुकान में बिजली की तारों में चिंगारी उत्पन्न होना प्रज्वलन का मुख्य स्रोत बना जिससे दूसरी अन्य दुकानों में भी आग फैल गई ।

2 दिनांक : 23/10/2014 स्थान : बाड़मेड़ (राजस्थान)

मृत -07

घायल - कोई नहीं

जिला प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञप्त प्राप्त आतिशबाजी की दुकान में अग्नि और विस्फोटक दुर्घटना घटित हुई दुकान एक जनरल स्टोर की थी जो कि त्योहार के मौसम में आतिशबाजी की बिक्री करती थी । कुछ आतिशबाजी जो दुकान के बाहर हो रही थी वह दुकान के अंदर आ गई और काउंटर के डिस्पले पर

आतिशबाजी होना शुरू हो गई, दुकान में रखे आतिशबाजी के स्टोक में आग फैल गई दुकान के मालिक तथा अन्य श्रमिकों ने हडबडाहट में दुकान के शटर बंद कर दिये जिससे 07 लोगों की दुकान के अंदर ही मौत हो गई

गैस सिलेंडर नियम 2004 ,के अंतर्गत:-

1 दिनांक : 31/05/2104

स्थान : दिल्ली

मृत -01 ,

घायल - कोई नहीं

कार के सीएनजी सिलेंडर में ईंधन भरवाते हुए एक दुर्घटना घटित हुई । सीएनजी सिलेंडर को कार में फिट करते समय वह फट गया तथा ब्लास्ट की वजह से शॉक वेव उत्पन्न होने के कारण अन्य चार कारों में भी क्षति पहुंची, सिलेंडर के निचले भाग का फटना दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है

स्थिर तथा गतिशील दाबपात्र (अज्वलित) नियम, 1981 के अंतर्गत :-

दिनांक :13/12/2014

स्थान : जयपुर (राजस्थान)

मृत - 10

घायल - 12

एक कंटेनर ट्रक मोटर बाइक को ले जाते हुए जिसमें प्रोट्रिडिंग कैबिन था ब्यूटाडाइन रोड टैंकर के वैसल(डीसहेड एंड) के पीछले भाग से टकरा गया। ब्यूटाडाइन के रिसाव होने से वह उत्तरी दिशा में जहां से हवा चल रही थी फैल गया, जिससे वाष्प के बादल बन गए और बाहरी स्रोत से एक चिंगारी उत्पन्न हुई जो वाष्प में प्रज्वलन का कारण बनी और वाष्प के बादलों में विस्फोट होने से उसी स्थान पर 10 लोगों की मौत हो गई

पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 के अंतर्गत :-

पेट्रोलियम नियम 2002:-

1. दिनांक : 20/06/2014 - स्थान : भटिंडा (पंजाब)

मृत - कोई नहीं, घायल - कोई नहीं

वैक्यूम गैस ऑयल युनिट (वीजीओ) में आग्नि/विस्फोट दुर्घटना घटित हुई। 20 इंच मुख्य उत्पाद पाइपलाइन से जुड़े वाल्व के वेल्डोलेट वेल्ड से वीजीओ और हाइड्रोजन का प्रारंभिक रिसाव शुरू हुआ। रिसाव के कारण आसपास, वाष्प के बादल जमा हो गए। तभी अचानक दबाव के कारण वेल्डिंग की एक परत की छिल से गर्म वीजीओ (अपने ऑटो इग्निशन तापमान से ऊपर) वातावरण के ऑक्सीजन के संपर्क में आया और विस्फोट के साथ आग लग गई। आग 5 घंटे के भीतर ही नियंत्रित की गई थी। पाइप स्पूल के नीचे के हिस्से में स्थित ¾ इंच वेल्डोलेट और 20 इंच पाइप स्पूल के बीच के वेल्ड जॉइंट की विफलता की वजह से दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना वेल्ड और उसके फिट-अप की खराब गुणवत्ता और इंटरपासेस के बीच फ्यूजन की कमी के कारण हुई।

2. दिनांक : 12/07/2014 - स्थान : नई दिल्ली

मृत - कोई नहीं, घायल - 1

कार में ईंधन भरवाते हुए एक दुर्घटना घटित हुई। घटनाक्रम के विश्लेषण और सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि कार ने ईंधन की नोजल डिस्पेंसर के साथ ही जो ईंधन टैंक के अंदर ही थी चलना शुरू कर दिया था। पेट्रोलियम के बहाव होने के कारण आग लग गई, पेट्रोलियम वाष्प में पास ही किसी वाहन या डिस्पेंसर के गुजरने से जो चिंगारी उत्पन्न हुई वह दुर्घटना का संभावित कारण हो सकता है।

3. दिनांक : 16/01/2015 स्थान : नई दिल्ली

मृत -कोई नहीं घायल - 01

चेनेज में 12"डीइएसयू मारुति के प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में 16.8 किलोमीटर के मध्य एस वी-10 और एस वी-11 को विभाजित करती मेसर्स गेल इंडिया लिमिटेड बैनिटो जौरज मार्ग- रिंग रोड वैकटेशवर कॉलेज, सत्यनिकेतन, चौराहे के पास, नई दिल्ली, में एक दुर्घटना घटित हुई। प्राकृतिक गैस पाइपलाइन और उसका आवरण ड्रिलिंग के दौरान क्षतिग्रस्त हो गया और रिसाव हुई गैस में प्रज्वलन के कुछ बाहरी स्रोतों से आग लग गई। प्रज्वलन का संभावित कारण किसी वाहन का रिसाव क्षेत्र के पास से गुजरना था जिससे चिंगारी उत्पन्न हुई।

पूर्वांचल, कोलकाता

पेट्रोलियम अधिनियम 1934

पेट्रोलियम नियम 2002 के अंतर्गत :-

1. दिनांक : 03/08/2014- स्थान: कटक, उड़ीसा।

मृत - कोई नहीं, घायल - 01

श्री जगन्नाथ इंजीनियरिंग वर्क्स के फेब्रिकेशन शॉप में एक टैंक लॉरी को सुधार के लिए ले जाते समय अग्नि/विस्फोटक दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना का संभावित कारण कम्पार्टमेंट्स में पेट्रोलियम ज्वलनशील वाष्प की उपस्थिति है जो वेल्डिंग ऑपरेशन के दौरान प्रज्वलित हो गई जिसके परिणामस्वरूप विस्फोट हो गया।

2. दिनांक : 01/09/2014 स्थान: जिला सिबसागर, असम
मृत -07, घायल - 03

मेसर्स असम गैस कंपनी लिमिटेड में 12 दुलिअजुन-नामरूप-मौरन में प्राकृतिक गैस के फटने से अग्नि दुर्घटना घटित हुई। पाइपलाइन फटने का मुख्य कारण जंग के गठन का घनीभूत होने है। गैस के साथ घनीभूत होने के कारण पाइपलाइन टूट गया।

- 3 दिनांक : 20/11/2014- स्थान: जिला, जगतसिंहपुर-ओडिशा।
मृत - कोई नहीं, घायल - कोई नहीं

एक पेट्रोलियम रोड टैंकर में अग्नि दुर्घटना घटित हुई। पेट्रोलियम टैंकर 30 मीटर की तेजी से भी ज्यादा सड़क पर पलटा और स्कीड हुआ। जो टैंक लॉरी पर सामान लदा हुआ था वह तुरंत ही सड़क के ऊपर गिर गया और हवा के साथ एक ज्वलनशील मिश्रण बन गया संभवतः कॉनक्रीट की सड़क के ऊपर टैंक लॉरी स्कीड हुई और उससे एक चिंगारी उत्पन्न हुई या खुली सड़क पर विस्फोटक के किसी अन्य स्रोत के कारण चिंगारी उत्पन्न हुई हो।

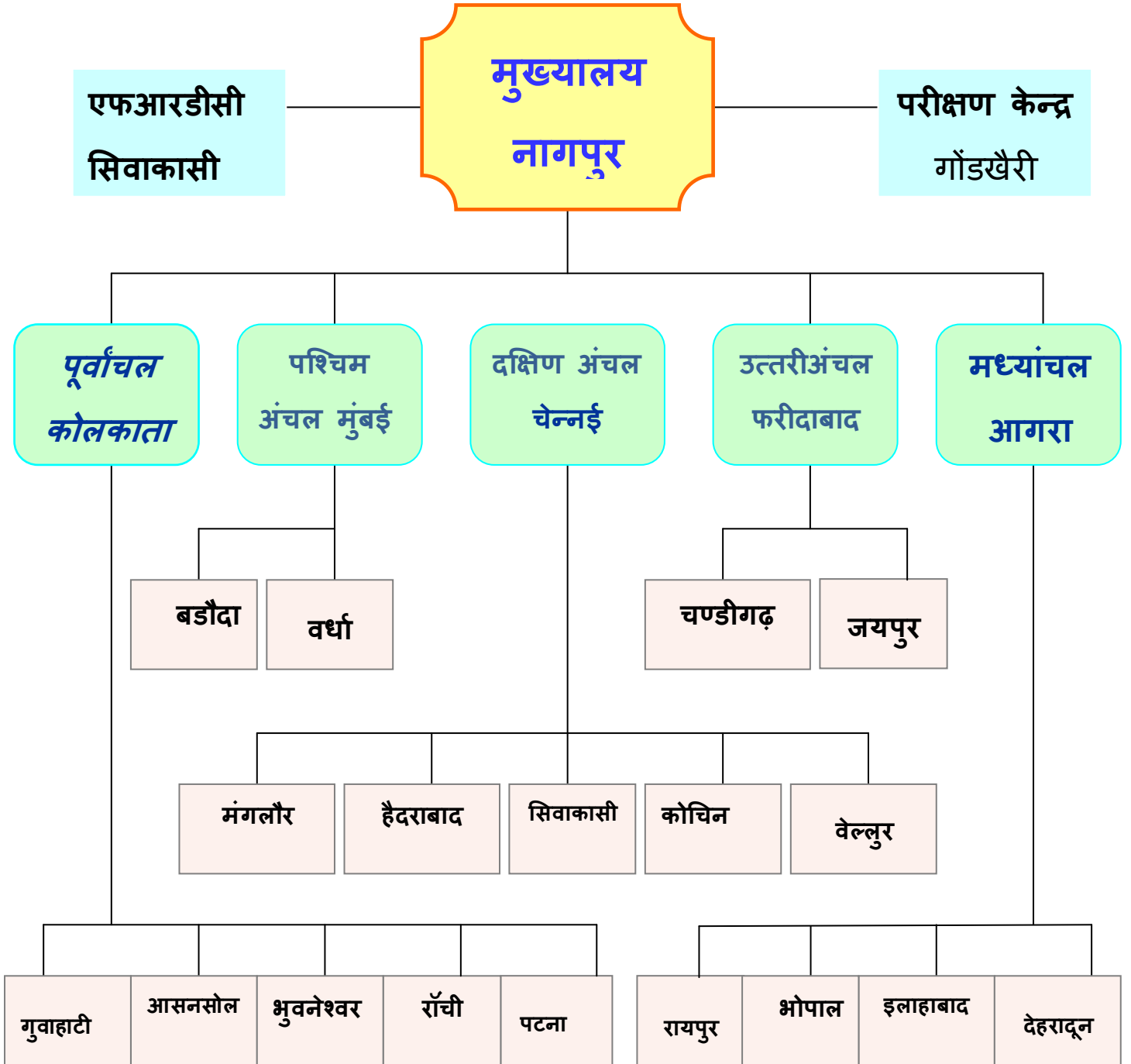
- 4: दिनांक : 21/11/2014 स्थान: जिला सिबसागर, असम
मृत - कोई नहीं, घायल - कोई नहीं

मेसर्स ऑईल इंडिया लि. की इलेक्ट्रोस्टेटिक इमलशन ट्रीटर(ईईटी) में एक अग्नि दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना का संभावित कारण मुख्य बर्नर में गैस का बहाव है जो शायद लगातार बहती रही और जिससे बर्नर मैग्नेट सिस्टम तथा तापमान में खराबी आ गई, जिसका परिणाम यह हुआ की चैम्बर के अंदर गैस इकट्ठी हो गई और पाइलेट बर्नर विस्फोटक का स्रोत बना।

- 5- दिनांक : 29/11/2014 स्थान: जिला : 24-परगना(वेस्ट बंगाल)
मृत - कोई नहीं, घायल - कोई नहीं

टोल्यूनि से निपटते समय मेसर्स चन्द्रा केमिकल इंटरप्राइजेज प्र.लि.के कारखाने में एक अग्नि दुर्घटना घटित हुई। दुर्घटना का संभावित कारण साधारण इलेक्ट्रीक मोटर ड्रम से टोल्यूनिक को उठाने के इस्तेमाल से हुआ जिसकी वजह से पेट्रोलियम का मंथन हुआ और अग्नि दुर्घटना घटित हुई।

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन का संगठनात्मक ढाँचा



पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन के अंचल तथा उप-अंचल कार्यालयों के क्षेत्राधिकार

संख्या	अंचल तथा उपअंचल कार्यालय के नाम	पता	क्षेत्राधिकार	टेलिफोन और फॅक्स नं.
क.	मुख्यालय	ई मेल :- explosives@explosives.gov.in	वेबसाईट :- http://peso.gov.in	
01	नागपुर	मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन, ब्लॉक-‘ए’, पाँचवा तल, केन्द्रीय सरकार कार्यालय परिसर, सेमिनरी हिल्स, नागपुर-440006	समस्त भारत	एस.टी.डी कोड :0712 दुरभाष : 2510103 2510580, 2510459 2510389, 2510579 2512006,2510072, 2512091,2510139, 2512093,2512094, 2511512, 2512257 इपीएबीएक्स:2510248 फैक्स : 2510577
ख.	पश्चिम अंचल	ई मेल :- jtccemumbai@explosives.gov.in		
01	नवी मुम्बई	संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, ‘ए-1’ ओर ‘ए-2’ विंग, पाँचवा तल, केन्द्रीय सरकार कार्यालय परिसर, सी.बी.डी.बेलापुर, नवी मुंबई-400614 (महा.)	गुजरात, वाशिम, हिंगोली, अकोला, परभणी, महाराष्ट्र, गोवा दमन और दिव, दादरा और नगर हवेली	एस.टी.डी कोड : (022) दुरभाष :27564941, 27573881 इपीएबीएक्स:27575946 फैक्स :27575967
उपअंचल कार्यालय				
02	बडौदरा	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, 8वा तल, यशकमल बिल्डिंग, सयाजीगंज, बडौदा-390020	गुजरात	एस.टी.डी कोड: (0265) दुरभाष : 2361035, 2225159 फैक्स : 2225952
उपअंचल कार्यालय				
03	वर्धा	विस्फोटक नियंत्रक, प्लाट नंबर - 36 तथा 37, वार्ड नंबर 18, राठी लेआउट, राष्ट्रभाषा रोड, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र)	महाराष्ट्र के वर्धा, यवतमाल, नांदेड, गोंदिया, चंद्रपुर, गडचिरोली, भंडारा जिले	एस.टी.डी कोड:(07152) दुरभाष : 245006, फैक्स : 230370
ग.	पूर्वांचल, कोलकाता	ई मेल :- jtceekolkata@explosives.gov.in		
01	कोलकाता	संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक,8-एक्सप्लेनेड पूर्व,	पश्चिम बंगाल, बिहार, उडिशा, असम, मनीपुर,	एस.टी.डी कोड : (033) दुरभाष : 22480427,

		पहली मंजिल, कोलकता-700 069 (पश्चिम बंगाल)	त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, नागालैंड, अंदमान तथा निकोबार द्वीप समूह	22486600, 22489524, 22420686 फैक्स : 22439322
उपअंचल कार्यालय				
02	आसनसोल	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, 93 शशिभूषण गोराई रोड, पो.ऑ. आसनसोल, जिला बर्दवान-713301 (प.बं.)	बर्दवान के बांकुरा, बर्दवान और पुरुलिया, (पश्चिम बंगाल), जिले	एस.टी.डी कोड: (0341) दुरभाष : 2283967 फैक्स : 2283834
उपअंचल कार्यालय				
03	गुवाहाटी	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, जी.एन.बी. रोड, भवन मैसन के पास, चौथी मंजिल, पंचवटी, सीलपुखारी, गुवाहाटी-781003 (असम)	असम, सिक्किम, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम	एस.टी.डी कोड: (0361) दुरभाष : 2662783 फैक्स : 2662503
उपअंचल कार्यालय				
04	रांची	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, श्री मोहन बिल्डिंग, सीता कंपाउंड, 5, मेन रोड, सुशीला ऑटोमोबाइल्स के पिछे, रांची 834001 (झारखंड)	झारखंड	एस.टी.डी कोड : (0651) दुरभाष : 2332689, 2332690 फैक्स : 2332688
उपअंचल कार्यालय				
05	भुवनेश्वर	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, एफ-35/ए, बीजेबी नगर, भुवनेश्वर-751014 जिला खुर्दा, ओडीशा	उडीसा	एस.टी.डी कोड: (0674) दुरभाष : 2433370, 2433390 फैक्स : 2430656
उपअंचल कार्यालय				
06	पटना	विस्फोटक नियंत्रक, पहली मंजिल, महावीर कॉम्प्लेक्स, आदर्श कालोनी, रोड नं. 2, खेमनीचौक, पो.ऑ. न्यू जनानपुरा, पटना 800027	बिहार	एस.टी.डी कोड : (0612) दुरभाष : 2390914 फैक्स : 2390913
घ. दक्षिण अंचल, चेन्नई ई मेल :- jtccechennai@explosives.gov.in				

01	चेन्नई	संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, 'ए' और 'डी' विंग, ब्लॉक 1-8, द्वितीय तल, शास्त्री भवन, 26 हेडौस रोड, चेन्नई - 600 008 (तमिलनाडू)	तामिलनाडू, कर्नाटक, केरल, आंध्रप्रदेश, पाण्डिचेरी और लक्षद्वीप द्वीपसमूह	एस.टी.डी कोड : (044) दुरभाष : 28515464, 28419529, 28429945-47, 28515464 फैक्स : 28514848
उपअंचल कार्यालय				
02	एर्नाकुलम	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, सी-2, 3 रा माला, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, सीएसईजेड के सामने, काक्कानाड, एरनाकुलम, कोची-682037 (केरल)	केरल, पाण्डिचेरी संघशासित क्षेत्र के अंतर्गत माहे	एस.टी.डीकोड : (0484) दुरभाष : 2427286 फैक्स : 2427276
उपअंचल कार्यालय				
03	मंगलौर	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, दूसरी मंजिल, सिटी सेंटर, हॉटेल रूपा के सामने, बलमाता रोड, मंगलौर-575001 (कर्नाटक)	कर्नाटक	एस.टी.डी कोड: (0824) दुरभाष : 2420167, 2441588 फैक्स : 2423937
उपअंचल कार्यालय				
04	सिवाकासी	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, एफआरडीसी, ईएसआई अस्पताल के पिछे, सिवाकासी पश्चिम, सिवाकासी 626124 (तमिलनाडू)	तमिलनाडू के रामनाथपुरम, मदुराई, तिरुनेलवेली, तंजावूर, थेनी, कन्याकुमारी, विरुदुनगर, टुटीकोरीन, मदुराई, डिन्डीगुल और नागापट्टीनम जिले	एस.टी.डी कोड : (04562) दुरभाष : 254353, 254253 फैक्स : 255233
उपअंचल कार्यालय				
05	वेल्लूर	विस्फोटक नियंत्रक, प्लॉट नं ए2/118, दरवाजा नंबर 3, 5 ईस्ट क्रॉस रोड, गांधी नगर टाउन पंचायत, कट्टपडी तालुका, वेल्लूर जिला - 632006 (तमिलनाडू)	तमिलनाडु के वेल्लूर धरमपुरी, तीरुवंनामलम, सालेम, ब्रोडे और कोईंबंतुर जिले	एस.टी.डी कोड : (0416) दुरभाष : 2241642 फैक्स : 2242513
उपअंचल कार्यालय				
06	हैदराबाद	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, रूम सं 602, छठी मंजिल, सीजीओ टावर्स,	आंध्रप्रदेश, संघशासित क्षेत्र पांडीचेरी के अंतर्गत येनम	एस.टी.डी कोड : (040) दुरभाष : 27540359, 27547863

		कवाडीगुडा, सिकंदराबाद 500080 (आंध्रप्रदेश)		फैक्स : 27547803
ड.	मध्यांचल	ई मेल :- jtcceagra@explosives.gov.in		
01	आगरा	संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, 63/4, ए-विंग, दुसरी मंजील, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, संजय पॅलेस, आगरा-282 002 (उ.प्र.)	उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल और छत्तीसगढ	एस.टी.डी कोड: (0562) दुरभाष : 2521322, 2523244, 2523266 फैक्स : 2527436
उप अंचल कार्यालय				
02	इलाहाबाद	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, सेक्टर-1, भवन नं. 66, लाजपत राय रोड, इलाहाबाद-211 001 (उ.प्र.)	उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद, आंबेडकर नगर, आजमगढ, बहराइच, बलरामपूर, बलियां, बारांबाकी, बस्ती, भदौली, चंदौली, देवरीया, फैजाबाद, गाजीपुर, गोंदा, गोरखपुर, हरदोई, जौनपुर, कबीरनगर, कौशम्बी, लखीमपुर, खेरी, लखनउ, मिर्जापुर, मउ, महाराजगंज, प्रतापगढ, श्रावस्ती, सिद्धार्थ नगर, सितापुर, सोनभद्र, सुल्तानपुर, वाराणसी, जिले	एस.टी.डी कोड: (0532) दुरभाष : 2250329, 2441491 फैक्स : 2644964
उपअंचल कार्यालय				
03	भोपाल	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, ई-7/41, भूतल और प्रथम तल, लाला लाजपत राय सोसायटी, अरेरा कॉलोनी, भोपाल-462016 (म.प्र.)	मध्यप्रदेश	एस.टी.डी कोड: (0755) दुरभाष : 2420775, 2445270 फैक्स : 2429997
उपअंचल कार्यालय				
04	देहरादून	विस्फोटक नियंत्रक, इंदिरा नगर, एशियन स्कूल के पास, देहरादून 248006, उत्तराखंड	उत्तराखंड	एस.टी.डी कोड:(0135) दुरभाष : 2769780 फैक्स : 2769794
05	रायपुर	विस्फोटक नियंत्रक, अवंती	छत्तीसगढ	एस.टी.डी कोड:(0771)

		विहार कालोनी, मेन रोड, पोस्ट शंकर नगर, रायपुर - 492007, छत्तीसगढ़		दुरभाष : 2442204 फैक्स : 2442204
च. उत्तरी अंचल कार्यालय jtccfaridabad@explosives.gov.in				
01	फरीदाबाद	संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, हॉल नं. 502, 507, लेवल 5, ब्लॉक - बी, पुराना सीजीओ कॉम्प्लेक्स, एनएच-4, फरीदाबाद- 121001 (हरियाणा)	दिल्ली, जम्मू, काश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान तथा संघशासित क्षेत्र चंडीगढ़	एस.टी.डी कोड:(0129) दुरभाष : 2410730, 241770, 2410732, 2410734, 2410731, 2421388 फैक्स : 2410733
उपअंचल कार्यालय				
02	चंडीगढ़	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, शॉप कम ऑफिस बिल्डींग, 1134/1135, सेक्टर-22/बी, चंडीगढ़ - 160002	पंजाब, जम्मू और कश्मिर, हिमाचल प्रदेश तथा चंडीगढ़	एस.टी.डी कोड :(0172) दुरभाष : 2702586, 2727234 फैक्स : 2725839
उपअंचल कार्यालय				
03	जयपुर	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, आम्रपाली रोड, आम्रपाली पावर हाउस के पास, वैशाली नगर, जयपुर- 302004	राजस्थान	एस.टी.डी कोड: (0141) दुरभाष : 2356731, 2356781 फैक्स : 2350279
छ. परिक्षण केंद्र				
01	गोंडखैरी	उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, विभागीय परीक्षण केंद्र, 18 किमी, अमरावती रोड, पोस्ट गोंडखैरी, नागपुर-440023 (महा)	नागपुर, अमरावती	एस.टी.डी कोड:(07104) दुरभाष : 280374, 280305 फैक्स : 280565
ज. आतिशबाजी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, (एफ.आर.डी.सी.)				
01	सिवाकासी	आतिशबाजी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, ग्राम - अनैयुर, सिवाकासी (पश्चिम), जिला- विरूधुनगर 626124 (तामिलनाडु)	-	एस.टी.डी कोड : (04562) दुरभाष : 254402 फैक्स : 254404

वेतन तथा लेखा कार्यालय

01	नागपुर	वेतन तथा लेखा अधिकारी सीजीओ कॉम्प्लेक्स, ब्लॉक- सी, पहिली मंजिल, सेमिनरी हिल्स, नागपुर-440006 (महा)	-	एस.टी.डी कोड: (0712) दुरभाष : 2510819 फैक्स : 2510819
----	--------	---	---	---

संगठन के विभिन्न कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वीकृत पद

पद का नाम	मुख्यालय	डी.टी.एस. गोंडखैरी	एफआर डीसी	चेन्नई	कोलकाता	फरिदाबाद	आगरा	मुंबई	उप- अंचल कार्यालय	कुल
मु.वि.नि.	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1
सं.नि.वि.मु.	2	0	0	1	1	1	1	1	0	7
उप मु.नि.वि.	4	0	1	1	1	1	1	1	13	23
वि.नि.	6	1	1	5	4	4	4	5	16	46
उप वि.नि.	2	1	2	7	6	3	4	6	29	60
प्र.अ.	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1
ले.अ.	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1
निजी सचिव	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1
हिन्दी अधिकारी	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1
वरिष्ठ तकनीकी सहायक	0	3	2	0	0	0	0	0	0	5
वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1
आशुलिपिक-I	4	0	0	1	1	1	1	2	0	10
कार्यालय अधीक्षक	4	0	0	3	3	3	3	3	0	19
सहायक	9	1	0	2	2	3	2	2	13	34
पुस्त. सहायक.	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1
लेखापाल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	6
उ.लि.श्रे.	12	2	1	9	8	4	5	9	21	71
नि.लि.श्रे.	18	1	1	5	3	3	4	4	19	58
आशुलिपिक --II	2	1	0	1	1	1	1	1	13	21
आशुलिपिक -III	1	0	1	2	1	1	1	1	13	21
कनिष्ठ तकनीकी सहायक	0	4	2	0	0	0	0	0	0	6
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	0	0	0	1	1	1	1	1	0	5
चालक	2	1	1	1	1	1	1	1	13	22
ग्रुप डी	10	5	4	5	5	4	5	5	16	59
कुल	84	20	16	45	39	32	35	43	166	480

वर्ष 2013-2014 के दौरान विस्फोटकों का उत्पादन

क्रं	विवरण	वर्ग	उत्पादन किलो/मीटर/संख्या
1	गन पावडर	1 प्रभाग 0	549
2	नाईट्रेट मिश्रण	2 प्रभाग 0	269999
3	एस एम ई	2 प्रभाग 0	519878
4	पीईटीएन + कास्ट बुस्टर	3 प्रभाग 2	6186
5	सेफटी फ्यूज	6 प्रभाग 1	74
6	डिटोनेटर फ्यूज	6 प्रभाग 2	427
7	डिटोनेटर	6 प्रभाग 3	1031
8	माइक्रो कॉर्ड	7 प्रभाग 3	106261

वर्ष 2014-15 में विस्फोटकों का उत्पाद

क्र. संख्या	विस्फोटकों	वर्ग	मात्रा मेट्रिक टनए मिलियन मीटरए मिलियन संख्या में
1	बारूद	1 प्रभाग.0	535.0
2	नाइट्रेट मिश्रण	2 प्रभाग.0	344146.0
3	एस एम ई	2 प्रभाग.0	604234.0
4	पीईटीएन+कास्ट बुस्टर	3 प्रभाग.2	7015.0
5	सुरक्षा फ्यूज	6 प्रभाग.1	68.6
6	डेटोनेटर फ्यूज	6 प्रभाग.2	457.7
7	डेटोनेटर (सभी प्रकार के)	6 प्रभाग.3	906.6
8	माइक्रो कोर्ड	7 प्रभाग.3	209109

विस्फोटकों का आयात तथा निर्यात

आयात :-

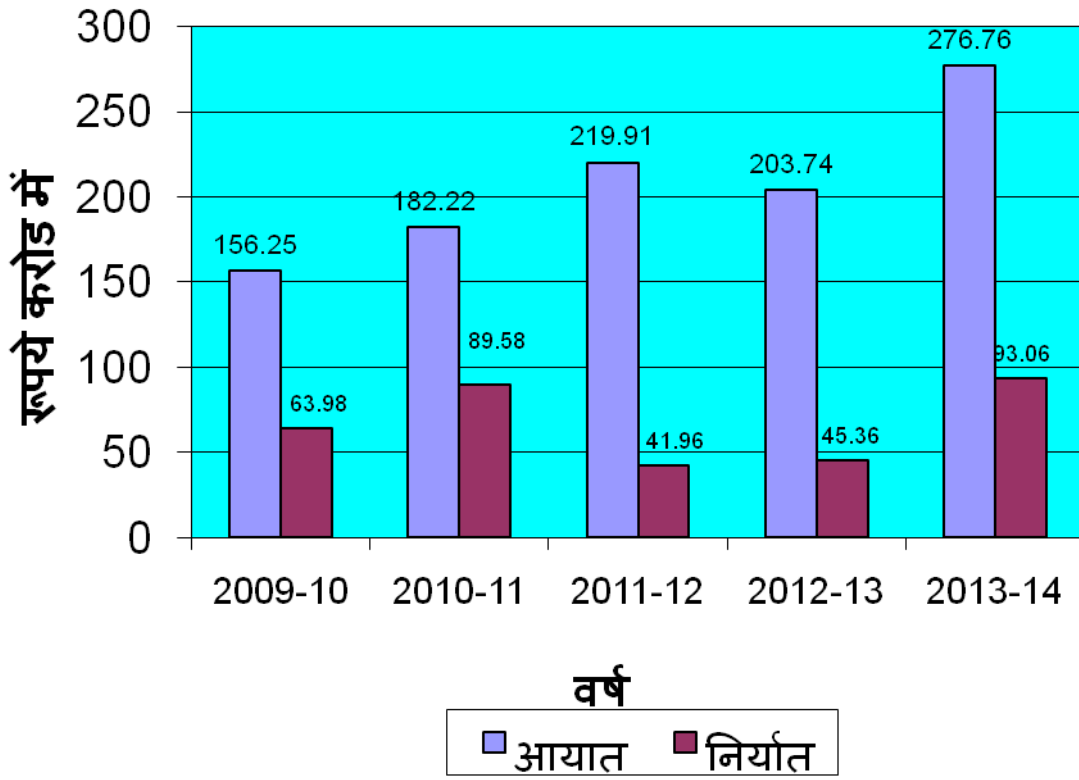
वर्ष 2016-2017 के दौरान शॉर्ट डिले डिटोनेटर तथा विशिष्ट प्रकार के विस्फोटकों के आयात के लिये 119 अनुज्ञप्तियां प्रदान की गयी, जिनका प्रयोग आईल इंडिया लि., केर्न एनर्जी इंडिया लि., बी.जी.एक्प्लोरेशन अण्ड प्रोडक्शन इंडिया लि., एचएलएस एशिया लि., आईल एण्ड नॅचरल गैस कॉर्पोरेशन लि., नीको रिसोर्सेस लि., रिलायन्स इन्डस्ट्रीज लि., जीओइन्प्रो पेट्रोलियम लि., ग्रेट ईस्टर्न एनर्जी कॉ. लि., जोशी टेक्नोलॉजीज इन्टरनॅशनल इंक., श्लुमबरजर एशिया सर्व्हीसेस लि., गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉ. लि., इलेक्ट्रोनिक्स कॉप. ऑफ इंडिया लि., इंडियन एक्स्प्लोज़िक्स लि., राजस्थान एक्स्प्लोज़िक्स

एण्ड केमिकल लि., आयडियल डिटोनेटर प्रा. लि., सेलन एक्स्प्लोरेशन टेक्नोलॉजी लि., फोकस एनर्जी लि., प्रीमिअर एक्स्प्लोडिक्स लि., ओएओ "गॅसप्रोम", प्रीमिअर आइल (नार्थ ईस्ट इंडीया) बीवी, इसार आइल लि., एण्ड मरीन सेफ्टी प्रोडक्ट्स, एएस मोलूभोय एण्ड सन्स, एसएचएम शिपकेयर फॉर शिपिंग सिग्नल्स (पायरोटेक्निक्स) और सृजन सिस्टम प्रा.लि. पायरोटेक्नीक स्केयर कारट्रेजेस के प्रयोग हेतु (एण्टी बर्ड डिवायसेस), एअर पोर्ट एथोरिटी ऑफ इंडिया एण्ड एअर फोर्स स्टेशन के उपयोग के द्वारा किया गया ।

निर्यात :-

वर्ष 2016-2017 के दौरान **341 अनुज्ञप्तियां** निर्यात के लिये जारी की गई । निर्यात किए गए विस्फोटको का मूल्य **रु 174.47 करोड** था ।

पिछले 5 वर्षों में विस्फोटकों का आयात तथा निर्यात



वर्ष 2016-2017 के दौरान विस्फोटकों का नष्टीकरण

वर्ग -1	62.99 कि.ग्रा.
वर्ग -2	113607.92 कि.ग्रा.
वर्ग -3 प्रभाग 2	87.75 कि.ग्रा.
वर्ग -6 प्रभाग 1	16629.76 मीटर
वर्ग -6 प्रभाग 1 (संख्या)	1520 संख्या
वर्ग -6 प्रभाग 2	153297.48 मीटर
वर्ग -6 प्रभाग 2(संख्या)	1205 संख्या
वर्ग -6 प्रभाग 3	1498272 संख्या
वर्ग -7 प्रभाग 2	7065.83 कि.ग्रा.
वर्ग -7 प्रभाग 2 (2)	8021 संख्या
अमोनियम नाइट्रेट	5627.05 कि.ग्रा.

गैस सिलेण्डर्स, वाल्व तथा रेगुलेटर्स का उत्पादन, आयात और निर्यात

गैस सिलेण्डर तथा वाल्व:

वर्ष, 2012-13, 2013-14 तथा 2014-15 के दौरान सिलेण्डर वाल्व तथा रेगुलेटर्स के उत्पादन का तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. संख्या	उत्पाद का विवरण	वर्ष के दौरान विनिर्मित (संख्या)		
		2012-13	2013-14	2014-15
1.	निम्नलिखित के लिए वेल्ड किये हुए लोड कार्बन स्टील गैस सिलेण्डर :			
क.	एलपीजी	28,09,740	8,261,195	10,656,085
ख.	डिजॉल्ड ऐसीटिलीन गैस	1,680	398	817
ग.	अन्य कम दाब वाली द्रवित गैस	1,11,900	7037	2672
	योग (क+ख+ग)	29,23,320	82,68,630	10,659,574
2.	कम दाब वाले द्रवित गैस के लिए वेल्डेड बड़े कन्टेनर	11,400		300
3.	स्थायी तथा उच्च दाब के द्रवित गैस के लिए सीमलेस स्टील सिलेण्डर	9,15,566	6,90,656	7,28,530
4.	निम्नलिखित के लिए वाल्व:			
क.	एलपीजी सिलेण्डर	65,11,640	3,09,84,685	3,28,92,276
ख.	अन्य गैस सिलेण्डरों के लिए	9,38,650	97,594	56,808
	योग (क+ख)	74,50,290	3,10,82,279	3,29,49,084,
5.	कम दाबवाले द्रवित पेट्रोलियम गैस रेगुलेटर	41,20,300	93,91,814	10,327,945

सिलेण्डरों का आयात :

व्यापार तथा उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए हाई प्र्यूरिटी पर्मनेन्ट गैस तथा गैस मिश्रण सिलेण्डरों में भरकर आयात करने की आवश्यकता होती है । इसलिए विभिन्न देशों से अधिक मात्रा में सिलेण्डरों के आयात के लिये स्वीकृति देने की आवश्यकता होती है । वर्ष 2016-2017 के दौरान विभिन्न गैसो/गैस मिश्रण से भरे 44,637 सिलेण्डरों के आयात तथा ऑटोमोबाइल में प्रयोग हेतु खाली सीएनजी सिलेण्डर सहित संपीडित गैस से भरने हेतु 48,335 खाली सिलेण्डरों के आयात के लिए अनुज्ञप्तियां प्रदान की गई ।

सिलेण्डरों का निर्यात :

वर्ष 2016-2017 के दौरान कुल 2,98,318 भरे हुए सिलेण्डर्स का निर्यात हुआ ।

वाल्व तथा द्रवित पेट्रोलियम गैस रेग्युलेटर्स का निर्यात :

कुल 1,30,150 वाल्व तथा 1,10,600 एलपीजी रेग्युलेटर्स का वर्ष 2013-2014 के दौरान निर्यात किया गया ।

सिलेण्डर्स में भरे संपीडित गैस का निर्यात :

वर्ष 2016-2017 के दौरान 54,738 खाली सिलेण्डर्स/कन्टेनर्स को आयात करके तथा गैस से भरकर पुनः निर्यात किया गया ।

वॉल्व विनिर्माताओं की सूची
(01.04.2013 से 31.03.2014 के दौरान अनुमोदित)

क्रम.सं	कंपनियों के नाम तथा पते
1.	मेसर्स आकाश इंडस्ट्रिज, ए0-11, अमृत स्टील कम्पाउंड, एसएसजीटी रोड, औद्योगिक क्षेत्र, गाजियाबाद- 201001 (यू.पी.)
2.	मेसर्स एस.वी. इंजीनियरिंग, 139/15, मोहकमपुर इंडस्ट्रियल एरिया , फेज-1, दिल्ली रोड, मेरठ- 250003 (यू.पी.)

एलपीजी सिलेण्डर्स के विनिर्माताओं की सूची
(01.04.2014 से 31.03.2015 के दौरान अनुमोदित)

क्रम. सं.	पार्टी का नाम तथा पता
1.	मेसर्स एसएम सन पॉवर लिमिटेड बी-4, साइट-4, यूपीएसआइडीसी औद्योगिक क्षेत्र, साहिबाबाद गाजियाबाद, यू.पी.-201010
2.	मेसर्स डेकिनी हेल्थ फूड्स, 2 तल, डी-14, प्रीत विहार, दिल्ली- 110092
3.	मेसर्स श्री कृष्णा पैकजिंग, विल:-जौहरन, त्रिलोकपुर रोड, कला एम्ब, तहसील नाहन, जिला सिरमोर - 173030(हिमाचल प्रदेश)
4.	मेसर्स मित्तल वेसलस (प्रा.) लिमिटेड, 7वां केएम स्टोन, भोपा रोड, मुर्ज्जफनगर, यू.पी.- 251001
5.	मेसर्स प्रोग्रेसिव्स इंडस्ट्रिज,

	गांव ओगलि, कला एम्ब, जिला सिरमोर, (हिमाचल प्रदेश) पिन-173030
6.	मेसर्स गुप्ता एग्री केयर प्रा. लि., बी- 12,13, 14, इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट, जिला संगरूर- 148001 (पंजाब)

**एलपीजी रेगुलेटर्स के विनिर्माताओं की सूची
(01.04.2014 से 31.03.2015 के दौरान अनुमोदित)**

क्रम.सं.	पार्टी का नाम तथा पता
1	मेसर्स एसएम सन पॉवर लिमिटेड बी-4, साइट-4, यूपीएसआइडीसी उद्योगिकी क्षेत्र, साहिबाबाद, गाजियाबाद , यू.पी.-201010
2	मेसर्स डेकिनी हैल्थ फूड्स, 2 तल, डी-14, प्रीत विहार, दिल्ली- 110092
3	मेसर्स श्री कृष्णा पैकजिंग, विल:-जौहरन, त्रिलोकपुर रोड, कला एम्ब, तहसील नाहन, जिला सिरमोर - 173030(हिमाचल प्रदेश)
4	मेसर्स मित्तल वेसलस (प्रा.) लिमिटेड, 7वां केएम स्टोन, भोपा रोड, मुर्ज्जफनगर, यू.पी.- 251001
5	मेसर्स प्रोग्रेसिक्स इंडस्ट्रिज, गांव ओगलि, कला एम्ब, जिला सिरमोर, (हिमाचल प्रदेश) पिन-173030
6	मेसर्स गुप्ता एग्री केयर प्रा. लि., बी- 12,13, 14, इंडस्ट्रियल फोकल प्वाइंट, जिला संगरूर- 148001 (पंजाब)

**ऑटो एलपीजी कंटेनर के विनिर्माताओं की सूची
(01.04.2014 से 31.03.2015 के दौरान अनुमोदित)**

क्रम.सं.	कंपनी का नाम तथा पता
1.	शून्य

**वाल्व के विनिर्माताओं की सूची
(01.04.2014 से 31.03.2015 के दौरान अनुमोदित)**

क्रम.सं.	कंपनी का नाम तथा पता
1.	शून्य

**अनुमोदित दाबपात्र फैब्रीकेटर की सूची
(01.04.2014 से 31.03.2015 के दौरान अनुमोदित)**

क्रम.सं.	कंपनी का नाम तथा पता
1.	मेसर्स आर्शोवाद कार्बोनिक (इंडिया) प्रा. लिमिटेड, बी-90/ए1, शिवम अपार्टमेंट-11, शालिमार गार्डन एक्सटेंशन-11, साहिबाबाद, गाजियाबाद-201005
2.	मेसर्स दिश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, केएच नंबर 39/25,40/21, हनुमान लेन, रानी खेरा रेलवे एक्स विंग, के पास मुण्डका, नागलोई, दिल्ली-110041
3.	मेसर्स शैल-एन-ट्यूब प्राइवेट लिमिटेड, 3 गुलमोहर औकिडस, 29/37, सहने सुजान पार्क लूलानगर, पूणे- 411040
4.	मेसर्स एल एंड टी हाइड्रो कार्बन इंजिनियरिंग लिमिटेड, एमएफएफ ईपीसी ब्लॉक, सूरत हजिरा रोड, हजिरा, जिला, सूरत -394510

**01.04.2014 से 31.03.2015 के दौरान
जारी की गई एसएमई/एएनएफओ अनुज्ञप्तियां**

क्रम.सं.	कंपनी का नाम तथा पता	अनुज्ञप्ति संख्या
1	मे.इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	ई/एचक्यू/सीजी/एसएम/24(ई55040)
2	मे.प्रीमियर एक्सप्लोसिक्स लिमिटेड	ई/एचक्यू/टीजी/एसएम/21(ई58904)
3	मे.ब्लेक डाइमंड एक्सप्लोसिक्स लिमिटेड	ई/एचक्यू/जेएच/एसएम/18(ई68362)
4	मे.सोलर इंडस्ट्री इंडिया लिमिटेड	ई/एचक्यू/टीजी/एसएम/20(ई71271)
5	मे.सोलर इंडस्ट्री इंडिया लिमिटेड	ई/एचक्यू/ओआर/एसएम/16(ई79713)
6	मे.सोलर इंडस्ट्री इंडिया लिमिटेड	ई/एचक्यू/आरजे/एसएम/11(ई79717)
7	मे. इंडिया एक्सप्लोसिक्स लिमिटेड	ई/एचक्यू/आरजे/एसएम/10(ई79718)
8	मे. भारत अलमोनियम कंपनी लिमिटेड	ई/एचक्यू/सीजी/एसएम/23(ई80287)
9	मे.सोलर इंडस्ट्री इंडिया लिमिटेड	ई/एचक्यू/एमएच/एसएम/14(ई82514)
10	मे.रेजिंसीस इंडस्ट्री प्राइवेट लिमिटेड	ई/एचक्यू/टीजी/एसएम/22(ई83506)
11	मे. छेत्तीनद सीमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड	ई/एचक्यू/टीएन/एसएम/5(ई84223)
12	मे. अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड (यूनिट कोटपूतली सीमेंट वर्क्स)	ई/एचक्यू/आरजे/एसएम/12(ई85394)

2016-2017 के दौरान पेट्रोलियम वेसल्स के परीक्षण

मुंबई, अलंग (गुजरात), कोलकाता, विशाखापट्टनम, मंगलौर, चेन्नई तथा कोचिन बंदरगाह पर स्थित पेट्रोलियम टैंकर वेसल्स के ऑईल टैंक पंप रूम, आदि के परीक्षण के पश्चात इस संस्थान के अधिकारियों द्वारा वर्ष 2016-2017 के दौरान 2369 गैस-फ्री प्रमाणपत्र जारी किये गए ।

यद्यपी शिप ब्रेकिंग यार्ड्स में पुरजे खोलकर तथा काटकर तोडने के लिए योग्य टैंकर, पेट्रोलियम वहन पात्र नही है, फिर भी इससे जुडे/ संबंधित खतरो तथा कामगारो की सुरक्षा को देखते हुए, संगठन, डॉक एन्ट्री तथा मॅन एन्ट्री के प्रयोजन के लिए गैस-फ्री कंडीशन्स के जाँच तथा परीक्षण के लिए अपनी सेवाएं दे रहा है । इससे शिप ब्रेकिंग इंडस्ट्री को बढने तथा विश्व के दुसरे सबसे बडे रूप मे विकसित होने मे मदद हुई है ।

न्यायालय में उपस्थिति:

वर्ष 2016-2017 के दौरान विस्फोटक अधिनियम, 1884 तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 के विभिन्न धाराओं के अंतर्गत अभियोजन के मामलो में इस संगठन के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारियों ने 56 मौको पर अदालतों मे एक्स्पर्ट तकनिकी साक्ष्य दी।

**01.04.2014 से 31.03.2015 के दौरान
रिफाइनरियों के कार्य**

अनु. क्र.	परिष्करण शाला (रिफायनरी) का नाम	क्रुड ऑयल प्रोसेस्ड/ निर्माण	स्थापित क्षमता	एलपीजी निर्माण	एलपीजी का विपणन	दुर्घटनाओं की संख्या	निर्यात	
		एमएमटी	एमएमटी	एमएमटी	एमएमटी		संख्या (एमटी में)	मूल्य (करोड में)
1.	आयसोसीएल, दिगबोई	0.62	0.65	0.006	0	0	0	0
2.	आयओसीएल, पानीपत	14.2	15	0.67	0	0	0	0
3.	आयओसीएल, गुवाहाटी	1.0	1.0	0.04	0.04	0	0	0
4.	आयओसीएल, बरौनी	5.94	6	0.29	0.29	0	0.85	5685
5.	आयओसीएल, हल्दीया	7.6	7.5	0.25	0.25	0	0.18	0
6	आयओसीएल, वडोदरा	12.8	13.7	0.26	0.43	0	0	0
7	आयओसीएल, मथुरा		8					
8	आयओसीएल, बोंगईगांव	2.4	2.3	0.052	0.052	0	0	0
9	एचपीसीएल, मुंबई	7.4	6.5	0.38	0.37	2	0	0
10	एचपीसीएल, वैजाक	8.7	8.3	0.43	0.43	06	0.68	2838.12
11	बीपीसीएल, मुंबई	0	12	0.42	0	0	1.3	4968
12	एस्सार ऑईल लि.	20.94	20	0.77	0.76	0	0	0
13	बीपीसीएल कोच्ची रिफायनरी	10.35	9.5	0.52	0	0	0.67	2348.58
14	सीपीसीएल लि. कावेरी बेसिन रिफायनरी	0.58	1	0.5	20.52	0	0	0
15	सीपीसीएल, मनाली	10.78	10.5	00	00	0	0	0
16	नुमालीगढ रिफायनरी आसाम	2.78	3.0	00	00	0	0	0

17	आरआयएल जामनगर एसईड्रैड रिफायनरी डिवीजन	37.15	35.2	0.87	0.87	0	31.16	14872
18	डीटीए रिफायनरी डिवीजन	30.86	33	0.39	0.39	0	9.92	44067
19	एमआरपीएल	14.65	15	0.50	0.49	0	4.9	0
20	भारत ओमान रिफायनरी	00	6	0.19	0.19	0	0	0
21	एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड	7.3	9	0.55	0.55	1	0	0
22	ओएनजीसी लिमिटेड, ताटीपाका रिफाइनरी	0.0015	0.06	0	0	0	0.006	20.40
	योग	95.60	223.21	7.10	5.63	9.0	49.66	74799.1